RNI No.: MPHIN/2022/82783

॥ हर हर महादेव ॥

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए | 28 जून 2025 | वर्ष 04, अंक 6 , | मासिक पत्रिका

CERTIFIED ISO 9001:2015 CERTIFIED

मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल

- भारतीय उद्यमियों के हौसले हुए बुलंद
- विकास के प्रति नवीन दृष्टिकोणः सांसद आदर्श ग्राम योजना
- भारत के विकास को मिली मज़बूती
- एक खुशहाल भारत के लिए मजबूत किसान
- एक उज्ज्वल भविष्य की ओर
- कायम की अभूतपूर्व पारदर्शिता

विदेशों में स्थित ये प्रसिद्ध हिन्दू मंदिर, जो अपनी आस्था के लिए विदेशों में भी हैं प्रसिद्ध

भारत के हर राज्य में कई हिन्दू देवी-देवताओं के प्राचीन मंदिर हैं। देश के हर गली-मोहल्ले में भी आपको एक मंदिर जरूर मिल जाएगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ना केवल देश में, बल्कि विदेशों में भी कई हिंदू देवी-देवताओं के मंदिर हैं। ये सभी मंदिर दुनियाभर में बहुत प्रसिद्ध हैं और दुनिया के कोने-कोने से लोग यहाँ दर्शन के लिए आते हैं। आज हम आपको विदेश में स्थित मंदिरों के बारे में बताएंगे। तो आइए जानते हैं।

भारत से 4800 कि.मी. दूर कंबोडिया देश जहाँ पर है विश्व का सबसे बड़ा हिन्दू मंदिर परिसर तथा विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक भी। हम बात कर रहे हैं विशालकाय हिन्दू मंदिर की, यह मंदिर है अंकोरवाट मंदिर जो कम्बोडिया के अंकोर में स्थित है। इसका पुराना नाम यशोधपुर था। यह मंदिर दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक स्मारकों में से एक है। भगवान विष्णु को समर्पित इस मंदिर का निर्माण लगभग 12वीं सदी में कम्बोडिया के खमेर राजा सूर्यवर्मणाम द्वितीय ने करवाया था। इंडोनेशिया के निवासी इस मंदिर को पानी में डूबा हुआ मंदिर का बगीचा भी कहते है। अंकोरवाट का यह हिन्दू मंदिर इतना ख़ास है कि यह कम्बोडिया राष्ट्र का राष्ट्रीय प्रतीक है, जिसकी तस्वीर को यहाँ के राष्ट्रीय ध्वज पर अंकित किया गया है। यह मंदिर मेरु पर्वत का प्रतीक भी माना जाता है। इस मंदिर की दीवारों पर रामायण एवं महाभारत जैसे पवित्र धार्मिक ग्रंथों के प्रसंगों का चित्रण शिल्पकारों ने बहुत ही सुन्दर ढंग से किया हुआ है। जगह-जगह अप्सराओं के नृत्य मुद्रा में भित्ति चित्र हैं व असुर और देवताओं के मध्य हुए समुद्र मंथन जैसे दृश्यों को दीवारों पर चित्रित किया गया है। विश्व का लोकप्रिय पर्यटन स्थल होने के साथ ही इस मंदिर को 1992 में यूनेस्को ने विश्व विरासत में भी शामिल किया है। तो जब भी आप विदेश यात्रा पर यहाँ आए तो इस बेहतरीन और भव्य मंदिर के दर्शन ज़रूर करें।

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, यूनाइटेड स्टेट्स

यह मंदिर यूनाटेड स्टेट्स के जार्जिया में स्थित है। दक्षिण भारतीय कलाकृति से सजे इस मंदिर का निमार्ण 1990 में करवाया गया था। इसमें दो मंदिर हैं, एक भगवान वेंकेटेश्वर का और दूसरा भगवान शिव का। जार्जिया स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर दुनियाभर में बहुत प्रसिद्ध है। यह मंदिर दक्षिण भारतीय कलाकृति से सजा हुआ है। यहाँ परिसर में भगवान वेंकेटेश्वर के साथ भगवान शिव का मंदिर है। भले ही आपने बहुत से मंदिर देखे होंगे लेकिन अगर मौका लगे तो विदेशों में स्थित इन मंदिरों को एक बार जरूर देंखे।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में स्थित प्रम्बानन मंदिर को नौवीं शताब्दी में बनाया गया था और यह यहाँ का सबसे बड़ा मंदिर है। यह ना सिर्फ इंडोनेशिया बल्कि साउथ एशिया का भी सबसे बड़ा मंदिर है। इस मंदिर में मुख्य रूप से त्रिदेव यानि भगवान शिव, भगवान विष्णु और भगवान ब्रह्मा की पूजा की जाती है। इस मंदिर को यूनेस्को ने वर्ल्ड हेरिटेज घोषित किया है। विश्व धरोहर में शामिल है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

कटास राज मंदिर पाकिस्तान में स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर है। यह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में स्थित है। यह मंदिर चकवाल गांव से लगभग चालीस किलोमीटर की दूरी पर कटस में एक पहाड़ी पर स्थित है। इस मंदिर का निर्माण छठी शताब्दी से नौवीं शताब्दी के बीच करवाया गया था। यह माना जाता है कि महाभारत काल में भी यह मंदिर था। पांडवों की इस मंदिर से जुड़ी कई कहानियां प्रसिद्ध हैं। ऐसा भी माना जाता है कि यह मंदिर महाभारत काल से यहाँ पर है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

नेपाल का पशुपतिनाथ मंदिर दुनिया से कुछ सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक है। यह मंदिर काठमांडू में बागमति नदी के किनारे स्थित है। इस मंदिर में भगवान शिव के एक रूप पशुपति की पूजा की जाती है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव की लगभग 1 मीटर ऊंची चार मुंह वाली प्रतिमा स्थापित है। काठमांडू में बागमति नदी के किनारे स्थित इस मंदिर में भगवान शिव के एक रूप पशुपति की पूजा की जाती है। युनेस्को ने इस मंदिर को वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा दिया है।

मुन्नेश्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेश्वर गाँव में स्थित मुन्नेश्वरम मंदिर के प्रति लोगों में बहुत आस्था है। इस मंदिर परिसर में 5 मंदिर हैं जिनमें भगवान शिव और देवी काली का भी मंदिर है। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर का संबंध रामायण काल से है। ऐसा माना जाता है कि भगवान राम ने रावण का वध करने के बाद इसी जगह पर भगवान शिव की आराधना की थी। यह मंदिर यहाँ के स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है। यह मंदिर दक्षिण भारतीय द्रविड़ शैली में निर्मित है और इस मंदिर में श्रीलंका और भारत के लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। तो आप भी जब श्री लंका की यात्रा पर जाए तो इस बेहतरीन मंदिर के दर्शन ज़रूर करें।

सागर शिव मंदिर, मॉरिशस

मॉरिशस में स्थित सागर शिव मंदिर हिन्दुओं का एक पवित्र धार्मिक स्थल है। इस मंदिर का निर्माण साल 2007 में किया गया था। इस मंदिर में भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा स्थापित है। यहाँ के स्थानीय लोगों में इस मंदिर के प्रति बहुत आस्था है। हर साल लाखों पर्यटक इस मंदिर में भगवान शिव का दर्शन करने आते हैं।

हमारा देश
हमाराअभिमान

28 जून 2025

सुविचार

"ज्ञान एक ऐसा दीपक है जो आपके जीवन में प्रकाश फैलाता है।"

संपादकीय	04-05
राष्ट्रीय न्यूज	06-07
ग्वालियर	08-11
इंदौर क्राईम	12-15
मध्य प्रदेश	18-28
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50
ट्रेडिंग जॉब	51

विवाह के मुहूर्त से लेकर दुल्हन की विदाई तक, आखिर कैसे अलग है उत्तर और दक्षिण भारत की शादी

यदि आप से कोई रिश्वत मांगता हो या आपके के एरिये में कोई प्रशासनिक समस्या हो तो हमें इस नम्बर पर सम्पर्क करें। आप का नाम गुप्त रखा जाएगा और आप की बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी।
हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

हमारा देश हमारा अभिमान

मासिक पत्रिका के लिए म.प्र. एवं राजस्थान में संवाददाता नियुक्त करना है। इच्छुक व्यक्ति निम्न नम्बर पर सम्पर्क
हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन • केशव पांडे जी
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडो कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- राजेश कुमार त्रिपाठी
- मुकुल गुप्ता जी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री पंडित चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया हेमाटोलिस्ट और बोन नेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री रागिनी चतुर्वेदी
- प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर चतुर्वेदी
- श्री प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भदौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री कुंज मिहारी शर्मा
- श्री अतेन्द्र सिंह रावत
- श्री विजय महाजन

सह सलाहकार

- श्री विजय महाजन
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (जोधपुर मिष्ठान भंडार),
- श्री आर एन नार्व (सीनियर ऑडिटर),
- श्री विनीत त्रिपाठी जी. एम. लैंडमार्क एनएक्स,
- श्री अतेंद्र रावत
- श्री विनीत त्रिपाठी (जी.एम. लैंडमार्क एन एक्स)

मंगला चतुर्वेदी, सोनीष वसिष्ठ,
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (प्रो.जोधपुर मिष्ठान भंडार),

रुचि चतुर्वेदी,कमल वर्मा अजय चतुर्वेदी,चंचल शर्मा, अनिल शर्मा

विशेष सह सलाहकार - श्री अतेंद्र सिंह रावत

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील • हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

उभरता विनिर्माण क्षेत्र

सरकार देश को एक बड़ा विनिर्माण केंद्र बनाने की कोशिश कर रही है। इससे न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी, बल्कि भारत दुनिया के कई क्षेत्रों में अगुवा भी बनेगा। भारत अपने बड़े संसाधनों और कुशल कामगारों का इस्तेमाल करके विनिर्माण का बड़ा केंद्र बन सकता है। रविवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और वाहन जैसे क्षेत्रों के लिए वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के प्रयास जापान की कंपनियों के लिए यहां निवेश के नए अवसर खोल रहे हैं। भारत विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपना रहा है। जैसे सेमीकंडक्टर विनिर्माण और महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों के निष्कर्षण जैसे अग्रणी क्षेत्रों के लिए उद्योग-विशिष्ट प्रोत्साहन और वित्तीय पैकेज प्रदान करना। 2014 से 2024 के बीच भारत ने 667.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ़डीआई) आकर्षित किया है। भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा दोपहिया वाहन निर्माता है। युवा और तेजी से समृद्ध होते मध्यम वर्ग द्वारा संचालित भारत का विशाल घरेलू बाजार, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन कलपुर्जा से लेकर स्वास्थ्य सेवा और खाद्य प्रसंस्करण तक सभी क्षेत्रों में मजबूत आंतरिक मांग सुनिश्चित करता है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात 44. 4 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि की गति जारी है। भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए कई पहलें की जा रही हैं। इनमें 'मेक इन इंडिया' पहल, राष्ट्रीय विनिर्माण नीति, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और हरित विनिर्माण शामिल हैं। मेक इन इंडिया पहल को एक दशक पूरा हो चुका है। मेक इन इंडिया योजना का मकसद भारत को मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा केंद्र बनाना, आयात पर निर्भरता कम करना और रोजगार के अवसर पैदा करना है। यानी भारत का जोर नवाचार और आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने पर है। नवीकरणीय ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकियों और उन्नत विनिर्माण में महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के साथ सुनिश्चित किया जा रहा है कि भारतीय उत्पाद उच्चतम वैश्विक मानकों को पूरा कर सके। उद्योग विशेषज्ञों ने वर्तमान चरण को भारत के औद्योगिक उछाल का स्वर्ण युग करार दिया है। वो दिन दूर नहीं जब भारत औद्योगिक उत्पादन का केंद्र होगा और पूरी दुनिया भारत की तरफ देखेगी।

डिजिटल संचालन की मजबूती

डॉ. श्रीमन
नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

केंद्र सरकार ने अपनी आधिकारिक वेबसाइटों को नया रूप देना शुरू कर दिया है। केंद्र ने वेबसाइटों का नवीनीकरण किया है और सरकारी पहलों के बारे में जानकारी देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र पर काम कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सरकार की डिजिटल पहल को सुसंगत बनाने के लिए डिजिटल ब्रांड पहचान मैनुअल (डीबीआईएम) पेश किया है। इसमें सरकारी वेबसाइटों के लिए एक मानक डिज़ाइन भाषा बनाने की मांग की गई है।

डीबीआईएम का प्राथमिक उद्देश्य केंद्र सरकार के लिए एक एकीकृत व सुसंगत डिजिटल ब्रांड बनाना है। चूंकि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म संपर्क के पहले बिंदु के रूप में उभर रहे हैं, इसलिए नए मैनुअल में कहा गया है कि राष्ट्रीय और वैश्विक दर्शकों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने के लिए एक सुसंगत और आकर्षक ब्रांड उपस्थिति आवश्यक है। गौरतलब है कि प्रभावी ब्रांडिंग एक सकारात्मक छवि बनाती है। एक सुसंगत ब्रांड पहचान संभावित ग्राहकों को आपके मूल्यों को संप्रेषित करने और उन्हें समान मूल्यों के माध्यम से जुड़ा हुआ महसूस कराने का एक तरीका है। बुधवार को केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने डीबीआईएम लांच के दौरान जोर दिया कि डीबीआईएम समान शासन की शुरुआत करके सरकार के न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन दृष्टिकोण को बढ़ाएगा, जिससे सभी मंत्रालयों और प्लेटफार्मों पर एक मानकीकृत और सुसंगत डिजिटल उपस्थिति सुनिश्चित होगी। वास्तव में डीबीआईएम के जरिए सरकार ने भारत के डिजिटल संचालन में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इससे भारत का डिजिटल संचालन अधिक सुलभ, समावेशी और नागरिक-केंद्रित बन जाएगा। उन्होंने डिजिटल अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद के 20 प्रतिशत तक पहुंचने के साथ मंत्रालयों से बेहतर सेवा वितरण के लिए डिजिटल उपकरण अपनाने का आग्रह किया। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो भारत के डिजिटल संचालन को अधिक सुलभ, समावेशी और नागरिक-केंद्रित बनाता है, जिससे वैश्विक स्तर पर देश के ई-गवर्नेंस तंत्र को मजबूती मिलती है। यह विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण में योगदान देने में अहम है। इसकी सफलता में प्रमुख सरकारी नीतियों, योजनाओं और पहलों को आसानी से उपलब्ध कराने, पारदर्शिता और सार्वजनिक संपर्क में सुधार करने में केंद्रीय सामग्री प्रकाशन प्रणाली (सीसीपीएस) की अहम भूमिका रहेगी। डिजिटल गवर्नेंस में नवाचार, दक्षता और सुरक्षा का भी महत्व है। इसलिए डीबीआईएम को राष्ट्रीय स्तर पर अपनाने से नागरिक सहभागिता में क्रांतिकारी बदलाव आएगा, जिससे विश्वास मजबूत होगा और डिजिटल क्षेत्र में सरकारी सेवा वितरण में वृद्धि होगी।

इंदौर कपल केस में कई खुलासे

5 साल छोटे कर्मचारी पर आया सोनम का दिल, शादी के 6 दिन बाद ही रची थी राजा को मारने की साजिश.....

राजा रघुवंशी और सोनम की हनीमून मिस्ट्री का राज खुल चुका है। सोनम ने ही राजा की हत्या की, जिसमें कुछ अन्य लोगों ने भी सोनम की मदद की। हालांकि सोनम का कबूलनामा सुनने के बाद कई लोगों के मन में एक ही सवाल है कि आखिर सोनम ने ऐसा क्यों किया? शादी के चंद दिनों में ही सोनम ने पति की मौत की साजिश क्यों रच डाली? पुलिस सूत्रों के अनुसार, राजा से शादी के पहले सोनम रघुवंशी का पांच साल छोटे कर्मचारी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सोनम के प्रेमी ने ही राजा की मौत की साजिश रची थी। सोनम की गिरफ्तारी के बाद केस में कई बड़े खुलासे हुए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि सोनम और उसके परिवार का प्लाईवुड का व्यापार था। इसी दुकान में राज कुशवाहा नाम का कर्मचारी काम करता था। सोनम और राज का काफी लंबे समय से अफेयर चल रहा था।

शादी के 6 दिन बाद रची साजिश

जब 11 मई को सोनम की शादी राजा रघुवंशी से हुई तो सोनम ने प्रेमी के साथ मिलकर शादी के 6 दिन बाद ही पति को मौत के घाट उतारने की योजना बना ली। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि सोनम के प्रेमी राज कुशवाहा ने ही राजा को रास्ते से हटाने के लिए मारने का प्लान बनाया था।

3 दोस्तों ने की मदद

राजा रघुवंशी को मारने की साजिश में सोनम का साथ राज और उसके 3 दोस्तों ने दिया। राज के तीन दोस्त विशाल सिंह, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत ने राजा को मारने की पूरी प्लानिंग बनाई। योजना के अनुसार उन्होंने राजा और सोनम को पहले गुवाहाटी भेजा और फिर वहां से शिलांग जाने को कहा।

सोनम ने 5 साल छोटे प्रेमी राज कुशवाह के साथ दी पति की सुपारी, पिता की प्लाईवुड फैक्ट्री में पनपा था प्रेम

अहमदाबाद में भीषण विमान हादसा- 240 लोगों की मौत

अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल दो लोगों के बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी ANI ने पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी कि प्लेन की सीट नंबर 11-A पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। वहीं एक और जिंदा बचा यात्री अस्पताल में भर्ती है। इससे पहले AP ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

सड़कों पर लाश बिखरी

गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का एक प्लेन क्रैश हो गया। इसमें सभी 240 यात्रियों की मौत हो गई। धमाका इतना खौफनाक था कि आसपास की सड़कों पर लाशें बिखरी दिखीं। जले शवों को पहचानना तक मुश्किल हो रहा है। कुछ लोग सड़क पर पड़े एक महिला के कटे सिर का वीडियो बनाते दिखे।

आधुनिक जीवन काल में योग की आवश्यकता

आधुनिक जीवन काल में योग की आवश्यकता."एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग" यह थीम है योग दिवस 2025 की

आधुनिक जीवन काल में योग की आवश्यकता "एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग" यह थीम है योग दिवस 2025 की।

डॉक्टर मुकेश चतुर्वेदी
चिकित्सा प्रकोष्ठ
प्रदेश उपाध्यक्ष
बीजेपी, मध्य प्रदेश

21 जून 2025 को इस वैश्विक उत्सव की 11वीं वर्षगांठ सम्पूर्ण विश्व में मनाई जाएगी।भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र भाई मोदी जी के अथक प्रयासों के परिणाम स्वरूप ,11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि द्वारा ,"अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संकल्पना मसौदा" प्रस्तुत किया ! 177 देश इस मसौदे के प्रस्तावक बने ।इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद 21 जून 2015 को संपूर्ण विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। क्योंकि 21 जून उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे बड़ा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घायु प्रदान करता है। इसलिए 21 जून को ही योग दिवस के लिए चुना गया। तब से लेकर आज तक 21 जून को "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के नाम से मनाया जाता है। योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। योग का सरल भाषा में अर्थ है जोड़ना। यह संस्कृत की "युज" धातु से लिया गया है ! योग मनुष्य की चेतना को सर्वशक्तिमान चेतना के साथ जोड़ता है या आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है या आत्मा का साक्षात्कार परमात्मा से कराता है।

आम जन के संदर्भ में योग मनुष्य को स्वस्थ जीवन से जोड़ता है। आमजन अष्टांग योग का अनुसरण कर अपने जीवन को रोग मुक्त कर सकते हैं और सात्विक जीवन व्यतीत कर सकते हैं। योग का इतिहास अति प्राचीन है या ये कहें कि मानव सभ्यता के उद्गम से ही योग का अभ्यास प्रारंभ हो गया था। योग विद्या में भगवान शिव को आदियोगी की संज्ञा दी गई है अर्थात भगवान शिव योग के प्रथम प्रणेता माने जाते हैं ।योग की इस जनहितकारी विद्या को भगवान शिव ने सप्तर्षियों को दिया। जिन्होंने इसे संपूर्ण जगत में फैलाया। आधुनिक काल में महर्षि पतंजलि ने इसे संहिताबद्ध किया। महर्षि पतंजलि ने अपने युग सूत्रों के माध्यम से योग के बिखरे हुए ज्ञान को एक सूत्र में पिरोया । इसीलिए महर्षि पतंजलि को आधुनिक योग विद्या का भगवान माना जाता है। भगवत गीता में भगवान कृष्ण ने योग की स्पष्ट व्याख्या की है। भगवत गीता के अनुसार" योगः कर्मसु कौशलम् " कर्मों में कुशलता हासिल करना ही योग है अर्थात "अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सांसारिक बंधनों से विरक्त रहना या कर्मों को बिना किसी लगाव या आसक्ति के करना" ।महर्षि पतंजलि के अनुसार "योगाश्चित निवृत्ति निरोधः" अर्थात चित्त की वृत्तियों को निरुद्ध करने का नाम योग है। आधुनिक काल में योग से अभिप्राय केवल आसन और प्राणायाम से ही लिया जाता है । जबकि योग के आठ अंग होते हैं इसलिए योग को अष्टांग योग नाम महर्षि पतंजलि द्वारा योग सूत्रों में दिया गया ।यह संपूर्ण योग प्रणाली मानव को शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक विकास का मार्ग दिखाती है। यह अष्ट अंग है यम , नियम ,आसन ,प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा ,ध्यान और समाधि। समाधि ध्यान की उच्चतम अवस्था है। जहां साधक अपनी चेतना को ब्रह्मांड की चेतना के साथ एकीकृत करता है और स्वयं को परम सत्ता में समाहित करने का प्रयास करता है।

इसमें पहले के पांच बहिरंग तथा अंतिम तीन अंतरंग नाम से प्रसिद्ध है। बहिरंग साधना यथार्थ रूप से अनुष्ठित होने पर ही साधक को अंतरंग साधना का अधिकार प्राप्त होता है। आज के युग में आधुनिक पीढ़ी संस्कार विहीन होती जा रही है। युवा पीढ़ी तथा बालकों के लिए यम और नियम का पालन अत्यंत आवश्यक हो गया है। सामाजिक जीवन में नैतिकता और संस्कार लाने के लिए यम का पालन किया जाना आवश्यक है अर्थात यह सामाजिक नैतिकता से संबंधित है । यम के पांच प्रकार हैं_ अहिंसा_ किसी भी प्राणी को मनसा वाचा कर्मणा अर्थात मन से वचन से या कर्म से किसी भी प्रकार की पीड़ा न पहुंचना ही अहिंसा है।

सत्य _हमेशा सत्य बोलने की कोशिश करना चाहिए !किसी को झूठ बोलकर धोखा ना देना इसमें शामिल है! पर पांच स्थान पर बोला गया झूठ स्वीकार्य है ।यह पांच स्थान है ,किसी के जीवन रक्षा हेतु, किसी के भले के लिए ,स्वयं की रक्षा के लिए, विवाह संबंधी अवसर पर, स्त्रियों की प्रसन्नता हेतु ,

अस्तेय _चोरी ना करना अर्थात किसी भी दूसरे व्यक्ति की वस्तु को उसकी बिना अनुमति के ना लेना ही अस्तेय है । ब्रह्मचर्य_ इंद्रियों पर नियंत्रण रखना ब्रह्मचर्य के अंतर्गत आता है!

अपरिग्रह_ आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह ना करना या संग्रह करने की लालसा ना रखना ही अपरिग्रह है। नियम__ यह भी पांच प्रकार के हैं! शौचइसमेंआंतरिकऔरबाहरीस्वच्छताशामिलहै।

संतोष_ जो कुछ आपके पास है उसमें संतुष्ट रहना! लालच से बचना!

तप_ अपनी इंद्रियों और मन को नियंत्रित करने के लिए तपस्या करना। जितना अवसर मिले। स्वाध्याय_ आत्म अध्ययन करना! समय मिलने पर अच्छी पुस्तकों का अध्ययन ही स्वाध्याय है। ईश्वर प्रणिधान_ अपने सभी कर्मों से मिले हुए फल को ईश्वर को समर्पित करना तथा उनसे किसी भी फल की अपेक्षा ना रखना ही ईश्वर प्रणिधान है।

यम ,नियम, योग अभ्यास में एक मजबूत स्थान रखते हैं जो मनुष्य को नैतिक आचरण और जीवन में अनुशासन सिखाते हैं । आसन_ आसन का शाब्दिक अर्थ है, बैठना! योग में "आसन एक विशिष्ट शारीरिक मुद्रा को संदर्भित करता है" स्थिर सुखम आसनम् " जो स्थिर और सुखद हो वह आसन है । आसन न केवल शारीरिक लाभ प्रदान करते हैं जैसे की मांसपेशियों को मजबूत करना उनका लचीलापन बढ़ाना इनसे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। अलग-अलग अंगों के लिए अलग अलग रोगों के लिए अलग-अलग आसन उपयोगी है । मुख्य रूप से 84 आसन माने गए हैं। इसमें भी 32 को काफी अधिक लाभदायक माना गया है।

प्राणायाम_ श्वास निश्वास में गतिरोध यही प्राणायाम का अर्थ है। संस्कृत में प्राण का अर्थ सांस और आयाम का अर्थ रोकना है । प्राणायाम एक मिश्रित क्रिया है । और इसमें पूरक ,कुंभक और रेचक करके तीन अंग होते हैं।

पूरक में व्यक्ति सांस को अंदर खींचता है । कुंभक में सांस को रोक कर रखता है तथा रेचक में सांस को छोड़ता है । इन तीनों में एक ,चार ,दो का अनुपात माना जाता है। यदि आप 4 सेकंड में सांस खींचते हैं तो उसे 16 सेकंड रोक कर रखिए तथा 8 सेकंड में उसे छोड़िए अर्थात 4 सेकंड पूरक ,16 सेकंड कुंभक, तथा 8 सेकंड रेचक। ऐसा करने से शरीर के हर अंग को ऑक्सीजन पहुंच जाती है ।सामान्य तरीके से इसे इस प्रकार समझ सकते हैं हमने चार सेकंड में सांस को लिया उसे 16 सेकंड जब रोक कर रखेंगे तो यह ऑक्सीजन शरीर की हर कोशिका तक पहुंच जाएगी ।इसी प्रकार जब उसे 8 सेकंड में छोड़ेंगे तो शरीर के अंगों से एकत्रित हुई कार्बन डाइऑक्साइड पूर्णतया बाहर निकल जाएगी। इससे शरीर में रक्त परिसंचरण की क्रिया सुचार रूप से होती रहेगी। ऑक्सीजन अधिक से अधिक शरीर को मिलती रहेगी तथा कार्बन डाइऑक्साइड का पूर्ण निकास होता रहेगा। इस प्रकार प्राणायाम सभी रोगों में तथा मानसिक एकाग्रता में काफी अधिक सहायक है । आधुनिक काल में जब मानसिक तनाव काफी बढ़ रहा है ।हृदय रोगों की संख्या में काफी वृद्धि हो रही है ।नए-नए रोग दिन प्रतिदिन सामने आ रहे हैं उस समय आवश्यकता है योग को अपनाने की। अपने दैनिक जीवन में कम से कम आधा घंटे योग को अवश्य शामिल करें ।जिससे आप स्वयं तथा अपने स्वजनों को भीषण बीमारियों से बचा सकेंगे।रोगों से बचना सर्वोत्तम उपाय है ना की बीमारियों को अपने शरीर में आश्रय देना ।इसलिए योग अपनाएं सुखद जीवन बनाएं।

डॉ मुकेश चतुर्वेदी
प्रदेश सह संयोजक भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ
F_316 हरिशंकर पुरम ग्वालियर
9827386419 BSC,BAMS
PG Diploma in yoga therapy

"कठिन रास्ते अक्सर हमें खूबसूरत मंज़िल तक ले जाते हैं" इसका विस्तृत अर्थ निम्नानुसार है

जीवन में जो रास्ते सबसे ज़्यादा कठिन और चुनौतियों से भरे होते हैं, वही अक्सर हमें वहाँ तक पहुँचाते हैं, जहाँ हमें सबसे ज़्यादा खुशी, सफलता और आत्मसंतोष मिलता है। जब हम संघर्ष करते हैं, ठोकरें खाते हैं, असफल होते हैं — तब हम बहुत कुछ सीखते हैं। ये अनुभव हमें मज़बूत बनाते हैं, हमारे अंदर धैर्य, आत्मबल और संकल्प की भावना को जन्म देते हैं। हर मुश्किल कदम हमें थोड़ा और बेहतर बनाता है, और जब हम आख़िरकार उस मंज़िल पर पहुँचते हैं, तो वो केवल एक लक्ष्य नहीं होती — वो हमारी मेहनत, त्याग और हौसले की जीत होती है। **भावार्थ**: "आसान रास्ते शायद जल्दी पहुँचाएं, पर कठिन रास्ते हमें तैयार करके पहुँचाते हैं।"

लेखक- **राकेश सगर** एस पी द्वितीय वाहिनी ग्वालियर

बरसात में सहेजेंगे जल, वर्तमान में रोजगार दे रहे हैं खेत तालाब जिले में तेजी से आकार ले रहे हैं खेत तालाब

इस साल जिले में कुल 789 खेत तालाबों का होगा निर्माण जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले के गाँव-गाँव में तेजी के साथ किसानों के खेतों पर खेत तालाब आकार ले रहे हैं। सरकार द्वारा इस साल ग्वालियर जिले में 789 खेत तालाब बनाने का लक्ष्य दिया गया है, जो पिछले सालों से कहीं अधिक है। जिले की मुरार जनपद पंचायत के ग्राम रूरूआ में श्रीमती शीला कुशवाह ने अपनी जमीन पर खेत तालाब का निर्माण कराया है। महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मंजूर हुए इस तालाब से अब तक 25 श्रमिकों को 150 मानव दिवस का रोजगार मिल चुका है। इसी तरह अन्य गाँवों में कुल मिलाकर 849 किसानों के खेतों पर जल सहेजने के लिये खेत तालाब बनाने का काम शुरू हो चुका है और इनसे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। जिले की जनपद पंचायत घाटीगाँव में 163, मुरार में 195, डबरा में 204 एवं जनपद पंचायत भितरवार के अंतर्गत 238 खेत तालाब के कार्य जारी हैं। खेत तालाबों की सिंचाई होगी। साथ ही जल स्तर बढ़ाने में भी ये तालाब मदद करेंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खेत तालाबों के निर्माण के साथ-साथ 794 डगवेल रीचार्ज के काम भी जिले में वर्तमान में चल रहे हैं। बड़े पैमाने पर एक ही स्थान पर जल सहेजने के लिये सरकार द्वारा

इस साल जिले को 12 अमृत सरोवर का लक्ष्य दिया गया है। प्रत्येक अमृत सरोवर में लगभग 10 हजार घन मीटर पानी का संग्रहण होगा। पिछले अनुभव बताते हैं कि जहाँ-जहाँ भी अमृत सरोवर बनाए गए हैं वहाँ पर भूजल स्तर में बड़ा इजाफा हुआ है। आसपास के सभी बोरवेल इससे स्वतः ही रीचार्ज हो जाते हैं।

विशेष चर्चा- डबरा विधायक सुरेश राजे के साथ, संपादक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा

सशक्त विधानसभा सदस्य की भूमिका निभा रहे हैं डबरा कांग्रेस विधायक सुरेश राजे

मासिक पत्रिका हमारा देश हमारा अभिमान के संपादक मनोज चतुर्वेदी के साथ विशेष चर्चा के दौरान संपादक द्वारा कांग्रेस विधायक जी के शहर में गुमशुदा होने वाली बात पर पूछे गए सवाल पर डबरा विधायक सुरेश राजे जी से चर्चा के दौरान अपने क्षेत्र में गुमशुदा होने की खबर को एकमात्र अफवाह बताया और क्षेत्र में कुछ प्रतिद्वंदी लोग अपनी राजनीति रोटी सेकने के लिए कुछ न कुछ तो चाहिए असली मुद्दों पर बात नहीं करने । की बात कही । एवं बोले मै जब तक जीवित हूं तब तक अपनी क्षेत्र की जनता के साथ हर सुख दुख में शामिल हू और रहूंगा।उनके बीच ही हूं और रहूंगा। मैं गुमशुदा नहीं, हर पल जनता के बीच हूं ।

इन दिनों सोशल मीडिया पर कांग्रेस विधायक सुरेश राजे के गुमशुदा होने के पोस्टर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन पोस्टरों में तरह-तरह के आरोप लगाकर उनकी गैरमौजूदगी पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। लेकिन इन सबके बीच विधायक सुरेश राजे ने स्पष्ट शब्दों में आरोपों का खंडन किया एवं जवाब दिया और कहा कि गुम शुदा बो होते है जो जनता को गैर ओर राजनीति को व्यापार समझते है। खाश से आम विधायक जी द्वारा अपने कार्यकाल में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनता के लिए कराए गये कार्यों का ब्यौरा भी सार्वजनिक तौर पर देने की पेशकश की । 24 घंटे एवं 365 दिन जनता के बीच रहकर कार्य एवं सेवा में तत्पर रहने की बात विधायक सुरेश राजे द्वारा कही गई।

विधायक जी ने कहा —

"मैं प्रतिदिन अपने दायित्व के प्रति उतना ही वफादार हूं । जितना मां अपने बच्चे के प्रति रहती है । चाहे विधानसभा सदन हो या क्षेत्र, मैंने एक भी दिन का अवकाश नहीं लिया है। पिछले साढ़े चार वर्षों के कार्यों का पूरा लेखा-जोखा मेरे पास है। यदि किसी को संदेह हो तो वह मेरे पास आकर मुझसे जानकारी ले सकता है, मैं हर दिन का हिसाब देने के लिए तैयार हूं।"जनता की समस्याओं के समाधान हेतु लगातार सक्रिय रह कर जनता की सेवा में तत्पर हूं। इन दिनों जनता भीषण गर्मी में बिजली संकट से जूझ रही है।वहीं कांग्रेस विधायक द्वारा बिजली संकट एवं सड़कों की दुर्दशा और सफाई व्यवस्था जैसे मुद्दों पर भी विधायक सुरेश राजे ने खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि बिजली संकट को लेकर उन्होंने पहले ही विभागीय अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिये गए हैं और धरना-प्रदर्शन भी किया गया है। जनता की समस्याओं को लेकर मैं हर स्तर पर संघर्षरत हूं। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब ऊर्जा मंत्री डबरा आए, उस समय भी मैं क्षेत्र में ही था । अफसोस की बात है तो यह है कि डबरा में वही डबल इंजन सरकार के ऊर्जा मंत्री महोदय दो बार निरीक्षण के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। " लेकिन मैं हमेशा *अपनी"जनता के सुख-दुख में सदैव साथ हूं और रहूंगा। और हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूं। सेवा ही मेरा धर्म है।" — **विधायक सुरेश राजे**

संगीत जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है एवं संगीत संस्कृति भारत की आत्मा है

संपादक-संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह जीवन जीने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।यह बात राजेश त्रिपाठी डी सी पी क्राइम इंदौर ने संपादक मनोज चतुर्वेदी एवं सह सलाहकार अतेंद्र रावत के साथ विशेष चर्चा मै कहा जिन्होंने स्वयं गायन में विशारद तक की विधिवत शिक्षा ग्रहण की है ।उन्होंने कहा सभी लोगों को संगीत को भी जीवन का एक अंग बनाना चाहिए जिससे जीवन की भागदौड़ में मानसिक तनाव, से भी राहत मिलती है। इसके लिए कुछ समय निकालना चाहिए, मै हमेशा कुछ समय संगीत , योगा, और पर्यावरण के लिए अवश्य निकालता हूं, हमारे ऋषि मुनि गुरुकुल में छात्रों को शिक्षा के अध्ययन के साथ साथ संगीत का भी ज्ञान देते थे। जब भी आप कभी बड़े तनाव में हो तो कुछ समय शांत भाव से बैठ कर यदि मधुर संगीत ओर शास्त्रीय संगीत का सहारा ले तो आपको आश्चर्य जनक सुखद अनुभव का अहसास होगा। उन्होंने कहा कि मै हमेशा व्यस्त दिनचर्या के बाबजूद भी कुछ समय प्रभु की सेवा, संगीत , योगा और पर्यावरण के लिए अवश्य निकालता हूं। इसी चर्चा मै उन्होंने हारमोनियम पर स्वयं एक मधुर संगीत के साथ अपनी आवाज मै एक गीत के कुछ बोलगा के सुनाए।

मनोज चतुर्वेदी बनाए गए जिला सदस्य

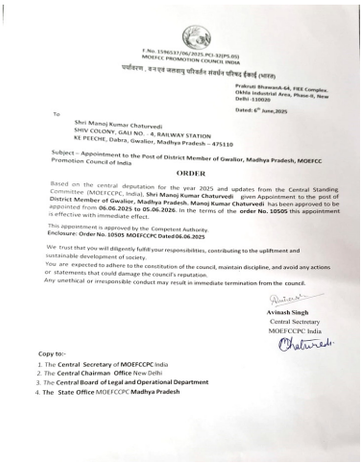

F.No. 1596537/06/2025.PCI-32(PS.05)
MOEFCC PROMOTION COUNCIL INDIA
पर्यावरण , वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत)

Prakruti BhawanA-64, FIEE Complex.
Okhla industrial Area, Phase-II, New
Delhi -110020

Dated: 6th June,2025

To

Shri Manoj Kumar Chaturvedi
SHIV COLONY, GALI NO. - 4, RAILWAY STATION
KE PEECHE, Dabra, Gwalior, Madhya Pradesh – 475110

Subject – Appointment to the Post of District Member of Gwalior, Madhya Pradesh, MOEFCC Promotion Council of India

ORDER

Based on the central deputation for the year 2025 and updates from the Central Standing Committee (MOEFCCPC, India), **Shri Manoj Kumar Chaturvedi** given Appointment to the post of **District Member of Gwalior, Madhya Pradesh. Manoj Kumar Chaturvedi** has been approved to be appointed from **06.06.2025 to 05.06.2026**. In the terms of the **order No. 10505** this appointment is effective with immediate effect.

This appointment is approved by the Competent Authority.
Enclosure: Order No. 10505 MOEFCCPC Dated 06.06.2025

We trust that you will diligently fulfill your responsibilities, contributing to the upliftment and sustainable development of society.
You are expected to adhere to the constitution of the council, maintain discipline, and avoid any actions or statements that could damage the council's reputation.
Any unethical or irresponsible conduct may result in immediate termination from the council.

Avinash Singh
Central Sectretary
MOEFCCPC India

Copy to:-
1. The **Central Secretary** of **MOEFCCPC** India
2. The **Central Chairman Office** New Delhi
3. The **Central Board of Legal and Operational Department**
4. **The State Office** MOEFCCPC **Madhya Pradesh**

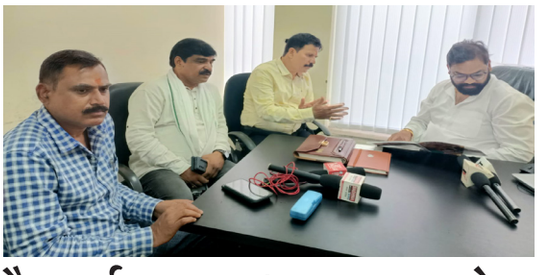

मासिक पत्रिका हमारा देश हमारा अभिमान के संपादक श्री मनोज चतुर्वेदी जी को पर्यावरण,वन जल वायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत) दिल्ली के केंद्रीय सेक्रेटरी द्वारा मध्य प्रदेश जिला ग्वालियर का जिला सदस्य मनोनीत किया गया

पर्यावरण,वन एवं वायु परिवर्तन पर ध्यान देना सभी का धर्म और कर्तव्य कहा I उदयन कुलश्रेष्ठ केंद्रीय वाईस चेयरमेनI पर्यावरण,वन जल वायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत)

पर्यावरण,वन एवं वायु परिवर्तन पर ध्यान देना सभी का धर्म और कर्तव्य *कहा I उदयन कुलश्रेष्ठ केंद्रीय वाईस चेयरमेना पर्यावरण,वन जल वायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत) मासिक पत्रिका हमारा देश हमारा अभिमान के संपादक मनोज चतुर्वेदी की दिल्ली में विशेष कार्यक्रम में मुलाकात के दौरान चर्चा में *पर्यावरण,वन एवं वायु परिवर्तन पर ध्यान देना सभी का धर्म और कर्तव्य है यह कहा पर्यावरण,वन जल वायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत) के केंद्रीय वाईस चेयरमेन उदयन कुलश्रेष्ठ जी ने मासिक पत्रिका हमारा देश हमारा अभिमान के संपादक मनोज चतुर्वेदी से दिल्ली ऑफिस मै विशेष चर्चा हुई। कहा कि पर्यावरण,वन, जलवायु परिवर्तन पर सभी लोगों को ध्यान देने की जरूरत है I इसी क्रम में हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी पर्यावरण,वायु,एवं जल वायु परिवर्तन पर जागरूकता अभियान ,के अंतर्गत अनेक कार्यक्रम का क्रियान्वयन करा रहे है। इसी क्रम में मां के नाम एक वृक्ष लगाने का भी अभियान के कार्यक्रम की शुरुआत स्वयं ने पौधा लगाकर शुरू किया। हमारा परिषद केंद्र की योजनाओं को जन जन तक जागरूकता एवं कार्यान्वित करने का प्रयास करता है। एवं स्वयं सेवी संस्था एवं पर्यावरण मित्र एवं प्रदेश स्तर के साथ साथ जिला एवं ब्लॉक स्तर तक इकाई के सदस्य बनाकर जन जन को भागीदार बनाने एवं पर्यावरण में सुधार के प्रयास हेतु अभियान चलाए जाने हेतु कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के अनु क्रम में यह दिल्ली के पर्यावरण,वन जल वायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत) के कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश के कई जिलों के सदस्य एवं विभिन्न क्षेत्रों के सामाजिक कार्यों में योगदान दे रहे कार्यकर्ताउपस्थितरहे।

भव्यता के साथ इस साल भी होगा वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान मेले का आयोजन

बलिदान मेले के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री पवैया की मौजूदगी में मेले की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में सभी व्यवस्थायें करने के दिए निर्देश ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर में 26वाँ वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान मेला पूरी भव्यता एवं गरिमा के साथ आयोजित होगा। ग्वालियर में 17 एवं 18 जून को लक्ष्मीबाई की समाधि के सामने स्थित मैदान में यह मेला लगेगा। वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान मेला के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया की मौजूदगी में मेले की तैयारियों को लेकर रविवार को व्हीआईपी सर्किट हाउस में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सभी संबंधित अधिकारियों को बलिदान मेले से संबंधित सभी व्यवस्थायें उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, एडीएम श्री टी एन सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिकरवार, एसडीएम झांसी रोड श्री अतुल सिंह व एसडीएम मुरार श्री नरेश

कुमार गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जानकारी दी गई कि वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान मेले के पहले दिन यानि 17 जून को झांसी से चलकर आई शहीद ज्योति यात्रा सायंकाल 6 बजे ग्वालियर पहुँचेगी। गाँधी उद्यान फूलबाग से वीरांगना लक्ष्मीबाई की समाधि तक सजीव झांकियों के साथ पदयात्रा के रूप में यह ज्योति यात्रा पहुँचेगी। इस दिन नगर निगम व स्वराज संस्थान मध्यप्रदेश शासन द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उदघाटन भी होगा।

साथ ही शहर के नागरिकों द्वारा समाधि स्थल पर पारंपरिक ढंग से दीपदान भी इस दिन किया जायेगा। बलिदान मेले के दूसरे दिन यानि 18 जून को प्रातःकाल सर्वदलीय श्रृद्धांजलि सभा नगर निगम के तत्वावधान में आयोजित होगी। इस दिन सांध्य बेला में 7 बजे बलिदान मेला मैदान पर महानाट्य “खूब लड़ी मर्दानी” का मंचन होगा। इसके बाद प्रमुख समारोह में वीरांगना सम्मान, क्रांतिवीर परिजन व शहीद परिजन सम्मान प्रदान किए जायेंगे। अतिथियों के उदबोधन के पश्चात बलिदान मेले में हर साल की तरह अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा।

तपती रात साधारण से टेंट में पंखे के बीच गुजारने पहुँचे ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

सामूहिक रूप से सीताराम संकीर्तन किया और सभी का अभिवादन कर टेंट में किया शयन

एक माह तक एसी के बजाय टेंट में पंखे के बीच गुजारेंगे रात जून माह के पहले दिन यानि रविवार की तपती रात ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर में कांचमिल स्थित अपने घर के सामने स्थित पार्क में साधारण से टेंट में लगे पंखे के बीच गुजारी। उन्होंने एयर कंडीशनर (एसी) के अत्यधिक उपयोग से बड़े पैमाने पर हो रहे कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण को पहुँच रहे नुकसान के प्रति शहरवासियों को जागृत करने के उद्देश्य से एक माह तक एसी में न सोने का फैसला किया है। उन्होंने शहरवासियों को वाहनों से फैलने वाले प्रदूषण के प्रति सजग करने के लिये स्वयं एक माह तक ई-स्कूटी से चलने का फैसला भी लिया है। साथ ही शहरवासियों से अपील की है कि वे इस पुनीत पहल में शामिल होकर अपने शहर को प्रदूषण मुक्त व साफ-सुथरा बनाने के लिये आगे आएं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर द्वारा शहर को स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त एवं हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से की गई इस पहल में सहभागी बनने के लिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व शहरवासी उत्साह के साथ आगे आए हैं। जून माह की पहली रात ऊर्जा मंत्री श्री तोमर जब टेंट में पंखे के बीच रात गुजारने पहुँचे तो स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक वहाँ जमा हो गए और उन्हें भरोसा दिलाया कि इस पुनीत पहल में हम सब पूरा सहयोग करेंगे। मंत्री श्री तोमर ने सामूहिक रूप से सीताराम संकीर्तन किया और सभी के प्रति अभिवादन कर टेंट में शयन करने चले गए।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने शहर को स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त व हरा-भरा बनाने के लिये की प्रेरणादायी पहल

एक माह तक एसी में नहीं, टेंट में पंखे के बीच गुजारेंगे रात

ई-स्कूटी से चलकर शहरवासियों को वायु प्रदूषण रोकने का देंगे संदेश ग्वालियर शहर को स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त और हरा-भरा बनाने के लिये ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विशेष पहल की है। एयर कंडीशनर (एसी) के अंधाधुंध इस्तेमाल से बड़े पैमाने पर पैदा हो रहे हानिकारक कार्बनडाइ ऑक्साइड उत्सर्जन के प्रति शहरवासियों को सजग व सचेत करने के उद्देश्य से ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने रात में सोते समय एक माह तक एसी का उपयोग न करने का फैसला किया है। श्री तोमर उपनगर ग्वालियर में कांचमिल स्थित अपने निवास के सामने वाले पार्क में टेंट लगाकर पंखे के सहारे रात गुजारेंगे। उन्होंने यह कदम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया है। मंत्री श्री तोमर ग्वालियर ही नहीं, भोपाल अथवा अन्य शहरों के प्रवास के दौरान भी पंखे के बीच ही रात गुजारेंगे। उन्होंने शहरवासियों को वाहनों से फैलने वाले प्रदूषण के प्रति सजग करने के लिये स्वयं एक माह तक ई-स्कूटी से चलने का फैसला भी लिया है। साथ ही शहरवासियों से अपील की है कि वे इस पुनीत पहल में शामिल होकर शहर को प्रदूषण मुक्त व साफ-सुथरा बनाने के लिये आगे आएं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर सोते समय एसी का इस्तेमाल न करने के निर्णय

के पीछे के कारणों को बताते हुए कहते हैं कि ग्वालियर शहर की लगभग 15 लाख की आबादी में करीबन एक लाख लोग एसी का इस्तेमाल करते हैं। यदि ग्वालियर शहरवासी हर दिन मात्र एक घंटे एसी न चलाएँ तो हर दिन लगभग 167 टन और हर महीने करीबन 5010 टन कार्बनडाइ ऑक्साइड का उत्सर्जन कम किया जा सकता है। इससे शहर की आवोहवा में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसलिए उन्होंने शहरवासियों से अपील की है कि वे प्रतिदिन एक घंटे एसी न चलाने का संकल्प लें। इससे हर दिन शहर में 167 टन और महीने भर में 5010 टन कार्बनडाइ ऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा। यह पहल अपने शहर को प्रदूषण मुक्त करने में बड़ी मदद करेगी और आने वाली पीढ़ियों को बेहतर पर्यावरण हम उपलब्ध करा पायेंगे। श्री तोमर विशेषज्ञों द्वारा किए गए अध्ययन के आधार पर बताते हैं कि लगभग डेढ़ टन का स्पिलिट एसी एक मध्यम आकार के कमरे को ठंडा करने के लिये हर दिन लगभग 8 घंटे इस्तेमाल होता है। इससे करीबन 14.4 यूनिट बिजली खर्च होती है। इस प्रकार एक माह में लगभग 432 यूनिट एक एसी के इस्तेमाल पर खर्च हो जाती है। इतनी बिजली बनाने में करीबन 384 किलोग्राम कोयला खर्च होता है। एक माह में 8 घंटे तक चले एक एसी से मानव शरीर के लिये हानिकारक लगभग 401 किलोग्राम कार्बनडाइ ऑक्साइड का उत्सर्जन होता है। आदतों में छोटे-छोटे बदलाव लाकर शहर को स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त बनाने में बनें सहभागी ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपनी आदतों में छोटे-छोटे बदलाव लाकर शहर को साफ-सुथरा एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में सहभागी बनें। श्री तोमर ने आग्रह किया है कि थोड़ी – बहुत दूरी को साइकिल अथवा पैदल चलकर तय करने को अपनी आदत में शुमार करें। बिजली – पानी की बचत करें। प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करें। यदि हम ऐसा कर पाए तो निश्चित ही हमारी धरा स्वच्छ, सुरक्षित व हरी-भरी होगी।

अखिल भारतीय हिंदू सेवादल का भोपाल मै हुआ भव्य आयोजन

कार्यक्रम मै श्रीमराम यादव की मध्यप्रदेश अध्यक्ष की हुई घोषणा,डॉ मुकेश चतुर्वेदी बने अखिल भारतीय हिंदू सेवादल के चिकित्सा प्रकोष्ठ के मध्य प्रदेश अध्यक्ष, श्रीराम यादव बने अखिल भारतीय हिन्दू सेवा दल के मध्यप्रदेश अध्यक्ष भोपाल में हुआ भव्य आयोजन, शिक्षा, संस्कृति और पर्यावरण पर दिया गया विशेष जोर

भोपाल से भोपाल जिला संवाददाताकीरिपोर्ट

भोपाल, अशोका गार्डन।अखिल भारतीय हिन्दू सेवा दल की मध्यप्रदेश इकाई द्वारा भोपाल के अशोका गार्डन स्थित श्री दुर्गा धाम मंदिर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान संगठन ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए श्रीराम यादव को मध्यप्रदेश का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। श्रीराम यादव इससे प्रदेश सचिव के रूप में संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उनके कार्य और समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोज भारद्वाज,राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय नियुक्ति प्रभारी मनोज चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे। जिन्होंने श्रीराम यादव को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय हिन्दू सेवा दल का मुख्य उद्देश्य शिक्षा, संस्कृति और पर्यावरण के क्षेत्र में निरंतर विकास करना है और समाज में इन मूल्यों के प्रति जागरूकता लाना संगठन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर मंच पर कई प्रमुख राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें श्री कृष्ण योग पीठ वृंदावन के जगदीश यादव, केंद्रीय निदेशक (प्लांटेशन) रूद्र भारद्वाज, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (वाणिज्य मंत्रालय) के सदस्य सुधीर भारद्वाज, प्रदेश अध्यक्ष हरिओम चौहान, राष्ट्रीय सचिव नवीन स्वामी, चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉक्टर मुकेश चतुर्वेदी , चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मध्य प्रदेश ,यादव महासभा भोपाल के जिला अध्यक्ष मयंक महेश्वरी ,अतेंद्र रावत चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रभारी अध्यक्ष अतेंद्र रावत , ग्वालियर जिला महिला अध्यक्ष रुचि चतुर्वेदी , व अर्जुन यादव शामिल थे। कार्यक्रम में प्रदेश के अनेक जिलों से आए पदाधिकारियों ने भी भाग लिया, जिससे आयोजन को विशेष गरिमा प्राप्त हुई।

यह आयोजन न केवल संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि सामाजिक चेतना, धार्मिक मूल्यों एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का भी माध्यम बना।

भव्यता के साथ इस साल भी होगा वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान मेले का आयोजन

बलिदान मेले के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री पवैया की मौजूदगी में मेले की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

ई-स्कूटी से चलकर शहरवासियों को वायु प्रदूषण रोकने का देंगे संदेश ग्वालियर शहर को स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त और हरा-भरा बनाने के लिये ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विशेष पहल की है। एयर कंडीशनर (एसी) के अंधाधुंध इस्तेमाल से बड़े पैमाने पर पैदा हो रहे हानिकारक कार्बनडाइ ऑक्साइड उत्सर्जन के प्रति शहरवासियों को सजग व सचेत करने के उद्देश्य से ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने रात में सोते समय एक माह तक एसी का उपयोग न करने का फैसला किया है। श्री तोमर उपनगर ग्वालियर में कांचमिल स्थित अपने निवास के सामने वाले पार्क में टेंट लगाकर पंखे के सहारे रात गुजारेंगे। उन्होंने यह कदम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया है। मंत्री श्री तोमर ग्वालियर ही नहीं, भोपाल अथवा अन्य शहरों के प्रवास के दौरान भी पंखे के बीच ही रात गुजारेंगे। उन्होंने शहरवासियों को वाहनों से फैलने वाले प्रदूषण के प्रति सजग करने के लिये स्वयं एक माह तक ई-स्कूटी से चलने का फैसला भी लिया है। साथ ही शहरवासियों से अपील की है कि वे इस पुनीत पहल में शामिल होकर शहर को प्रदूषण मुक्त व साफ-सुथरा बनाने के लिये आगे आएं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर सोते समय एसी का इस्तेमाल न करने के निर्णय के पीछे के कारणों को बताते हुए कहते हैं कि ग्वालियर शहर की लगभग 15 लाख की आबादी में करीबन एक लाख लोग एसी का इस्तेमाल करते हैं। यदि ग्वालियर शहरवासी हर दिन मात्र एक घंटे एसी न चलाएँ तो हर दिन लगभग 167 टन और हर महीने करीबन 5010 टन कार्बनडाइ ऑक्साइड का उत्सर्जन कम किया जा सकता है। इससे शहर की आवोहवा में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसलिए उन्होंने शहरवासियों से अपील की है कि वे प्रतिदिन एक घंटे एसी न चलाने का संकल्प लें। इससे हर दिन शहर में 167 टन और महीने भर में 5010 टन कार्बनडाइ ऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा। यह पहल अपने शहर को प्रदूषण मुक्त करने में बड़ी मदद करेगी और आने वाली पीढ़ियों को बेहतर पर्यावरण हम उपलब्ध करा पायेंगे। श्री तोमर विशेषज्ञों द्वारा किए गए अध्ययन के आधार पर बताते हैं कि लगभग डेढ़ टन का स्पिलिट एसी एक मध्यम आकार के कमरे को ठंडा करने के लिये हर दिन लगभग 8 घंटे इस्तेमाल होता है। इससे करीबन 14.4 यूनिट बिजली खर्च होती है। इस प्रकार एक माह में लगभग 432 यूनिट एक एसी के इस्तेमाल पर खर्च हो जाती है। इतनी बिजली बनाने में करीबन 384 किलोग्राम कोयला खर्च होता है। एक माह में 8 घंटे तक चले एक एसी से मानव शरीर के लिये हानिकारक लगभग 401 किलोग्राम कार्बनडाइ ऑक्साइड का उत्सर्जन होता है। आदतों में छोटे-छोटे बदलाव लाकर शहर को स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त बनाने में बनें सहभागी ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपनी आदतों में छोटे-छोटे बदलाव लाकर शहर को साफ-सुथरा एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में सहभागी बनें। श्री तोमर ने आग्रह किया है कि थोड़ी – बहुत दूरी को साइकिल अथवा पैदल चलकर तय करने को अपनी आदत में शुमार करें। बिजली – पानी की बचत करें। प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करें। यदि हम ऐसा कर पाए तो निश्चित ही हमारी धरा स्वच्छ, सुरक्षित व हरी-भरी होगी।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में बड़वानी जिले का अवैध फायर आर्म्स तस्कर आरोपी गिरफ्तार

»आरोपी के कब्जे से 08 पिस्टल मय मैगजीन, 02 जिंदा कारतूस एवं 01 मोटर साइकिल जब्त।»आरोपी अवैध फायर आर्म्स बड़वानी जिले से लाकर इंदौर शहर में सप्लाई करने का था इरादा।» क्राईम ब्रांच द्वारा आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त करने सहित अन्य साथी आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है, संलिप्तता के आधार पर संबंधित के विरुद्ध भी की जाएगी कार्यवाही।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में अवैध फायर आर्म्स तस्करों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा दिए गए थे , इसी अनुक्रम में क्राईम ब्रांच के द्वारा मुखबिर सूचना पर Hp पेट्रोल पंप के सामने राऊ–राजेंद्र नगर रोड से आरोपी (1). अशोक उम्र 25 वर्ष निवासी जिला बड़वानी(म.प्र.) को गिरफ्तार किया, आरोपी के पास मिली सफेद रंग की प्लास्टिक की बौरी में 08 देसी पिस्टल मय मैगजीन, 02 जिंदा कारतूस मिले जिसके संबंध में आरोपी से वैध लायसेंस पूछते नहीं होना बताया, आरोपी के कब्जे से 08 पिस्टल मय मैगजीन, 02 जिंदा कारतूस एवं 01 मोटर साइकिल सहित जब्त कर थाना अपराध शाखा जिला इंदौर में अपराध क्रमांक- 109/2025 धारा- 25(1–AA), 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही की जार ही है।

अशोक

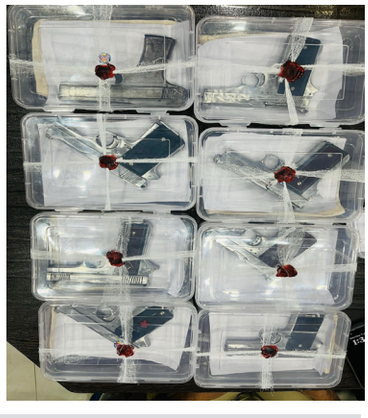

घटना स्थल- Hp पेट्रोल पंप के सामने राऊ–राजेंद्र नगर रोड
आरोपी का नाम : (1). अशोक उम्र 25 वर्ष निवासी जिला बड़वानी(म.प्र.)

नीमच के जावद जनपद सीईओ पर दुष्कर्म का मामला दर्ज

शिकायतकर्ता युवती को शादी का झांसा देकर 11 साल तक बनाए संबंध

अविनाश जाजपुरा नीमच। जावद जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) आकाश धार्वे के खिलाफ धार जिले के गंधवानी थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया है कि सीईओ ने शादी का वादा कर 11 वर्षों तक उसके साथ संबंध बनाए, लेकिन अंततः विवाह से इनकार कर दिया। थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी की प्रक्रिया जारी है। उधर, सीईओ आकाश धार्वे ने खुद पर लगाए गए आरोपों को पूर्णतः निराधार बताया है।

2012 से साथ रहने का दावा, 2024 में हुआ रिश्ता खत्म

महिला ने बताया कि उनकी पहली मुलाकात 2012 में गंधवानी में हुई थी। बाद में बातचीत प्रेम में बदली और दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। 2019 में आकाश को जनपद सीईओ नियुक्त किया गया और 2022 में उसकी पोस्टिंग नीमच में हुई। इसके बाद भी दोनों साथ रहे। पीड़िता के मुताबिक, इस दौरान कई बार शादी का आश्वासन दिया गया, लेकिन दिसंबर 2024 में जब विवाह की बात सामने आई तो आकाश ने मना कर दिया। इसके बाद दोनों अलग हो गए। शादी से इनकार के बाद मामला महिला के गांव पहुंचा, जहां पंचायत भी बुलाई गई। पंचायत ने दोनों के साथ रहने का निर्णय दिया। इसके बाद सीईओ महिला को अपने गांव ले गया, लेकिन बाद में परिजनों ने उसे वापस लौटा दिया।

अपहरण प्रकरण भी विवादों में

6 फरवरी को उज्जैन-नागदा रोड पर सीईओ के अपहरण की घटना सामने आई थी। पुलिस ने उसे नागदा में छुड़ाया था। इस मामले में 13 लोगों पर एफआईआर हुई, जिसमें तहसीलदार,

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में रतलाम का सप्लायर सहित लोकल MD ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

- **आरोपीयो के कब्जे से लगभग करीब 54.78 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD ड्रग्स (अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 54 लाख रुपए) जप्त ।**
- **आरोपी गनी पटेल थाना अपराध शाखा के पूर्व के NDPS एक्ट प्रकरण में भी पहले से चल रहा था फरार।**
- **आदतन आरोपियों के विरुद्ध पहले से NDPS एक्ट के अपराध है पंजीबद्ध।**
- **आरोपियों का, सस्ते दामों पर ड्रग्स शहर में लाकर, ड्रग्स का नशा बेचने एवं करने वाले लोगों को अधिक दामों पर MD ड्रग्स बेचना का था इरादा ।**

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । इसी अनुक्रम में मुखबिर सूचना पर क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा बीमा हॉस्पिटल, रिक्शा स्टैंड के पीछे मारीमाता चौराहा, इंदौर पर पहुंचे जहां मुखबिर के द्वारा बताए हुलिए के 02 संदिग्ध व्यक्ति दिखे जो पुलिस को देख घबराने लगे, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). मोहम्मद गनी पटेल उम्र 31 वर्ष निवासी खजराना इंदौर एवं (2).मोहसिन मेव उम्र 31 वर्ष निवासी जावरा जिला रतलाम का होना बताया । आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है MD ड्रग्स सस्ते दामों पर लाकर शहर में अपने साथी एवं नशे के आदि लोगों को सप्लाई करने का था इरादा।आरोपी के कब्जे से 54.78 ग्राम "MD ड्रग्स"जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 106/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

गनी पटेल

मोहसिन

ऑनलाइन वेबसाईट के माध्यम से सट्टा संचालित करने वाली अंतराज्यीय गैंग के फरार 02 आरोपी साढ़े 6 लाख रुपए एवं कार के साथ क्राईम ब्रॉंच इंदौर की कार्यवाही में गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी निखिल के निर्देशन में उसके द्वारा किराए पर लिए फ्लैट से संचालित हो रहा था ऑनलाइन सट्टा एवं आरोपी लक्की उर्फ अभिजीत के द्वारा उपलब्ध कराया जाते थे बैंक खाते।

"वरुण ऑनलाइन हब" ऑनलाइन गेमिंग सट्टा संचालित करने वाले उक्त प्रकरण में कुल 08 आरोपी पकड़ाए।

वेबसाईट के माध्यम से सैकड़ों गेम्स पर खिलाया जाता था ऑनलाइन सट्टा।

आरोपियों के द्वारा देशभर के फर्जी बैंक अकाउंट्स एवं सिमकार्ड का दुरुपयोग कर करते थे ट्रांजेक्शन।

आरोपियों की उक्त फ्लैट से संचालित सट्टा कॉल सेंटर की 20 वे नंबर की थी ब्रांच।

ग्राहक की रिक्वायरमेंट के हिसाब से आरोपियों के द्वारा जनरेट की जाती थी वर्चुअल आईडी।

आरोपियों के द्वारा संयोगितागंज क्षेत्र के ऊषागंज स्थित फ्लैट के सेकेंड फ्लोर में वेबसाईट के माध्यम से ग्राहकों की आईडी बनाकर Link भेजकर, लैपटॉप एवं मोबाइल के माध्यम से संचालित किया जा रहा था ऑनलाइन क्रिकेट का सट्टा।

निखिल खंडेलवाल

लक्की उर्फ अभिजीत

पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे सेजब्त सामग्री – 29 मोबाइल,01 कंप्यूटर, 02 लैपटॉप,7 चेकबुक, 04 पासबुक, एटीएम कार्ड, नगदी एवं ऑनलाइन सट्टे के हिसाब किताब का करोड़ों रुपए का लेखा जोखा जप्त **वर्तमान में जब्त सामग्री** – 6.5 लाख रुपए नगदी, 01 एर्टिगा कार एवं 3 मोबाइल

पूर्व में गिरफ्तार आरोपीयो के नामः-

(1). हिमांशू खण्डेलवाल निवासी महावीर नगर इंदौर, (2). रविन्द्र गौतम निवासी जिला गोण्डा उ. प्र, (3). विवेक कुमार निवासी जिला भरतपुर राजस्थान (4). अमित कुमार मण्डल निवासी जिला मधुवनी बिहार , (5). कृष्णा कुमार निवासी जिला मधुवनी बिहार (6). कन्हैया पाण्डे निवासी जिला मधुवनी बिहार

वर्तमान में गिरफ्तार आरोपीः-

(7). निखिल खंडेलवाल उम्र 32 वर्ष निवासी महावीर नगर इंदौर ▪ 12 वी तक पढ़ा है, संयोगितांज स्थित फ्लैट आरोपी के द्वारा किराए पर लिया गया था जहां से ऑनलाइन सट्टे खिलाया जा रहा था।•

(8).लक्की चौहान उर्फ अभिजीत चौहान उम्र 31 वर्ष निवासी मानवता नगर इंदौर ▪ Be इंजीनियर है और आरोपी के फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने का कार्य करना कबूला है।•

इंदौर शहर में ऑनलाइन जुआ, सट्टा एवं अवैधानिक गतिविधियां संचालित करने वाले आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की टीमों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। इसी अनुक्रम मे क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि संयोगितागंज क्षेत्र के ऊषागंज स्थित फ्लैट के सेकेंड फ्लोर में ऑनलाइन गेमिंग का सट्टा संचालित किया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर के द्वारा बताए स्थान पर दबिश देते उक्त स्थान में कुछ व्यक्तियो जो की लैपटॉप एवं मोबाईल के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे, पुलिस टीम द्वारा आरोपी (1). हिमांशू खण्डेलवाल , (2). रविन्द्र गौतम (3). विवेक कुमार (4). अमित कुमार मण्डल (5). कृष्णा कुमार (6). कन्हैया पाण्डे को पकड़ा।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके द्वारा Link के माध्यम "वरुण आनलाईन हब" बेवसाइट पर रुपयो पैसो से (हार-जीत) का दाव लगाकर सट्टा खिलवाया जाता था, एवं आरोपियों ने बताया कि जिन ग्राहकों को सट्टा लगाना रहता था उनसे पेमेंट अलग-अलग बैंक खातों में प्राप्त करके उन्हें Link भेजकर "वरुण आनलाईन हब" वेबसाईट की आईडी एवं पासवर्ड ग्राहकों को देते है एवं उस आईडी पर जितने रुपये उक्त व्यक्ति ने जमा किये हैं उसके पाईंट उनको उस आईडी पर देते है। जिसके बाद उक्त व्यक्ति "वरुण आनलाईन हब" वेबसाईट में उपलब्ध (24*7) गेम खोलकर हार–जीत का दाव लगाकर सट्टा खेलता था। आरोपियों के कब्जे से 29 मोबाइल,01 कंप्यूटर, 02 लैपटॉप,7 चेकबुक, 04 पासबुक, एटीएम कार्ड्स, नगदी एवं ऑनलाइन सट्टे के हिसाब किताब का करोड़ों रुपए का लेखा जोखा जप्त करके, आरोपियों के विरुद्ध थाना अपराध शाखा जिला इंदौर में गेमलिंग एक्ट के साथ विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया था। उक्त प्रकरण में गिरफ्तार आरोपीयो ने पूछताछ में बताया था की (7). निखिल खंडेलवाल के द्वारा संयोगितांज स्थित फ्लैट किराए पर लिया गया था जिसके निर्देशन में ऑनलाइन सट्टे खिलाया जा रहा था। (8).लक्की चौहान उर्फ अभिजीत चौहान उम्र 31 वर्ष निवासी मानवता नगर इंदौर के फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने का कार्य करना बताया है जिसपर क्राईम ब्रांच के द्वारा उक्त दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर 6 लाख 50 हजार रुपए, 01 एर्टिगा कार के साथ दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में MD ड्रग्स तस्कर आरोपी गिरफ्तार।

» आरोपी के कब्जे से 18 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD ड्रग्स (अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 4 लाख रुपए) जप्त। आदतन आरोपी के विरुद्ध 17 अपराध पहले से ही पंजीबद्ध। » आरोपियों का, ड्रग्स का नशा करने वाले लोगों को अधिक दामों पर MD ड्रग्स बेचना का था इरादा। » अपराध क्रमांक- 105/2025 धारा- 8/22 » घटना स्थल- आईएसबीटी बस स्टैंड के पास » आरोपी का नाम : (1). जावेद खा उम्र 36 वर्ष निवासी बेटमा इंदौर देहात ▪ 4 कक्षा तक पढ़ा है और मैजिक कार ड्राइवरी का कार्य करना बताया, आदतन आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट, NDPS act, आबकारी एक्ट, जुआ एक्ट, चोरी, लूट आदि के 17 अपराध इंदौर जिले के बेटमा, गांधीनगर थाने में एवं धार जिले के पीथमपुर, कनवा, सागोर आदि में पहले से है पंजीबद्ध।•

» जब्त माल का विवरण : - 18 ग्राम "MD ड्रग्स"।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की तलाश करते आईएसबीटी बस स्टैंड के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा जो पुलिस को देख घबराने लगे, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम जावेद खा उम्र 36 वर्ष निवासी बेटमा इंदौर देहात, का होना बताया । आरोपी जावेद ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है MD ड्रग्स सस्ते दामों पर लाकर शहर में सप्लाई करने का था इरादा।आरोपी के कब्जे से 18 ग्राम "MD ड्रग्स"जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 105/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

जावेद पिता बाबू खान उम्र 31

पूर्व अपराधिक रिकॉर्ड

क्र	थाना	अपराध क्र	धारा
1	बेटमा	321/11	25 आर्म्स एक्ट
2	बेटमा	599/12	13 जुआ एक्ट
3	सेक्टर न.1 पीथमपुर,धार	290/16	34(2) आबकारी एक्ट
4	सेक्टर न.1 पीथमपुर,धार	80/17	25(1)(a) आर्म्स एक्ट
5	सेक्टर न.1 पीथमपुर,धार	81/17	380,457 भादवि
6	बेटमा	106/17	13 जुआ एक्ट
7	बेटमा	440/17	379 भादवि
8	बेटमा	57/18	8/27(a) एनडीपीएस एक्ट
9	सेक्टर न.1 पीथमपुर,धार	57/18	34(2) आबकारी एक्ट
10	कानवन,धार	408/18	379 भादवि
11	पीथमपुर,धार	466/18	380,457 भादवि
12	सागोर,धार	371/20	379 भादवि
13	सागोर,धार	373/20	25 आर्म्स एक्ट
14	बेटमा	722/21	25 आर्म्स एक्ट
15	गांधीनगर	139/22	380,457 भादवि
16	सागोर,धार	200/22	25(2) आर्म्स एक्ट
17	बेटमा	70/24	25 आर्म्स एक्ट

दुर्घटना में युवा व्यवसायी ऋषभ कमेडिया की मौत, सात वर्षीय पुत्र ने दी मुखाग्नि

नीमच जावद। मोरका रोड पर गुरुवार रात करीब 12 बजे हुए सड़क हादसे में जावद निवासी 36 वर्षीय ऋषभ कमेडिया की मौत हो गई, जबकि दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए। हादसा जावद फंटा पर हुआ, जहां नीमच से लौटते समय एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल ऋषभ को तत्काल नीमच जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें ज्ञानोदय हॉस्पिटल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। ऋषभ जावद के प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार से ताल्लुक रखते थे। वे स्टेशन रोड स्थित कमेडिया हार्डवेयर का संचालन करते थे तथा हाल के वर्षों में वेयरहाउस और डोम निर्माण के ठेके भी संभाल रहे थे। व्यवसाय में उनकी कुशलता के लिए वे पूरे क्षेत्र में जाने जाते थे। शनिवार को सुबह 11 बजे उनके निज निवास से अंतिम यात्रा निकली, जो खोर दरवाजा मुक्तिधाम पहुंची। वहां सात वर्षीय इकलौते पुत्र प्रणव ने पिता को मुखाग्नि दी, जिससे मौजूद सैकड़ों लोगों की आंखें नम हो गईं। ऋषभ कमेडिया, स्वर्गीय सुंदरलाल लोहार के पोते, शिवनारायण लोहार के पुत्र और देवेंद्र, विपिन, अंकित के भाई थे। उनके असामयिक निधन से नगर में शोक की लहर फैल गई।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में राजस्थान राज्य के MD ड्रग्स तस्कर आरोपीगण गिरफ्तार।

आरोपीयों के कब्जे से लगभग 255 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD ड्रग्स (अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 2 करोड़ 50 लाख रुपए), 01 मोटरसाइकिल, 02 आईफोन जप्त । आरोपियों प्रतापगढ़ (राजस्थान) से सस्ते दामों पर लाकर इंदौर एवं आसपास के क्षेत्रों में अधिक दामों पर, MD ड्रग्स बेचना का था इरादा । आरोपी ने पूछ ताछ में बताया कि उसके गांव कोटडी (प्रतापगढ़) में ज्यादातर लोगों का कार्य MD ड्रग्स तस्करी है। आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त करने सहित साथी आरोपी गैंग के सम्बन्ध में पूछताछ हेतु की जा रही है क्राईम ब्रांच के द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही।

साहिल

नसीब

- प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं इनकी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही कर इनके नेटवर्क को नेस्तनाबूत करने के सख़्त निर्देश माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिये गए हैं। इसी तारतम्य में इंदौर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह के निर्देशन में इंदौर क्राईम ब्रांच विशेष अभियान चलाकर लगातार अवैध नशे पर कड़ा प्रहार कर रही है।

इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि रेल्वे ब्रिज के नीचे MR 4 रोड इन्दौर में, राजस्थान के दो व्यक्ति नसीब ओर साहिल, MD ड्रग्स की तस्करी करने आने वाले है, मुखबिर सूचना को सच मानकर क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा उक्त स्थान पर एक संदिग्ध मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते दिखे जो पुलिस को देख घबराने भागने का प्रयास करते मोटरसाइकिल गिर गए और उनके पैरों में चोट भी आई , पूछताछ पर आरोपीयो के द्वारा अपना नाम (1). नसीब खान निवासी प्रतापगढ़ राजस्थान एवं (2).साहिल मंसूरी निवासी प्रतापगढ़ (राजस्थान) का होना बताया ।

आरोपीयो ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि राजस्थान से MD ड्रग्स सस्ते दामों पर लाकर शहर में सप्लाई करने का था इरादा।आरोपी के कब्जे से 255 ग्राम "MD ड्रग्स", 01मोटरसाइकिल, 02 आईफोन जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 103/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं

घटना स्थल- रेलवे अंडर ब्रिज के पास, MR 4 रोड इन्दौर
आरोपी का नाम : (1). नसीब खान उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम कोटडी, प्रतापगढ़ (राजस्थान)
▪ BA सेकंड ईयर तक पढ़ा है और खेती किसानी का कार्य के साथ साथ करीब 1 वर्ष से ड्रग्स तस्करी करना बताया, आदतन आरोपी के विरुद्ध रतलाम जिले में MD ड्रग्स के अपराध में जेल जाना कबूला है।•
(2). साहिल मंसूरी उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम कोटडी, प्रतापगढ़ (राजस्थान)
▪ 8वी तक पढ़ा है और किराने की दुकान चलाना के साथ-साथ ड्रग्स तस्करी करना कबूला।•
जब्त माल का विवरण :- 255 ग्राम "MD ड्रग्स", 01 मोटरसाइकिल, 02 आईफोन।

विभागीय अधिकारी बांधों का निरीक्षण कर वर्षा पूर्व सुधार कार्य पूर्ण करें

इंदौर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि विभागीय अधिकारी वर्षा से पूर्व सभी बांधों का निरीक्षण करें एवं वर्षा से पहले ही आवश्यकतानुसार सुधार कार्य कर लिए जाएं। सभी बांधो के गेट्स का मेंटीनेंस कर उन्हें क्रियाशील स्थिति में रखा जाए। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मंगलवार को मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा , प्रमुख अभियंता श्री विनोद कुमार देवड़ा आदि उपस्थित थे। क्षेत्रीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्मिलित हुए। बैठक में आगामी मानसून पूर्व तैयारियों एवं विभाग द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम की समीक्षा की गई। प्रमुख अभियंता श्री विनोद देवड़ा द्वारा वर्षा ऋतु से पूर्व बांधों की सुरक्षा और संभावित आपदा स्थितियों से निपटने संबंधी विभागीय योजना एवं विभाग द्वारा किए गए जल संरक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गई। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर 24 घंटे क्रियाशील किया जाए। निरीक्षण दल गठित कर नियमित मॉनीटरिंग हो और वर्षा काल के दौरान कोई भी अधिकारी बगैर सक्षम अधिकारी की अनुमति के मुख्यालय न छोड़े। जल संसाधन

मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि वर्षा काल में जब भी डैम से पानी छोड़ने की स्थिति बने जिले के सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं को अग्रिम सूचना दे दी जाए। जिन स्थानों पर पानी छोड़ा जा रहा है वहां जन सामान्य को पर्याप्त समय पूर्व पानी छोड़ने की सूचना अनिवार्य रूप से दी जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि विभागीय मैन्युअल के अनुसार वर्षा पूर्व निरीक्षण प्रतिवेदन विभागीय पोर्टल पर दर्ज किए जाएं और भारत सरकार द्वारा लागू डैम सेफ्टी एक्ट के अंतर्गत चिन्हित राज्यों के बांधों से संबंधित प्रतिवेदन भी समय पर भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज किए जाएं। मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि विभाग द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम को आगामी 14 दिनों में पूर्ण गति से क्रियान्वित किया जाए और कार्यक्रम की समाप्ति के 3 दिवस पश्चात विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। श्री सिलावट ने निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और वर्षा पूर्व अधिकतम कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में MD ड्रग्स प्रकरण में रतलाम का सप्लायर साथी आरोपी गिरफ्तार।

पूर्व में आरोपीयो के कब्जे से लगभग करीब 54.78 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD ड्रग्स (अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 54 लाख रुपए) हुई थी जप्त । आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त करने सहित गैंग से जुड़े अन्य साथी आरोपियों के संबंध में की जा रही है पूछताछ।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ

अब्दुल करीम

अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय-विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । इसी अनुक्रम में मुखबिर सूचना पर क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा बीमा हॉस्पिटल, रिक्शा स्टैंड के पीछे मारीमाता चौराहा, इंदौर पर आरोपी (1). गनी पटेल उम्र 31 वर्ष निवासी खजराना इंदौर एवं (2).मोहसिन मेव उम्र 31 वर्ष निवासी जावरा जिला रतलाम को 54.78 ग्राम "MD ड्रग्स" के साथ गिरफ्तार कर आरोपियों के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 106/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर पूछताछ की गई थी। उक्त आरोपीयो ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है MD ड्रग्स सस्ते दामों पर अपने साथी आरोपी अब्दुल करीम उर्फ राजा से लाकर शहर में अपने साथी एवं नशे के आदि लोगों को सप्लाई करने का था इरादा।

क्राईम ब्रांच के द्वारा तकनीकी जानकारी एवं सूचना के आधार पर (3).अब्दुल करीम उर्फ राजा उम्र 36 वर्ष निवासी जावरा रतलाम को गिरफ्तार किया । आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त करने सहित अन्य साथी आरोपियों के संबंध में पूछताछ एवं विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

अपराध में पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों का घटना स्थल- बीमा हॉस्पिटल, रिक्शा स्टैंड के पीछे मारीमाता चौराहा, इंदौर

पूर्व में गिरफ्तार आरोपी का नाम : (1). गनी पटेल उम्र 31 वर्ष निवासी खजराना इंदौर (2). मोहसिन मेव उम्र 31 वर्ष निवासी जावरा रतलाम
वर्तमान में गिरफ्तार:- (3). अब्दुल करीम उर्फ राजा उम्र 36 वर्ष निवासी जावरा रतलाम
▪ आरोपी 5 वी तक पढ़ा है और मैकेनिक का कार्य गैरेज पर करना बताया, जल्दी रुपया कमाने की नियत से पूर्व में गिरफ्तार आरोपी मोहसिन के साथ मिलकर ड्रग्स तस्करी करना कबूला।

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की लगातार 02 कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ MD ड्रग्स के साथ कुल 03 आरोपीगण गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से लगभग करीब 38 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD drugs", 01 एक्टिवा दोपहिया एवं मोबाइल्स आदि (अंतराष्ट्रीय ड्रग्स कीमत सहित कुल मशरूका करीब 38 लाख रुपए) जप्त। आदतन आरोपियों के विरुद्ध पहले से पंजीबद्ध है कई गंभीर अपराध। आरोपीगण ने पूछताछ में सस्ते दामों पर सीमावर्ती जिलों से ड्रग्स खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदि लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला। आदतन आरोपी नशा बेचने एवं करने के है आदि। पुलिस रिमांड प्राप्त कर अन्य साथी तस्करों के संबंध में की जा रही है गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते सूर्यदेव नगर रिंग रोड, इंदौर पर एक्टिवा दोपहिया वाहन पर दो संदिग्ध व्यक्ति दिखे जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करते पुलिस द्वारा घेराबंदी कर रोका, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). निम्बू उर्फ निमेश मिश्रा उम्र 26 वर्ष निवासी हुक्मखेड़ी रेती मंडी इंदौर एवं (2). नितिन बामनिया उम्र 29 वर्ष निवासी सिल्वर ऑक्स कॉलोनी इन्दौर होना बताया। आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि दोनों आरोपी नशा करने का आदि है नशे की लत पूरी करने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर , महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 25 ग्राम "MD Drugs" एवं 01 एक्टिवा दोपहिया वाहन व मोबाइल्स आदि जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 115/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। **पहली कार्यवाही** : – अपराध क्रमांक- 115/2025 धारा- 8/22 घटना स्थल- सूर्यदेव नगर रिंग रोड, इंदौर

आरोपी का नाम : (1). निम्बू उर्फ निमेश मिश्रा उम्र 26 वर्ष निवासी हुक्मखेड़ी रेती मंडी इंदौर (आरोपी 4 कक्षा तक पढ़ा लिखा है और पुताई करता था और आरोपी के विरुद्ध शहर के विभिन्न थानों में आबकारी, हत्या का प्रयास, ड्रग्स तस्करी, मारपीट जैसे गंभीर कई अपराध पहले से पंजीबद्ध होना कबूला है।) (2). नितिन बामनिया उम्र 29 वर्ष निवासी सिल्वर ऑक्स कॉलोनी इन्दौर (आरोपी 9 वी तक पढ़ा लिखा है और लॉन्ड्री प्रेस में काम करता था एवं आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के कई अपराध पहले से पंजीबद्ध होना कबूला।) **जब्त माल का विवरण** : - 25 ग्राम "MD Drugs" एवं 01 एक्टिवा दोपहिया वाहन व मोबाइल्स ।

दुसरी कार्यवाही : –

अपराध क्रमांक- 114/2025 धारा- 8/22 घटना स्थल- पंचकुइया मुक्तिधाम के पीछे, इन्दौर आरोपी का नाम : (1). रिंकू उर्फ वैभव धामेलिया उम्र 24 वर्ष निवासी प्रजापत नगर इंदौर (आरोपी 8 वी तक पढ़ाई किया हुआ है और सलून कटिंग का काम करता था एवं आरोपी के विरुद्ध मारपीट लड़ाई झगड़े के पूर्व में अपराध पंजीबद्ध होना कबूला)

जब्त माल का विवरण : - 13 ग्राम MD ड्रग्स जप्त ।

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते पंचकुइया मुक्तिधाम के पीछे, इन्दौर पर संदिग्ध व्यक्ति दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करते पुलिस द्वारा घेराबंदी कर रोका, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). रिंकू उर्फ वैभव धामेलिया उम्र 24 वर्ष निवासी प्रजापत नगर इंदौर का होना बताया। आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि आरोपी नशा करने का आदि है नशे की लत पूरी करने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर , महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों बिक्री करने का कार्य करना कबूला है। आरोपी के कब्जे से 13 ग्राम "MD Drugs" जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 114/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में MD ड्रग्स तस्कर आरोपीगण गिरफ्तार

आरोपीगण राजस्थान राज्य से सस्ते दामों पर अवैध मादक पदार्थ लाकर इंदौर शहर में करने वाले थे ड्रग्स सप्लाई। आरोपी के कब्जे से लगभग करीब 57.35 ग्राम "MD ड्रग्स" एवं 01 मारुति डिजायर कार, (मादक पदार्थ की अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब 60 लाख रुपए) जप्त।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते संदिग्ध कार दिखी जिसमें चार व्यक्ति संदिग्ध दिखे जो पुलिस को देख घबराने लगे, जिसे घेराबंदी कर रोका, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1).मोहम्मद सोहेल उम्र वर्ष निवासी ग्रीनपार्क कालोनी इंदौर, (2). मोहम्मद अजगर उम्र वर्ष निवासी काजीपुरा रतलाम, (3). मोहम्मद फ़ेज़ान उम्र वर्ष निवासी केशव नगर इंदौर, (4). शाकिब शेख उम्र वर्ष निवासी केशव नगर इंदौर होना बताया । आरोपीयो ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा

करने का आदि है MD ड्रग्स सस्ते दामों पर राजस्थान राज्य से लाकर शहर में सप्लाई करने का था इरादा, आरोपी के कब्जे से 57.35 ग्राम "MD ड्रग्स" एवं 01 मारुति डिजायर कार जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 117/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

अपराध क्रमांक- 117/2025 धारा- 8/22 दिनांक घटना- 14-06-2025 घटनास्थल-MR10ब्रिजकेनीचे,ढाबेकेपासइंदौर

आरोपीयो का नाम :- (1).मोहम्मद सोहेल उम्र 22 वर्ष निवासी ग्रीनपार्क कालोनी इंदौर • 6वी तक पढ़ा है, ड्राइवरी का कार्य करना बताया • (2). मोहम्मद अजगर उम्र 25 वर्ष निवासी काजीपुरा रतलाम • बीकॉम वी तक की पढ़ाई की है और प्राइवेट जॉब करना बताया।• (3). मोहम्मद फ़ेज़ान उम्र 22 वर्ष निवासी केशव नगर इंदौर • 8 वी तक पढ़ा है और गैराज पर वाहन सुधारने का कार्य करना बताया।• (4). शाकिब शेख उम्र 20 वर्ष निवासी केशव नगर इंदौर • 8 वी तक पढ़ा है और टाइल्स फिटिंग का कार्य करना बताया।•

जब्त माल का विवरण : - 57.35 ग्राम "MD ड्रग्स" एवं 01 मारुति डिजायर कार ।

प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम से धोखाधड़ी करने वाला 10 हजार का इनामी गुजरात राज्य का शातिर आरोपी क्राईम ब्रांच इंदौर की कार्यवाही में गिरफ्तार।

फरियादी सहित कई लोगों के साथ करीब 82 लाख रुपए की है धोखाधड़ी।

इंदौर विकास प्राधिकरण के फ्लेट दिखाकर आवेदकों को उनमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् फ्लैट दिलाने का झूठ बोलकर की थी धोखाधड़ी।

आरोपी अपना नाम एवं शहर बदल-बदल कर करता था धोखाधड़ी।

आरोपी OLX के माध्यम से रूम्स किराए पर ढूंढता था, फिर रूममेट और उसके परिजनों को बनाता था ठगी के लिए टारगेट।

आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट बलाकर के अपराध है पहले से पंजीबद्ध।

फरियादी चन्दन पता- इन्दपुरी कालोनी, भंवरकुआ, स्थाई पता जिला हरदा, ने शिकायत की थी जिसमें फरियादी ने बताया कि उनके रुम पार्टनर (अज्ञात) आवेदक दीपक जिला बालाघाट जिसके द्वारा मुझे बताया गया कि, मै प्रधानमंत्री आवास योजना की ठेकेदारी का कार्य करता हूँ। जिसमें मुझे फ्लेट बिकवाने के नाम पर रुपये लगाने का बोलकर प्रोफिट का बताया तथा उसने अपने फर्म मान्या द बिजनेस एम्पायर के नाम से बताया जिसका आफिस सुरत में बताया था। जिसकी रसीद भी दी जाती है और तुम फ्लेट नहीं लेते हो तो तुम्हे फ्लेट के बदले इसमें जो प्रॉफिट प्राप्त होगा वह तुम्हे दे दूंगा। किन्तु बाद में अन्य लोगो को भी इस योजना में जोडा गया जो कि, मेरे दोस्त थे जिनमें नमन चौधरी मोहित बाके, सौरभ पाटिल, गिरिश मेडा सहित कई लोगों के साथ करीब 82 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है। जिसपर थाना अपराध शाखा जिला इंदौर में अपराध क्रमांक 61/2025 धारा 316(2), 318(4), 336, 338, 340 BNS के तहत् अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

उक्त प्रकरण में आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु 10 हजार के इनाम की उद्घोषणा कर क्राईम ब्रांच की टीम के द्वारा शातिर आरोपी (1).जतीन भाई मानिया उर्फ दीपक तुरकर उर्फ शैलेश उर्फ नीरज पटेल उर्फ ए. के. पटेल उर्फ संदीप पटेल आयु 33 वर्ष, स्थाई पता जिला भावनगर गुजरात, वर्तमान पता– जिला सूरत (गुजरात) की तकनीकी जानकारी प्राप्त कर गुजरात राज्य से आरोपी को पकड़ा।

आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ करते OLX एवं 99 एकड़ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रूम्स ज्ञात कर कि वह स्थान बदल–बदल कर रूम पार्टनर बनकर प्रधानमंत्री मंत्री आवास योजना के तहत् फ्लैट्स दिलाने एवं RTO अधिकारी बताकर कई लोगों के साथ धोखाधड़ी की वारदात करना कबूला।

आरोपी के द्वारा फरियादी एवं इंदौर के अन्य आवेदकों को अपना फर्जी नाम बताया और प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम से IDA एवं शासकीय योजना के बने फ्लैट्स दिखाकर धोखाधड़ी करना कबूला है, आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड प्राप्त करने सहित प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

आरोपी (1).जतीन भाई मानिया उर्फ दीपक तुरकर उर्फ शैलेश उर्फ नीरज पटेल उर्फ ए. के. पटेल उर्फ संदीप पटेल आयु 33 वर्ष, स्थाई पता जिला भावनगर गुजरात, वर्तमान पता– जिला सूरत (गुजरात)

आरोपी 12 तक पढ़ाई गुजरात से किया हुआ है, आरोपी के द्वारा olx एवं 99 एकड़ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से पर रूम तलाश करता था फिर लोगों के साथ रूम में रहते हुए आरोपी ने फरियादियों को कहा कि इन्दौर नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बिल्डिंग बनाई जा रही है उनके फ्लेट अलॉटमेंट/ बुकिंग /सेल्स का टेंडर हमारी कम्पनी Maniya The business empire कंपनी है को मिला है, अगर इन्दौर में फ्लेट खरीदना है तो मुझे बताना मैं तुम्हारा फ्लेट अपनी कम्पनी के माध्यम से सस्ते मे करवा दूँगा और झूठे विश्वास में लेकर सतपूडा परिसर सुपर कारिडोर और अरावली परिसर भूरी टेकरी पर बन रहे प्रधानमंत्री आवास योजना के फ्लैट दिखाकर फ्लेट दिलाने के नाम से ठगी करना कबूला है। आरोपी के द्वारा पूर्व में अहमदाबाद में RTO अधिकारी बन लोगो के साथ 10 लाख धोखाधड़ी की है, मुंबई में नगर निगम में नौकरी दिलाने के नाम से 20 लाख धोखाधड़ी काबुली, उक्त के संबंध में आरोपी के विरुद्ध अहमदाबाद, मुंबई में धोखाधड़ी की जांच की जा रही है साथ ही बलात्कार एवं आर्म्स एक्ट का अपराध भी पहले से पंजीबद्ध होना कबूला•

दिन-रात सूने घरों की रेकी कर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नीमच। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया एवं एसडीओपी मनासा निकिता सिंह के मार्गदर्शन में कुकडेश्वर थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ शर्मा व पुलिस टीम को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने सूने घरों को निशाना बनाकर दिन और रात में चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हजारों रुपये के चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

चोरी की दो घटनाएं, एक ही आरोपी

जिम्मेदार प्रथम घटनाः प्रकरण क्रमांक 178/2025 धारा 331(4), 305(a) बीएनएस के तहत फरियादी गणेश तबोली निवासी तंबोली मोहल्ला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह परिवार सहित खाटू श्याम दर्शन के लिए गया था। वापसी पर घर का ताला टूटा मिला और अलमारी से करीब 50,000 मूल्य के चांदी के आभूषण चोरी हो गए थे।

द्वितीय घटनाः प्रकरण क्रमांक 179/2025 धारा 331(3), 305(a) बीएनएस के तहत फरियादी गोपाल कछावा निवासी ब्राह्मण मोहल्ला ने शिकायत दी कि खेत से लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अलमारी से 85,000 मूल्य के आभूषण व नकदी चोरी हो गई थी।

आरोपी की गिरफ्तारी और पूछताछ में खुलासा

पुलिस द्वारा संदेही नरेंद्र उर्फ छोटू बैरागी, उम्र 49 वर्ष, निवासी चंपा बाजार कुकडेश्वर को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई।

एमडी ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, 3 लाख की ड्रग्स व बाइक जब्त

एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज, पुलिस कर रही पूछताछ

अविनाश जाजपुरा नीमच। जीरन थाना क्षेत्र की चीताखेड़ा चौकी पुलिस ने दो तस्करों को एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा है। आरोपियों के पास से 30 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई है, जिसकी कीमत लगभग 3 लाख रुपए बताई जा रही है। चीताखेड़ा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह सिसोदिया को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक संदिग्ध हालत में महेश ढाबा, आवरी माता रोड चीताखेड़ा के सामने एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल पर मौजूद हैं। इस पर पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें रोका। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मदारपुरा, हरिजन बस्ती मंदसौर निवासी अरबाज मंसूरी और अरनोद, कुम्हार मोहल्ला निवासी इरफान मंसूरी के रूप में हुई है। इरफान वर्तमान में सिंगार गली, किला रोड मंदसौर में रह रहा है। पुलिस ने

आरोपियों से 50 हजार रुपए मूल्य की मोटरसाइकिल भी जब्त की है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ड्रग्स के सप्लाई नेटवर्क की जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

दुर्घटना में युवा व्यवसायी ऋषभ कमेडिया की मौत, सात वर्षीय पुत्र ने दी मुखाग्नि

अविनाश जाजपुरा, जावद। मोरका रोड पर गुरुवार रात करीब 12 बजे हुए सड़क हादसे में जावद निवासी 36 वर्षीय ऋषभ कमेडिया की मौत हो गई, जबकि दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए। हादसा जावद फंटा पर हुआ, जहां नीमच से लौटते समय एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल ऋषभ को तत्काल नीमच जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें ज्ञानोदय हॉस्पिटल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। ऋषभ जावद के प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार से ताल्लुक रखते थे। वे स्टेशन रोड स्थित कमेडिया हार्डवेयर का संचालन करते थे तथा हाल के वर्षों में वेयरहाउस और डोम निर्माण के ठेके भी संभाल रहे थे। व्यवसाय में उनकी कुशलता के लिए वे पूरे क्षेत्र में जाने जाते थे। शनिवार को सुबह 11 बजे उनके निज निवास से अंतिम यात्रा निकली, जो खोर दरवाजा मुक्तिधाम पहुंची। वहां सात वर्षीय इकलौते पुत्र प्रणव ने पिता को मुखाग्नि दी, जिससे मौजूद सैकड़ों लोगों की आंखें नम हो गईं। ऋषभ कमेडिया, स्वर्गीय सुंदरलाल लोहार के पोते, शिवनारायण लोहार के पुत्र और देवेंद्र, विपिन, अंकित के भाई थे। उनके असामयिक निधन से नगर में शोक की लहर फैल गई। नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर काबरा, गायत्री परिवार के कमल ऐरन, एडवोकेट सत्यनारायण शर्मा सहित अनेक नागरिकों ने शोकसभा में उनकी अल्पायु में व्यवसायिक सफलता की सराहना करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में मंदसौर का फरार एवं MD ड्रग्स तस्कर गैंग का सप्लायर आरोपी गिरफ्तार

आरोपी सस्ते दामों पर अवैध मादक पदार्थ लाकर पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों को करता था ड्रग्स सप्लाई। पूर्व में आरोपियों के कब्जे से कुल लगभग करीब 57.35 ग्राम "MD ड्रग्स" एवं 01 मारुति डिजायर कार (अवैध मादक पदार्थ की अंतर्राष्ट्रीय कीमत सहित कुल मशरूका कीमत करीब 70 लाख रुपए) । क्राईम ब्रांच के द्वारा आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त कर की जाएगी पूछताछ, अपराध में संलिप्तता के आधार पर की जाएगी साथी आरोपियों के विरुद्ध भी कार्यवाही।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते MR10 ब्रिज के नीचे, ढाबे के पास इंदौर पर संदिग्ध कार से आरोपी (1).मोहम्मद सोहेल उम्र वर्ष निवासी ग्रीनपार्क कालोनी इंदौर, (2). मोहम्मद अजगर उम्र वर्ष निवासी काजीपुरा रतलाम, (3). मोहम्मद फ़ेज़ान उम्र वर्ष निवासी केशव नगर इंदौर, (4). शाकिब शेख उम्र

वर्ष निवासी केशव नगर इंदौर को पकड़ा था जिनके कब्जे से 57.35 ग्राम "MD ड्रग्स" एवं 01 मारुति डिजायर कार जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 117/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध किया जाकर साथी आरोपियों के संबंध में पूछताछ की गई थी। उक्त गिरफ्तार आरोपियों के द्वारा अपने साथी आरोपी योगेंद्र उर्फ युवराज के माध्यम से ड्रग्स प्राप्त करना बताया था, उक्त जानकारी के आधार पर क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा सप्लायर आरोपी (5).योगेन्द्र उर्फ युवराज रावल उम्र 24 वर्ष संजय हिल्स लालघाटी रोड मंदसौर को गिरफ्तार किया गया एवं आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त करने सहित विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

अपराध क्रमांक- 117/2025 धारा- 8/22 दिनांक घटना- 14-06-2025 घटना स्थल- MR10 ब्रिज के नीचे, ढाबे के पास इंदौर

आरोपीयो का नाम :-

(1).मोहम्मद सोहेल उम्र 22 वर्ष निवासी ग्रीनपार्क कालोनी इंदौर

(2). मोहम्मद अजगर उम्र 25 वर्ष निवासी काजीपुरा रतलाम

(3). मोहम्मद फ़ेज़ान उम्र 22 वर्ष निवासी केशव नगर इंदौर

(4). शाकिब शेख उम्र 20 वर्ष निवासी केशव नगर इंदौर

वर्तमान में गिरफ्तार आरोपी :-

(5).योगेन्द्र उर्फ युवराज रावल उम्र 24 वर्ष संजय हिल्स लालघाटी रोड मंदसौर ▪ 10 वी तक पढ़ा है, एग्रीकल्चर प्रोडक्ट की मशीन चलाने का कार्य करना कबूला, आदतन आरोपी के विरुद्ध लड़ाई झगड़े का पूर्व में अपराध पंजीबद्ध होना भी कबूला है।•

पूर्व में जब्त माल का विवरण : - 57.35 ग्राम "MD ड्रग्स" एवं 01 मारुति डिजायर कार ।

जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय समाज का समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास रहा है, समाज ने देश की स्वतंत्रता एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है। जनजातीय समाज के अनेक नायकों ने अपना बलिदान देकर जल, जंगल, जमीन एवं अंग्रेजों से लड़कर देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में जहां कोल जनजाति के लोग निवासरत हैं और जिनके पट्टे नहीं बने हैं, जांच कराकर पट्टा देने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारी देशभक्त जनजातीय महानायक भगवान बिरसा मुण्डा की बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज शहडोल में प्रतिमा तथा बाणसागर जलाशय में बाणभट्ट की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज के बेटा, बेटियों की शिक्षा तथा कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। प्रदेश के सभी संभागों में 24-24 करोड़ के लागत वाले 100-100 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास एवं परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यौहारी में राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 330 करोड़ रूपए लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण ओर 52 कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आज 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश का मान एवं सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के विकास में कोई कसर बाकी

नहीं रखी है। देश का तेजी से विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 4 मिशन गरीब, युवा,नारी एवं अन्नदाता के विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि 4 करोड़ लोगों को पक्के आवास दिए गए हैं। जो लोग छूट गए हैं उनका भी सर्वे कर पक्के आवास देने का कार्य सरकार करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रक्षाबंधन में प्रदेश की लाडली बहनों को उपहार स्वरूप 250 रूपए सप्रेम दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातियों के विरूद्ध होने वाले झूठे प्रकरणों की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी स्कूली पाठ्क्रम में शामिल करने तथा 13 जिलों में कन्या शिक्षा परिसरों का नाम माता शबरी के नाम पर रखने की घोषणा की।

जनजातीय नायकों का स्मरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भभूतसिंह के योगदान का स्मरण भी किया। राजा भभूतसिंह के सम्मान में उनके शासन केंद्र पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कौल समाज में अनेक गौरवशाली व्यक्तित्व रहे हैं इनमें बुधु भगत और मदारा महतो भी शामिल हैं। कौल समाज इनके कृतित्व से गौरवान्वित है। वर्ष 1831 और 1832 में इन जनजातीय नायकों के नेतृत्व में अंग्रेजों के अत्याचारों के विरूद्ध संघर्ष किया था। कौल समाज के बंधुओं ने भगवान श्रीराम के लिए पर्णकुटी बनाई थी। यह देश भक्त समाज है। जनजातीय समाज का इतिहास ऐसे महापुरूषों से गौरवशाली है। रानी दुर्गावती के सम्मान में सिंग्रामपुर में भी कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलन, कन्या पूजन तथा भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम को कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रामलाल रौतेल एवं ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री शरद कोल ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने जिले के विकास के लिए दी अनेक सौगातें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल जिले के विकास के लिए अनेक सौगात की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने शहडोल नगर की पेयजल व्यवस्था के लिए 28 करोड़ रूपये, ग्राम पंचायत निपनिया में कॉलेज खोलने, सरसी आईलैण्ड में जल पर्यटन को विकसित करने, जयसिंहनगर तहसील के चरकी डोल से ओदारी नदी में 13 करोड़ रूपये की लागत से पुल का निर्माण करने, जिला सतना के रामपुर बघेलान तहसील के भगदेवरा किला का जीर्णोद्धार कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले के मिनी ब्राजील ग्राम विचारपुर की 9 फुटबाल टीमों को 10 लाख रूपए देने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश के बच्चे खूब खेले, आगे बढ़े दुनिया में नाम कमाएं। उन्होंने सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाले दलों के सदस्यों को भी 5-5 हजार रूपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों और स्व-सहायता समूहों आदि को हितलाभ वितरण किया। उन्होंने सम्मेलन स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की। इस अवसर पर उप मुख्यमत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी,

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा जिले को जल संरक्षण और पुनर्भंडारण कार्य में देशभर में प्रथम स्थान मिलने पर दी बधाई

प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप बारिश की बूंद-बूंद सहेजने के लिए राज्य सरकार संकल्पित जल संरक्षण अभियान में नदियों, तालाब, बाबड़ी, पोखर और कुओं का जीर्णोद्धार प्रगति पर इन कार्यों से नए दौर में प्रवेश करेगा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देशभर में जल संरक्षण और जल के पुनर्भंडारण कार्य में खंडवा जिले को प्रथम स्थान मिलने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सभी राज्य सरकारों से वर्षा जल के संरक्षण और भूगर्भ जल भंडारण के लिए अभियान चलाने का आह्वान किया था। मध्य प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी की भावना के अनुरूप 'जल ही जीवन है' के नारे को चरितार्थ करने के लिए बारिश की बूंद-बूंद सहेजने के लिए संकल्पित है। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष गुड़ी पड़वा से 90 दिनों तक चलने वाले जल गंगा संरक्षण अभियान की शुरुआत की, यह अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में जल संरचनाओं को संरक्षित करने के कार्य प्रगति पर हैं। गत वर्ष भी जल संरक्षण के लिए एक माह का अभियान चलाया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मीडिया को जारी संदेश में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश का इंदौर शहर स्वच्छता में नंबर-1 है, राजधानियों में भोपाल शीर्ष पर है, धार्मिक नगरी में उज्जैन नंबर-1 पर आ रही है। ऐसे में खंडवा को जल संरक्षण में प्रथम स्थान मिलना, निश्चितरूप से प्रदेशवासियों के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इसके लिए स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी और बूंद-बूंद बचाने के प्रयास में जुटे सभी प्रदेशवासी बधाई के पात्र हैं। जल संरक्षण के लिए जारी विकास कार्यों में मध्य प्रदेश की स्थिति अन्य राज्यों से बेहतर है। अभी कई जिलों के आंकड़े आना शेष हैं। जल संरक्षण अभियान में प्रदेश की नदियों, तालाब, बाबड़ी, पोखर और कुओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। प्रदेशभर में नए खेत तालाबों का भी निर्माण जारी है। इन सभी प्रयासों से शीघ्र ही प्रदेश नए दौर में प्रवेश करेगा।

राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के समय तात्या टोपे की मदद की

राजा भभूत सिंह ने सतपुड़ा की वादियों में आजादी की मशाल जलाई

विरासत से विकास और अपने जनजातीय नायकों को सम्मान देने के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्य शासन के सूत्र वाक्य के तहत मंगलवार 3 जून को पचमढ़ी में होने वाली बैठक में राजा भभूत सिंह के शौर्य तथा पराक्रम को याद किया जाएगा। पचमढ़ी के राजा भभूत सिंह ने जल, जंगल, जमीन एवं अपने क्षेत्र को बाहरी आक्रांताओं तथा अंग्रेजों से बचाए रखने के लिए समाज को एकजुट कर अंग्रेजी शासन का मुकाबला किया। राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के समय महान स्वतंत्रता सेनानी तात्या टोपे की मदद भी की। वे तात्या टोपे के आह्वान पर देश की आजादी की मशाल लेकर सतपुड़ा की सुरम्य वादियों में निकल पड़े।

उन्होंने सतपुड़ा की वादियों में आजादी की मशाल जलाई। राजा भभूत सिंह ने अंग्रेजों की आँख में धूल झोंकते हुए अक्टूबर 1858 के अंतिम सप्ताह में तात्या टोपे के साथ ऋषि शांडिल्य की पौराणिक तपोभूमि साँडिया के पास नर्मदा नदी पार की। भभूत सिंह और तात्या टोपे ने नर्मदांचल में आजादी के आंदोलन की योजना बनाई। पचमढ़ी में सतपुड़ा की गोद में तात्या टोपे ने अपनी फौज के साथ भभूत सिंह से मिलकर 8 दिनों तक पड़ाव डाला और आगे की तैयारी करते रहे। हर्राकोट के जागीरदार भभूत सिंह का जनजातीय समाज पर बहुत अधिक प्रभाव था। उन्होनें जनजातीय समाज को स्वतंत्रता आंदोलान के लिए तैयार किया। राजा भभूत सिंह को सतपुड़ा के घने जंगलों एवं पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे की जानकारी थी, जहाँ उन्होंने जनजातीय समाज को एकजुट कर उनके साथ मिल कर गौरिल्ला युद्ध पद्धति से अंग्रेजों का मुकाबला किया। राजा भभूत सिंह का रणकौशल जबरदस्त था। वह पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे, जबकि अंग्रेज़ फौज पहाड़ी रास्तों से परिचित नहीं थी। भभूत सिंह की फौज अचानक उन पर हमला करती और गायब हो जाती। इससे अंग्रेज बहुत ज्यादा परेशान रहने लगे। ऐतिहासिक संदर्भों से ज्ञात होता है कि राजा भभूत सिंह का रणकौशल शिवाजी महाराज की तरह था। शिवाजी महाराज की तरह राजा भभूत सिंह सतपुड़ा पर्वतों के हर पहाड़ी मार्ग से वाकिफ थे। जब देनवा घाटी में अंग्रेजी मिलिट्री और मद्रास इन्फेंट्री की टुकड़ी के साथ राजा भभूत सिंह का युद्ध हुआ तो अंग्रेजी सेना बुरी तरह पराजित हो गई। इस संबंध में एलियट लिखते हैं कि भभूत सिंह को पकड़ने के लिए ही मद्रास इन्फेंट्री को बुलाना पड़ा था। राजा भभूत सिंह अपनी सेना के साथ 1860 तक लगातार अंग्रेजों से सशस्त्र संघर्ष करते रहे। अंग्रेज पराजित होते रहे। वे सन 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों की नाक में दम करने वाले के रूप में भी जाने जाते हैं। राजा भभूत सिंह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तात्या टोपे के सहयोगी थे।

देश,धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए दशोरा नागर समाज ने कई आहुतियां दीं :मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदसौर में हुए मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम में वर्चुअली हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दशोरा नागर समाज ने देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए कई आहुतियां दीं है। समाज ने कठिनाइयों के बीच भी अपनी परंपराएं और पहचान बनाए रखी। व्यापार, व्यवसाय के साथ ही पूजा पाठ में शुद्धता और प्रक्रियाओं की सटीकता के साथ कर्म संपादित करना इस समाज की विशेषता रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंदसौर में हुए समाज के मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। दशोरा समाज प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी के दिन शिवना नदी में विराजित मां कुलदेवी की पूजन अर्चन करता है। मंदसौर में हुए कार्यक्रम में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, समाजजन, जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर भगवान हाटकेश्वर एवं मां कुलदेवी को नमन किया और उपस्थितजनों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दशोरा समाज ने संस्कृति को सहेजने का काम किया और आक्रमणों के समय अपने धर्म को बचाए रखा। दशोरा समाज कलम का धनी होने के साथ-साथ भोजन एवं पकवान बनाने में भी निपुण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी बहनों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने समाजजन से देश एवं समाज के विकास में सहभागी बनने का आव्हान किया।

जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को सामने लाने के लिए की जा रही विशेष पहल : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विरासत भी और विकास भी' के संकल्प की पूर्ति के लिए मध्य प्रदेश सरकार संकल्पित है। पहले लोकमाता देवी अहिल्याबाई के 300वें जयंती वर्ष में इंदौर और अब क्रांतिवीर राजा भभूत सिंह की स्मृति में मंगलवार 3 जून को पचमढ़ी में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की जा रही है। इन ऐतिहासिक स्थानों पर कैबिनेट करने के पीछे विरासत के संरक्षण के साथ विकास की भावना है। युवा देशभक्त राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तात्या टोपे के मुख्य सहयोगी के रूप में सतपुड़ा की गोद में 1857 की सशस्त्र क्रांति का सूत्रपात किया था। वे 1860 तक अंग्रेजों के छक्के छुड़ाते रहे। राज्य सरकार पचमढ़ी में कैबिनेट कर महान स्वाधीनता सेनानी राजा भभूत सिंह के राष्ट्रहित में बलिदान का पुण्य स्मरण और उन्हें श्रद्धांजलि देने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए। राजा भभूत सिंह ने समाज के हर वर्ग को आजादी के आंदोलन से जोड़ा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भभूत सिंह छापामार युद्ध नीति में पारंगत होने के कारण नर्मदांचल के शिवाजी कहलाते थे। उन्होंने आदिवासी समाज के साथ-साथ क्षेत्र

के सभी वर्ग के लोगों को आंदोलन से जोड़ा था। वे सतपुड़ा के पहाड़ी मार्ग के चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे, जबकि अंग्रेज इस क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों से परिचित नहीं थे। भभूत सिंह को पकड़ने के लिए ही ब्रिटिश सरकार को मद्रास इन्फेंटरी को बुलाना पड़ा था। दो साल के कड़े संघर्ष के बाद ब्रिटिश सेना राजा भभूत सिंह को गिरफ्तार कर पाई। राजा भभूत सिंह की वीरता के किस्से आज भी लोक मानस की चेतना में जीवंत हैं। पचमढ़ी में आज का बोरी क्षेत्र भभूत सिंह जी की जागीर में ही आता था। चौरागढ़ महादेव की पहाड़ियों में राजा भभूत सिंह के दादा ठाकुर मोहन सिंह ने 1819-20 में अंग्रेजों के खिलाफ नागपुर के पराक्रमी पेशवा अप्पा साहेब भोंसले का हर तरह से सहयोग किया था। जल, जंगल और जमीन के लिए जनजातीय योद्धाओं ने दी कुर्बानी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश राज्य के गठन के बाद वर्ष 1959 तक पचमढ़ी ग्रीष्मकालीन राजधानी रही और यहीं पर विधानसभा का सत्र हुआ करता था। अब हमारी सरकार ने इसी स्थान पर कैबिनेट बैठक करने का निर्णय लिया है। पचमढ़ी, प्राकृतिक सौंदर्य के साथ -साथ स्वतंत्रता के लिए जनजातीय समाज द्वारा दिए गए बलिदान की दृष्टि से भी एक प्रमुख स्थान है। अंग्रेजों से सशस्त्र संघर्ष में जनजातीय समुदाय ने अपनी जान की बाजी लगाकर न केवल 1857, बल्कि इसके पूर्ववर्ती काल में भी जल, जंगल और जमीन के लिए कुर्बानी दी। इस गौरवशाली इतिहास को सबके सामने लाने के लिए राज्य सरकार जनजातीय भाई-बहनों के साथ समाज के सभी वर्गों का ध्यान रख रही है। कैबिनेट बैठक के बाद पचमढ़ी में होगा सांसद-विधायकों का प्रशिक्षण वर्ग मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी क्षेत्रों में गरीब, किसान (अन्नदाता), युवा और नारी सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश की वन संपदा और घने जंगलों में टाइगर (बाघ) सहित वन्य जीवों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वन्य क्षेत्र के संरक्षण में जनजातीय समाज का सराहनीय योगदान रहा है।पचमढ़ी रोजगार और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। मंत्रिपरिषद की बैठक में पचमढ़ी क्षेत्र के विकास के लिए मंथन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विकास के मामले में पहले यहां कई तरह की पाबंदियां थीं, जिन्हें पिछली कैबिनेट में हटाने का कार्य किया गया है। पचमढ़ी एक बार पुनः अपने प्राकृतिक सौंदर्य के साथ गौरव प्राप्त करेगी। पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक के बाद दूसरे चरण में विधायकों और सांसदों का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होगा।

मध्य प्रदेश सरकार के लिए जनकल्याण और जन सेवा सर्वोपरि: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

लोक माता अहिल्यादेवी के सम्मान में भोपाल में विशाल महासम्मेलन हुआ अब जनजातीय योद्धा राजा भभूत सिंह के सम्मान में पचमढ़ी में कैबिनेट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के लिए जन सेवा के कार्य और जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सर्वोपरि है। यह वर्ष अनेक सेवा प्रकल्पों के कारण जाना जाएगा। जन सेवा और सुशासन की प्रतीक लोकमाता अहिल्या देवी जी के 300 वें जन्मदिन को उल्लास से मनाया गया। भोपाल में हुए कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति थी और भोपाल के नागरिकों ने इस कार्यक्रम को स्मरणीय बना दिया। अब जनजातीय योद्धा राजा भभूत सिंह के सम्मान में पचमढ़ी में केबिनेट बैठक रखी गयी है। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज भोपाल के सुभाष नगर खेल मैदान में वरिष्ठ नेता स्वर्गीय कैलाश नारायण सारंग की जयंती और श्रीमती प्रसून सारंग की स्मृति में हुए कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मातृ-पितृ भक्ति दिवस के रूप में हुए इस कार्यक्रम में जहां वरिष्ठ जन का सम्मान किया गया, वहां सामूहिक विवाह भी संपन्न हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग द्वारा माता-पिता की स्मृति में यह आयोजन सराहनीय है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए माता-पिता के साथ बिताया समय यादगार होता है। प्रत्येक व्यक्ति का जन्म लेना और मृत्यु को प्राप्त होना तय है, लेकिन जन्म और मृत्यु के मध्य यात्रा कितनी सार्थक रही यह महत्वपूर्ण है। स्वर्गीय कैलाश नारायण सारंग जी ने भी जीवन में सेवा कार्यों को अपनाया। हमारी भारतीय संस्कृति में सेवा का विशेष महत्व है और यह सनातन संस्कृति की पहचान भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कर्मों के आधार पर जीवन बनता है। मध्य प्रदेश सरकार ने सतपुड़ा अंचल के राजा भभूत सिंह के सम्मान में पचमढ़ी में कैबिनेट की बैठक का आयोजन किया है। राजा भभूत सिंह ने संघर्ष करते हुए जनजातीय समाज को संगठित किया और कुशल नेतृत्व देकर बाहरी ताकतों के विरुद्ध निरंतर लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नई पीढ़ी को ऐसे गौरवशाली व्यक्तित्व के बारे में जानकारी देना आवश्यक है, ताकि युवा पीढ़ी विरासत पर गर्व करे और लोगों के जीवन को बदलने के अभियान में सहभागी बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में कुटुंब परंपरा है और मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुजुर्गों की सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहल की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बुजुर्गों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया और नव दंपतियों को बधाई दी।

माता-पिता भगवान से भी पहले आते हैं : केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

केंद्रीय किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि माता-पिता भगवान से भी पहले आते हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री श्री विश्वास सारंग को अपने माता-पिता की स्मृति को मातृ-पितृ भक्ति दिवस के रूप में मनाने के संकल्प को साधुवाद देता हूं। स्व. श्री कैलाश सारंग केवल विश्वास सारंग के पिता नहीं, बल्कि हमारे जैसे करोड़ों कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शक और पालक थे। कार्यक्रम मातृ-पितृ सेवा का उदाहरण : श्री वी.डी. शर्मा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय स्व. श्री कैलाश नारायण सारंग के जयंती को मातृ-पितृ भक्ति दिवस के रूप में मनाने वाले मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने दूसरों के लिये प्रेरणा का काम किया। स्व. श्री सारंग ने जो भूमिका संगठन के अंदर निभाई है, वो हमारे जैसे भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। समाज का हर बुजुर्ग माता-पिता के समान : मंत्री श्री सारंग मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पूज्य पिता जी स्व. श्री कैलाश नारायण सारंग की पुण्यस्मृति में उनकी जयंती को हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मातृ-पितृ भक्ति व सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। समाज का हर बुजुर्ग हमारे माता-पिता के समान है। उनकी सेवा करना हमारा सनातन धर्म हमें सिखाता है। भगवान श्री गणेश, प्रभु श्री राम एवं श्रवण कुमार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता की भक्ति देवों की भक्ति के समान है। उनका पूजन करने से सभी देवों के पूजन का पुण्य प्राप्त हो जाता है। कार्यक्रम में करुणाधाम आश्रम के पीठाधीश्वर गुरुदेव श्री सुदेश शांडिल्य महाराज ने कहा कि माता-पिता की सेवा से ही ईश्वर प्रसन्न होता है। गुफा मंदिर के महंत श्री राम प्रवेश दास महाराज ने मंत्रोच्चारण से मातृ-पितृ भक्ति का संदेश दिया। इस मौके पर सांसद श्री आलोक शर्मा, पूर्व मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया, महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी सहित अन्य वरिष्ठजन मौजूद थे। कार्यक्रम में 31 बेटियों का विधि-विधान से विवाह सम्पन्न करवाया गया। लगभग 1100 वरिष्ठजनों का सम्मान कर उपहार दिये गये। अतिथियों ने वरिष्ठजन की आरती की और सामूहिक चित्र निकलवाया। कार्यक्रम सोशल मीडिया पर देशभर में नम्बर-1 पर हुआ ट्रेंड स्व. श्री कैलाश नारायण सारंग की जयंती के अवसर पर मातृ-पितृ भक्ति की मिसाल पेश करते हुए हर वर्ग एवं हर समाज के लोगों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। सोशल मीडिया पर हैशटैग सारंग-मातृ-पितृ-भक्ति-दिवस के साथ युवाओं ने अपने माता-पिता को सम्मानित कर उनके फोटो-वीडियो फेसबुक, ट्विटर सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किये। मंत्री श्री सारंग की पहल पर सोशल मीडिया पर देशभर में नं. 1 पर ट्रेंड हुआ। इसके साथ ही कार्यक्रम के लिये जारी किये गये नम्बर 8347477207 पर लाखों मिस्ड कॉल किये गये।

सैताम मिल के गाते हैं, गौंड मवासी कहाते हैं, फांसीखड्ड- सांकलढोह क्रांति गीत गाते हैं

फिरंगियों से भी लड़ी, भभूतसिंह की पचमढ़ी, स्वर्ग सी सुंदर है ये, पचमढ़ी प्रिय पचमढ़ी अमर राष्ट्र नायक वीर राजा भभूत सिंह समाज की चिर स्मृति में सदैव अमिट

प्रसिद्ध शोधकर्ता एवं समाजसेवी श्री चाण्क्य बक्शी ने सतपुड़ा की वादियों में स्वतंत्रता की अलख जगाने वाले राजा भभूत सिंह के बारे में लिखा है कि सैताम मिल के गाते हैं, गौंड मवासी कहाते हैं, फांसीखड्ड, सांकलढोह, क्रांति गीत गाते हैं, फिरंगियों से भी लड़ी, भभूतसिंह की पचमढ़ी, स्वर्ग सी सुंदर है ये, पचमढ़ी। लेखक श्री चाण्क्य बक्शी लिखते हैं कि अमर राष्ट्र नायक हुतात्मा वीर राजा भभूत सिंह समाज की चिर स्मृति में सदैव अमिट एवं अंकित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि पचमढ़ी बड़ा महादेव के पारंपरिक सेवक व संरक्षक परिवार में देनवा नदी के तट पर संयुक्त पचमढ़ी जागीर की हर्राकोट राईखेड़ी शाखा के जागीरदार परिवार में राजा भभूत सिंह ने जन्म लिया था। पचमढ़ी की महादेव चौरागढ़ पहाड़ियों में राजा भभूत सिंह की वंश परंपरा के पूर्वज अजीत सिंह थे। इस भोपा गोत्र के मवासी कोरकू ठाकुर वंश की पचमढ़ी शाखा के जागीरदार ठाकुर मोहन सिंह ने 1819-20 में भी अंग्रेजों के विरुद्ध नागपुर के राजा अप्पा साहेब भोसले का तन मन धन से सहयोग किया था। अपने पूर्वजो के पदचिन्हों पर चलते हुए युवा राजा भभूत सिंह ने भी 1857 की क्रांति के नेता तात्याटोपे के आव्हान पर 1858 में भारत के प्रथम सशस्त्र स्वातंत्र्य समर में कूदने का निर्णय लिया था। राजा भभूत सिंह अपने बड़े बूढ़े के मुख से अंग्रेजों के विरुद्ध नागपुर राजा अप्पासाहेब भोंसले के सशस्त्र संग्राम में स्थानीय जनजातीय सूरमाओं के सहयोग की कहानियां सुनते हुए बड़े हुए थे। मुगलों व अंग्रेजों की मालिकाना अपसंस्कृति के कुसंस्कार व भोगवादी मानसिकता से ग्रस्त अंग्रेजी अमले का सामना राजा भभूत सिंह की शोषित प्रजा को करना पड़ रहा था। सरलता की प्रतिमूर्ति मवासी व गोण्ड गाँवों से अंग्रेज दरोगा व कर्मचारी जब तब देशी पशु पक्षियों की मुफ्त में माँग व पकड़ धकड़ कर रहे थे। राजा भभूत सिंह पीड़ा व आक्रोष से देख रहे थे कि तात्या टोपे का सहयोग करने के आरोप में पचमढ़ी के ठाकुर महेन्द्रसिंह जी को तथा शोभापुर के दरबार राजा महिपाल सिंह जी को तथा फतेहपुर के दरबार राजा किशोर सिंह जी को दबाव बनाकर अंग्रेज अपमानित कर रहे हैं। जनवरी 1859 में जयपुर में हुई तात्याटोपे की फॉसी के समाचार ने राजा भभूत सिंह के धीरज का जैसे बाँध ही तोड़ दिया।राजा भभूत सिंह ने अपने मित्र व सेनापति होली भोई के साथ मिल कर छः माह जुलाई 1859 से जनवरी 1860 तक छापेमार युद्ध कला से अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया। सतपुड़ा की महादेव पहाडियों के आँचल में मटकुली, पचमढ़ी, बागड़ा, बोरी के घने जंगलों में घाटियों, गुफाओं व खोहों के सहारे सतत संघर्ष चलता रहा। अंग्रेजों ने कर्नल मैक्नील डंकन के नेतृत्व में मद्रास इन्फैन्ट्री के साथ राजा भभूत सिंह के विरुद्ध अभियान छेड रखा था। राजा भभूत सिंह फिरंगियों के लिए महादेव की पहाडियों व देनवा की घाटियों के रहस्यमयी योद्धा सिद्ध हुए थे। उन के चमत्कारी युद्ध कौशल ने उन्हें क्षेत्र के जनजातीय समाज की परंपरा ने दैवीय शक्ति से युक्त श्रद्धा पुरुष मान्य किया था। अगस्त 1859 में अंग्रेजी सेना से देनवा की सेंकरी घाटी में हुए भीषण युद्ध में राजा भभूत सिंह अपने साथियों संग सकुशल सुरक्षित निकल गए और अंग्रेजी सेना को पीछे हटना पड़ा। स्थानीय कहावतों में सुप्रसिद्ध है कि अभिमंत्रित जड़ी बूटियों से युक्त राजा भभूत सिंह का बन्दूक की गोली कुछ भी न बिगाड़ पाती थी और राजा भभूत सिंह अंग्रेजों को चकमा दे पलक झपकते हर्राकोट से गुप्त मार्गों से पुरानी पचमढ़ी पहुँच जाते थे। सतपुडा टाईगर रिजर्व में राजा भभूत सिंह के किले के खण्डहर आज भी अपने पराक्रमी नायक की मूक गवाही देते खड़े हैं। हर्राकोट से पचमढ़ी तक के जंगलों में मोर्चाबंदी अंग्रेजों के लिए अभेद्य सिद्ध हुई थी। पगारा के समीप सॉकलदोह और फाँसीखड्ड जहाँ अपराधियों को मृत्यु दण्ड दिया जाता था, राजा भभूत सिंह के न्यायप्रिय राज के साक्ष्य हैं। पचमढ़ी में माढ़ादेव की गुफा ने राजा भभूत सिंह का धन सुरक्षित रखा था और हर्राकोट में गुप्त शस्त्रागार था। जनवरी 1860 में भारतीय इतिहास की परंपरागत दुर्बलता दोहराते हुए राजा भभूत सिंह के ही एक पूर्व सहयोगी ने भेदिया बनकर अंग्रेजों को ठिकाने की सूचना दे दी जिस के आधार पर राजा भभूत सिंह अपने सहयोगी मित्र होली भोई के साथ अंग्रेजों की पकड़ में आ गए।राजा भभूत सिंह व होली भोई को जबलपुर जेल भेज दिया गया। क्रांति के सहयोगियों को अंग्रेजों ने तरह तरह से दण्डित किया। राजा भभूत सिंह की जागीर जब्त कर ली गई। अंग्रेजों ने जागीर के सब से महत्वपूर्ण भाग बोरी परिक्षेत्र के घने जंगलों को जब्त कर भारत के प्रथम सरकारी रिजर्व संरक्षित वन अधिसूचित कर दिया। हर्राकोट राईखेड़ा क्षेत्र को राजसात कर लिया गया। आज भी सतपुड़ा की घनी वादियां अपने राजा भभूत सिंह की वीरता की गाथा कहती है राजा भभूत सिह ने अपनी वीरता से तत्कालीन अंग्रेज शासकों को लोहे के चने चबाने को मजबूर कर दिया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में पचमढ़ी राजभवन में 3 जून को होगी मंत्रि-परिषद की बैठक

जनजातीय गौरव और विकास कार्यों को मिलेगा नया आयाम पराक्रमी राजा भभूत सिंह को समर्पित होगी कैबिनेट बैठक, जनजातीय शौर्य को किया जाएगा स्मरण मुख्यमंत्री डॉ. यादव करोड़ों के विकास कार्यों की पचमढ़ी को देंगे सौगात 33.88 करोड़ रुपये के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण और 21.39 करोड़ रुपये की 6 नई परियोजनाओं का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 3 जून को पचमढ़ी स्थित राजभवन में मंत्रि-परिषद की बैठक होगी। यह ऐतिहासिक बैठक पराक्रमी राजा भभूत सिंह को समर्पित होगी। बैठक में जनजातीय विरासत, प्राकृतिक संपदा और विकास के लिये नये संकल्प किये जायेंगे। यह अवसर जनजातीय नायकों के गौरव पचमढ़ी जैसे धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय रूप से महत्वपूर्ण स्थल को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पचमढ़ी प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत 33.88 करोड़ रुपये की लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे और लगभग 20.49 करोड़ रुपये की लागत के 6 कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री इसके बाद पौध-रोपण भी करेंगे। कैबिनेट बैठक विशेष रूप से गौंड शासक राजा भभूत सिंह की स्मृति को समर्पित होगी, जिन्होंने पचमढ़ी की पहाड़ियों का उपयोग अंग्रेजों से स्वतंत्रता के लिए संघर्ष, शासन संचालन, रक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए किया था। कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर राजा भभूत सिंह के पराक्रम और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान का स्मरण करते हुए सम्मान किया जाएगा। यह कैबिनेट बैठक न केवल एक प्रशासनिक पहल है, बल्कि यह प्राकृतिक धरोहरों के सम्मान, जनजातीय इतिहास के पुनर्पाठ और स्थानीय विकास की दृष्टि से ऐतिहासिक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह प्रयास 'विरासत से विकास' की राज्य शासन की नीति को मजबूत करता है। मुख्यमंत्री करेंगे करोड़ों के विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने पचमढ़ी प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के तहत लगभग 33.88 करोड़ रुपये की लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे और लगभग 20.49 करोड़ रुपये की लागत के 6 कार्यों

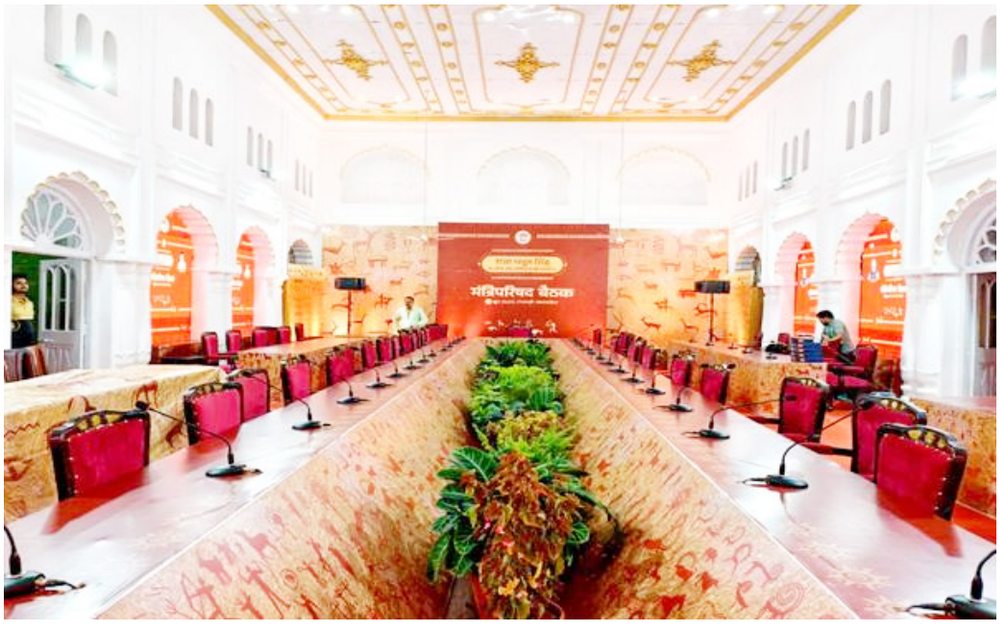

का भूमि-पूजन करेंगे। इन कार्यों में जयस्तंभ क्षेत्र के मार्गों का सौंदर्यीकरण, धूपगढ़ पर जल आपूर्ति हेतु पाइपलाइन एवं पंप हाउस, पचमढ़ी प्रवेश द्वार का सौंदर्यीकरण, सतपुड़ा रिट्रीट में किचन, रेस्टोरेंट और स्वीमिंग पूल का नवनीकरण और पर्यटन सेवाओं का विस्तार, जटाशंकर एवं पांडव गुफाओं पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए पिंक टॉयलेट लाउंज का लोकार्पण, हांडी खो एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पर्यटक सुविधाओं का विकास, MICE योजना अंतर्गत कम्युनिटी सेंटर का विकास, ग्लेन व्यू में केंद्रीय नर्सरी की स्थापना और हिलटॉप बंगले को होम-स्टे में परिवर्तित करने का कार्य शामिल है।

वीर क्रांतिकारी राजा भभूतसिंह : सतपुड़ा की गोद से जन्मी आज़ादी की ज्वाला

मध्य भारत की धरती, विशेषकर मालवा और नर्मदा तटवर्ती सतपुड़ा क्षेत्र, प्राचीन समय में अवंतिका महाजनपद का हिस्सा रही है। इस क्षेत्र की महादेव पहाड़ियाँ, ताप्ती और नर्मदा की घाटियाँ, हजारों वर्षों से धार्मिक और आध्यात्मिक साधना की भूमि रही हैं। यहाँ का कोरकू आदिवासी समाज भोलेनाथ को अपना आराध्य और कुल देवता मानता है। ऐसा विश्वास है कि कोरकू समाज भोलेनाथ के गणों और उनके अनुयायियों के वंशज हैं। कोरकू समुदाय का प्रभुत्व 18वीं सदी तक इस सम्पूर्ण भूभाग में स्थापित था। राजा भभूतसिंह कोरकू, इसी परंपरा के एक ऐसे सिद्ध पुरुष और जागीरदार थे, जिनका प्रभुत्व पचमढ़ी, हर्राकोट, पातालकोट, तामिया, बोरी, मढ़ई, हरियागढ़, केसला, बैतूल और हरदा तक फैला हुआ था। राजा भभूतसिंह का जीवन चमत्कारिक शक्तियों, आध्यात्मिक सिद्धियों और रणकौशल का अद्वितीय संगम था। वे तंत्र-मंत्र, जड़ी-बूटियों और वन औषधियों में पारंगत थे। कहा जाता है कि उन्होंने ऐसी दिव्य औषधियों का प्रयोग कर रखा था जिससे उनके शरीर पर किसी भी अस्त्र-शस्त्र का प्रभाव नहीं होता था।

उन्होंने बूटी को अभिमंत्रित कर अपने शरीर में स्थापित किया था और इस कारण से लोहे के हथियार उनके शरीर को नुकसान नहीं पहुँचा सकते थे। उनके शरीर की अमरता की कथा भी प्रसिद्ध है: राजा केवल हरे बांस की लकड़ी से ही मृत्यु को प्राप्त हो सकते थे, यह रहस्य केवल उनके सबसे निकटस्थ एक मित्र को ज्ञात था। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब तात्या टोपे और उनकी सेना अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए सतपुड़ा पहुँचे, तब उन्होंने राजा भभूतसिंह की शरण ली। अक्टूबर 1858 के अंतिम सप्ताह में फतेहपुर के सरैया घाट से तात्या टोपे ने नर्मदा पार की और पचमढ़ी क्षेत्र में प्रवेश किया। राजा भभूतसिंह ने गुफाओं के माध्यम से उन्हें हरियागढ़, बोरदई और फिर मुलताई क्षेत्र की ओर भेजा। अंग्रेज कप्तान जेम्स फोर्सिथ को जब यह पता चला कि भभूतसिंह ने तात्या टोपे को शरण दी है, तो उसने फतेहपुर के नवाब आदिल मोहम्मद खान के माध्यम से राजा से तात्या को सौंपने का आग्रह किया। लेकिन निडर भभूतसिंह ने अंग्रेजों के सामने झुकने से इनकार कर दिया। जुलाई 1859 में राजा भभूतसिंह ने खुलेआम विद्रोह कर दिया। अंग्रेजों ने मिलिट्री पुलिस और मद्रास इन्फेंट्री की टुकड़ी को भेजा। देनवा घाटी में युद्ध हुआ जो लगभग छह महीनों तक चला। कोरकू योद्धाओं की गुप्त युद्ध नीति और पहाड़ी मार्गों की जानकारी अंग्रेजों के भारी हथियारों पर भारी पड़ी। कहा जाता है कि युद्ध के दौरान राजा ने चिरौठा के दानों को मंत्रों से अभिमंत्रित कर मधुमक्खियों में परिवर्तित किया और उन्हें युद्ध के एक हथियार के रूप में प्रयोग किया। भभूतसिंह द्वारा अपनाई गई छापामार युद्ध रणनीति बिल्कुल शिवाजी महाराज जैसी थी — अदृश्य रहकर प्रहार करना और जंगलों की भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाना। एक बार राखी पर्व के अवसर पर भभूतसिंह अपनी मुंह बोली बहन से राखी बंधवाने खारी गाँव पहुँचे। वहीं किसी ने अंग्रेजों को गुप्त सूचना दे दी। अंग्रेजों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया, लेकिन उनकी दिव्य शक्ति के कारण उन्हें बाँधना असंभव था। कहा जाता है कि राजा का एक विश्वासपात्र मित्र, जो उनकी शक्तियों और रहस्यों से परिचित था, अंग्रेजों से मिल चुका था। उसी की गद्दारी से भभूतसिंह को पकड़ने में अंग्रेज सफल हुए। अंग्रेजों ने उन्हें यातनाएँ दीं, परंतु वे अपने खजाने और रहस्यों की जानकारी देने को तैयार नहीं हुए। जब शारीरिक यातनाएँ बेअसर रहीं, तो उन्हें अन्न-जल से वंचित रखा गया।

इसके बावजूद वे अंत तक अडिग रहे। 1860 में अंग्रेजों ने उन्हें जबलपुर में मृत्युदंड दिया। कुछ प्रमाणों में कहा गया है कि उन्हें फांसी दी गई, वहीं कुछ में कहा गया कि उन्हें गोलियों से छलनी कर मार दिया गया। अंग्रेजों ने उनके नामोनिशान मिटाने के प्रयास में उनके राज्य को वन विभाग को सौंप दिया। यह घटना भारतीय इतिहास में पहली थी जब किसी आदिवासी की शहादत के बाद उनकी जागीर को वन क्षेत्र घोषित किया गया। आज भी देनवा नदी के तट पर राजा भभूतसिंह का बग़ीचा और "भभूतकुण्ड " विद्यमान है, जिसमें बारहमासी जल भरा रहता है। चौरागढ़ मंदिर में उनके द्वारा चढ़ाए गए पत्थर के त्रिशूल आज भी दर्शनार्थियों को वीरता और भक्ति का संदेश देते हैं। राजा भभूतसिंह की वीरता और बलिदान को कोरकू समाज ने लोकगीतों और भजनों के माध्यम से जीवित रखा है। पचमढ़ी क्षेत्र के गाँवों, मंदिरों और लोक संस्कृति में आज भी उनकी गाथाएँ सुनाई जाती हैं। राजा भभूतसिंह न केवल एक योद्धा थे, बल्कि वे जनजातीय चेतना और आत्मसम्मान के प्रतीक बन चुके हैं। उनकी मृत्यु के बाद अंग्रेजों का कोप कोरकू समाज पर टूटा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया दतिया एयरपोर्ट का उद्घाटन

केन्द्रीय नागरिक उडडयन मंत्री श्री नायडू की उपस्थिति में हुआ दतिया एयरपोर्ट का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर भोपाल में हुए महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन के दौरान दतिया विमानतल का वर्चुअली उद्घाटन किया। दतिया में स्थानीय स्तर पर हुए कार्यक्रम में केन्द्रीय नागरिक उडडयन मंत्री श्री राममोहन नायडू ने दतियावासियों को एयरपोर्ट के लिए बधाई और शुभकामनाऐं दी। उन्होंने कहा कि यह दतियावासियों के लिए उमंग और उत्साह का दिन है। मैं धार्मिक नगरी की पावन धरा पर पहुँचकर शांति एवं सकरात्मकता का अनुभव कर रहा हूँ। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की जयंती का यह दिन महिला शक्ति को समर्पित है। मातृशक्ति को सम्मान देने एवं नए अवसर प्रदान करने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार कृत-संकल्पित है। केन्द्रीय मंत्री श्री नायडू शनिवार को दतिया में आयोजित एयरपोर्ट के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री श्री नायडू ने कहा कि दतिया एयरापोर्ट का और भी विस्तार भविष्य में किया जाएगा। इसके साथ ही भिण्ड में भी एयरपोर्ट की सुविधा भविष्य में निश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि एयर बस जैसी सुविधा, नाइट लेंडिंग कराने की व्यवस्था, एवं बडे प्लेन के उतरने की भी व्यवस्था की जाएगी। केन्द्रीय मंत्री श्री नायडू ने युवाओं को सिविल एवियेशन क्षेत्र में जुड़ने का अनुरोध किया। दतिया में आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा किसान कल्याण एवं कृषि विकास और दतिया जिले के प्रभारी मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा है कि दतिया के लिए यह दिन दीपावली से कम नहीं है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज बुंदेलखण्ड क्षेत्र में दतियावासियों को एयरपोर्ट की सौगात मिली है। इसका श्रेय पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र को जाता है। यह बात आज प्रभारी मंत्री कंषाना ने दतिया एयरपोर्ट के लोकार्पण समारोह के बाद संबोधित करते हुए कही।

पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्चुअल माध्यम से दतिया हवाई यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

इसी के साथ दतिया से सात महिलाओं ने खजुराहों के लिए उड़ान भरी और महिला शक्ति का नेतृत्व किया। 60 करोड़ की लागत से बना यह एयरपोर्ट 124 एकड़ में फैला हुआ है। जिसका रनवे 1.81 किलोमीटर लंबा एवं 30 मीटर चौड़ा है। पार्किंग में लगभग 50 कारें रखी जा सकती है। चैक इन काउन्टर 2 है। यह एयरपोर्ट एटीआर 72 की क्षमता के लिए बनाया गया है। वर्तमान में दतिया एयरपोर्ट में जो एयरक्राप्ट उतरेंगे वे 19 सीटर रहेंगे। कार्यक्रम में नवीन एवं नवकरणीय मंत्री श्री राकेश शुक्ला, विधायक सर्वश्री प्रदीप अग्रवाल, रमेश खटीक, नरेन्द्र कुशवाहा, अम्बरीश शर्मा और स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर इंदौर में निकाली गई जनजागरूकता रैली

इन्दौर विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आज 31 मई को इंदौर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या और सिविल सर्जन डॉ. जी.एल. सोढ़ी के मार्गदर्शन में दंत चिकित्सा विभाग द्वारा तम्बाकू सेवन न करने के लिए एक रैली का आयोजन किया गया। इसकी थीम 'अपील को उजागर करनाः तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना' थी। रैली के माध्यम से नागरिकों को तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इसके साथ ही नागरिकों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। नागरिकों को तंबाकू छोड़ने तथा तंबाकू और इसके उत्पादों का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलाई गई। तंबाकू सेवन को रोकने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर दंत चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. पारस कुमार रावत, डेंटल सर्जन

डॉ. यशोदीप चौहान, डॉ. तृप्ति सिंह भाटी एवं डॉ. नीति पंडित द्वारा तंबाकू परामर्शदाता श्रीमती अर्चना भुजाडे के साथ मिलकर नागरिकों को तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने के लिए विभिन्न गतिविधियां करायी गई। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग तथा मध्यप्रदेश वॉलेण्टरी हेल्थ एसोसिएशन के द्वारा आमजन में जागरुकता उत्पन्न करने हेतु जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर जिला तम्बाकू नोडल डॉ. शरद गुप्ता, मध्यप्रदेश वॉलेण्टरी हेल्थ एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मुकेश सिन्हा भी उपस्थित थे। इसके साथ ही इंदौर जिले में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा भी इस अवसर पर शपथ ग्रहण कर हस्ताक्षर अभियान, संगोष्ठि, रैली आदि का आयोजन किया गया। विभिन्न महाविद्यालों में विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटकों का आयोजन भी किया गया।

इंदौर मेट्रो रेल का ऐतिहासिक शुभारंभ

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्क की 300वीं जन्म जयंती पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया उद्घाटन परियोजना का शुभारंभ कार्यक्रम रहा महिलाओं को समर्पित

इंदौर ने आज आधुनिकता की नई पटरी पर कदम रखा। मध्यप्रदेश की आर्थिक और सांस्कृतिक राजधानी अब मेट्रो ट्रेन प्रणाली से जुड़ चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल से वर्चुअल माध्यम से इंदौर मेट्रो परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया। इस मौके पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी विशेष रूप से मौजूद थे। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300 वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर इंदौर में शुरू हुए मेट्रो रेल परियोजना के शुभारंभ के इस ऐतिहासिक अवसर पर इंदौर में उत्सव जैसा माहौल रहा, जिसमें नागरिकों विशेष कर महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह समारोह महिलाओं पर विशेष रूप से केंद्रित था। इंदौर में आयोजित समारोह में केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री श्री तोखन साहू, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री मधु वर्मा, श्री गोलू शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि और मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्री जयदीप विशेष रूप से मौजूद थे। विशेष बात यह रही कि यह परियोजना देवी लोक माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के पावन अवसर पर शुरू की गई और पूरी तरह से महिलाओं को समर्पित रही। इससे न केवल इंदौर शहर के विकास को एक नई दिशा मिली है, बल्कि यह पहल महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण है। आधुनिक नगरों की सूची में शामिल इंदौर मेट्रो परियोजना के शुभारंभ ने इंदौर को देश के उन आधुनिक नगरों की सूची में शामिल कर दिया है, जहां भविष्य की परिवहन प्रणाली अब हकीकत बन चुकी है। यह परियोजना न केवल यातायात की भीड़ को कम करेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी अहम भूमिका निभाएगी। तांगे से मेट्रो तकः एक ऐतिहासिक सफर इंदौर का सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का इतिहास तांगे, टेम्पो, वेन और मिनी बसों से शुरू होकर अब अत्याधुनिक मेट्रो

तक पहुंचा है। यह केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि शहर की समग्र प्रगति का प्रतीक है। महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं इस परियोजना को महिलाओं को समर्पित किया गया है। जिसमें मुख्य रूप से प्रत्येक स्टेशन पर महिला सुरक्षा बल (महिला गार्ड्स) की तैनाती रहेगी। मेट्रो डिब्बों में आरक्षित कोच रहेगा और सीसीटीवी से निगरानी रहेगी। टिकट वितरण और स्टेशन प्रबंधन में महिला कर्मचारियों की विशेष भागीदारी होगी। गर्भवती महिलाओं और बुजुर्ग महिलाओं के लिए विशेष सीट आरक्षण और सहायता सुविधा उपलब्ध रहेगी। नागरिकों की प्रतिक्रियाः उत्साह और उम्मीदों से भरी शहरवासियों ने इस ऐतिहासिक पल पर अपनी भावनाएं खुलकर व्यक्त कीं। सुश्री ज्योति शर्मा का कहना है कि अब हमें कॉलेज आने-जाने में बहुत सहूलियत होगी, ट्रैफिक और ऑटो वालों की मनमानी से मुक्ति मिलेगी। निजी कंपनी में काम करने वाले श्री सुनील चौहान ने बताया कि मेट्रो से समय की बचत होगी और ऑफिस पहुंचना अब ज्यादा भरोसेमंद रहेगा। इंदौर का भविष्य बहुत उज्ज्वल लग रहा है। आम गृहिणी उमा बाई ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जैसी महान महिला की जयंती पर यह मेट्रो शुरू हुई, यह हम महिलाओं के लिए गर्व की बात है। कॉलेज छात्रा सुश्री यामिनी गौड़ ने कहा कि मैने कभी नहीं सोचा था कि इंदौर में मेट्रो चलेगी। लेकिन राज्य सरकार ने इसे साकार कर दिखाया। यह सौगात मिलने से में बहुत खुश हूं। गृहिणी किरण दुबे ने बताया कि आज मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। कि अब मेरे शहर इंदौर की गिनती भी मेट्रो शहर के रूप में हो गई है। इंदौर की पहचान अभी तक स्वच्छता में थी। अब मेट्रो के रूप में एक और मुकुट जुड़ेगा। इंजीनियर सुश्री नताशा बिल्लोरे ने कहा कि अब तक इंदौर में आईआईएम, आईआईटी जैसे देश के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान थे, अब उसमें एक और राष्ट्रीय स्तर की परिवहन सुविधा जुड़ गई है। बेशक इससे इंदौर का नाम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकेगा। दिव्यांग युवती सुश्री पूजा शर्मा मेट्रो ट्रेन शुरू होने से बेहद उत्साहित है। लगभग 10 किलो मीटर का सफर अपने भाई के साथ तय कर इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने के लिये कार्यक्रम में पहुंची। उसका कहना था कि हम दिव्यांगों को परिवहन के लिये इससे बड़ी और कोई सौगात नहीं होगी। हरित भविष्य की ओर कदम मेट्रो परियोजना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल है। इससे डीज़ल और पेट्रोल वाहनों की निर्भरता कम होगी और वायु प्रदूषण में उल्लेखनीय गिरावट आएगी। इंदौर, जो पहले से ही स्वच्छता में नंबर एक है, अब हरित परिवहन की दिशा में भी अग्रणी बन रहा है। इंदौर मेट्रो न केवल एक शहरी सुविधा है, बल्कि यह शहर की सांस्कृतिक विरासत, तकनीकी उन्नति और सामाजिक समानता का प्रतीक बनकर उभरी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की 'नारी शक्ति' और 'नए भारत' की कल्पना को अर्थ देने वाली यह परियोजना आने वाले वर्षों में इंदौर को वैश्विक स्मार्ट सिटी की सूची में मजबूती से स्थापित करेगी। उत्सवी वातावरण कार्यक्रम का शुभारंभ उत्सवी वातावरण में हुआ। अतिथि केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और उन्होंने सर्वप्रथम लोकमाता देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधि विधान से गणेश पूजन और अन्य वास्तु पूजन भी किया गया। इस अवसर पर शंखध्वनि से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। कार्यक्रम में पारम्परिक वस्त्र पहने महिलाओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर भारत माता की जय उदघोष से पूरा वातावरण राष्ट्र भक्ति से ओतप्रोत कर दिया। कार्यक्रम में भोपाल से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का प्रसारण भी सीधा दिखाया गया। महिलाओं ने किया सफर मेट्रो रेल का प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा उद्घाटन करने के साथ ही इंदौर में मेट्रो रेल का सफर प्रारंभ हो गया। पहले सफर में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। भारत माता की जय के नारों के साथ मेट्रो रेल में बैठी और उन्होंने सफर किया।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति के अमूल्य योगदान का प्रतीक- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प् रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति के अमूल्य योगदान का प्रतीक हैं। समाज में बड़ा परिवर्तन लाने वाली लोकमाता देवी अहिल्या को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देवी अहिल्या के प्रेरक कथन 'जो कुछ भी हमें मिला है वह जनता द्वारा दिया ऋण है- जिसे हमें चुकाना है' का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोकमाता अहिल्याबाई के इन्हीं मूल्यों पर चलते हुए कार्य कर रही है, 'नागरिक देवो भवः' वर्तमान में गवर्नेंस का मंत्र है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती, सभी देशवासियों के लिए प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण के लिए हो रहे भागीरथी प्रयासों में अपना योगदान देने का अवसर है। देवी अहिल्याबाई का मानना था कि 'जनता की सेवा और उनके जीवन में सुधार लाना ही शासन का उद्देश्य है', उनकी इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार वूमेन लेड डेवलपमेंट के विजन को विकास की धुरी बना रही है, सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में माताएं- बहने -बेटियां हैं। देश में गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए जा चुके हैं और इनमें से अधिकतर घर माता -बहनों के नाम पर हैं, वे पहली बार घर की मालकिन बनी हैं। सरकार हर घर तक नल से जल पहुंचा रही है, माता-बहनों को असुविधा न हो और बेटियां पढ़ाई लिखाई में ध्यान दे सकें, इस उद्देश्य से बिजली, उज्जवला गैस भी उपलब्ध कराई गई हैं। यह सुविधाएं माता बहनों के सम्मान का विनम्र प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री

नरेंद्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भोपाल में जम्बूरी मैदान पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में लोकमाता अहिल्या बाई द्वारा सुशासन, महिला स्वावलंबन, धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही देवी अहिल्या पर केंद्रित पुस्तकें और शोध पत्र भी प्रदर्शित किए गए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हथकरघा- हस्तशिल्प को समर्पित महिलाओं और ड्रोन दीदी से संवाद किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए जारी गतिविधियों, ग्रामीण आवास योजना, ग्रामीण पर्यटन, कृषि आदि क्षेत्र में महिलाओं द्वारा की जा रही पहल और ग्रामीण व नगरीय निकायों में महिला प्रतिनिधित्व के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदर्शनी में प्रदेश में अधोसंरचना विकास के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, विभिन्न धार्मिक लोक के विकास सहित राज्य के अन्य विकासोन्मुखी नवाचारों का भी अवलोकन किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लोकमाता देवीअहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस अवसर पर उपस्थित थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी का राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने देवी अहिल्याबाई होल्कर के जरी जरदोजी से बना चित्र भेंट कर अभिवादन किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पगड़ी पहना कर तथा बैतूल जिले के भरेवा शिल्प से निर्मित पुष्पक विमान भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की प्रतीक प्रदेश की चार महिलाओं ने भी स्वागत किया। इस क्रम में जबलपुर में कैंसर रोगियों की देखरेख को समर्पित सुश्री ज्ञानेश्वरी देवी, पहली भारतीय कैनोइस्ट और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त सुश्री प्राची यादव ,ग्राम स्तर पर स्वच्छता और विकास कार्यों को समर्पित ग्राम तिरला-जिला धार की सरपंच श्रीमती आरती पटेल और महेश्वरी साड़ी निर्माण में लगी नागेश्वरी स्वयं सहायता समूह महेश्वर की सुश्री मीनाक्षी ठाकले ने स्वागत अभिवादन किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय कलाकार डॉ. जयमती कश्यप को देवी अहिल्या बाई राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर को समर्पित डाक टिकट और 300 रूपये का सिक्का जारी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दतिया और सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण तथा इंदौर मेट्रो का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश में 1271 नए अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) निर्माण के लिए प्रथम किस्त के अंतर्गत 483 करोड़ रुपए का वर्चुअल अंतरण भी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर मेट्रो की शुरुआत और दतिया व सतना के हवाई सेवा से जुड़ने से मध्यप्रदेश में सुविधाएं बढ़ेंगी, विकास को गति मिलेगी और रोजगार के नए अवसरों का इससे सृजन भी होगा। मध्यप्रदेश में अनेक विकास के कार्य हो रहे हैं। भारत के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर को अब मेट्रो की पहचान मिली है। केंद्र सरकार ने मालवा क्षेत्र में परिवहन सुविधाओं के विस्तार के लिए रेल लाइनों के विकास को मंजूरी दी है। दतिया व सतना के हवाई सेवा से जुड़ने से अब मां पीतांबरा और मां शारदा देवी के दर्शन और सुलभ हो जाएंगे। बुंदेलखंड और बघेलखंड की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। आज भारत को अहिल्याबाई की प्रेरणा से अपना परिश्रम और सामर्थ्य बढ़ाना है। रानी कमलापति, रानी दुर्गावती, रानी अवंतीबाई, रानी चेनम्मा जैसे नाम हमें गौरव से भर देते हैं। हमें भारत की नींव मजबूत करनी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई ने अपने कार्यकाल में विकास के साथ विरासत को सहेजा था। आज का भारत भी इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आज बेटियां डॉक्टर, इंजीनियर और साइंटिस्ट बन रही हैं। गांव-गांव में बैंक सखियां बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत कर रही हैं। एक समय था, जब महिलाओं को नई तकनीक से दूर रखा जाता था लेकिन आज गांव की बहनें ड्रोन दीदी बनकर खेती में मदद कर रही हैं। गांव में उनकी अलग पहचान बन रही हैं। पहले महिलाएं अपनी बीमारियां छिपाती थी, क्योंकि परिवार पर इलाज का बोझ न पड़े लेकिन अब महिलाएं आयुष्मान योजना में 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज करा सकती हैं। गत 11 साल में हमारी केन्द्र और राज्य की सरकारों ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। हमारी सरकार ने 30 करोड़ जनधन खाते खुलवाए हैं, जिनमें उन्हें पैसे भेजे जा रहे हैं। बहनें आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं। मुद्रा योजना का लाभ लेने वाली ज्यादातर महिला उद्यमी हैं। देशभर में 10 करोड़ बहनें स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं और कमाई कर

रही हैं। सरकार ने 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है। नमो ड्रोन योजना के अंतर्गत अब तक 1.5 करोड़ बहने लखपति बन चुकी हैं। देश में साइंस और मैथ्स पढ़ने वाली बेटियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। चंद्रयान 3 मिशन में 100 से अधिक महिला वैज्ञानिक शामिल थीं। देश में स्टार्टअप की संख्या बढ़ रही है, इनमें 45 प्रतिशत नेतृत्व महिलाओं के पास है। हमारी सरकार में पहली बार पूर्णकालिक महिला रक्षा और वित्त मंत्री बनीं। इस बार 75 सांसद महिलाएं हैं, पंचायतों में भी महिला प्रतिनिधियों की भागीदारी बढ़ रही है। सरकार के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पीछे भी यही भावना है। अब संसद और विधानसभाओं में भी महिला आरक्षण दे दिया गया है। भारत सरकार बहनों को हर क्षेत्र में सशक्त कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मां भारती और मातृशक्ति को प्रणाम करते हुए कहा कि महासम्मेलन में बड़ी संख्या में आईं माताओं-बहनों के दर्शन पाकर

मैं धन्य हो गया हूं। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर नाम सुनकर मन में श्रद्धा का भाव आता है। उनके संकल्पों से सीख मिलती है कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हो इच्छाशक्ति से उन्हें पूर्ण किया जा सकता है। आज से 250-300 साल पहले जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा था, तब उन्होंने इन कार्यों को पूर्ण किया। वे हमेशा शिवलिंग साथ लेकर चलती थीं। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में राज्य का कार्यभार संभाला और राज्य को समृद्धि दी। देवी अहिल्याबाई भारत की विरासत की संरक्षक थीं। जब देशभर में हमारे मंदिरों, तीर्थ स्थलों पर हमले हो रहे थे तो उन्होंने इन्हें संरक्षित करने का कार्य किया। उन्होंने काशी विश्वनाथ समेत अनेक मंदिरों का निर्माण कराया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि काशी ने उन्हें भी सेवा का अवसर दिया है। काशी में देवी अहिल्याबाई की मूर्ति भी देखने को मिलती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने विकास का ऐसा मॉडल अपनाया, जिसमें गरीबों और वंचितों को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने उद्योग, खेती और जल संरक्षण को बढ़ावा दिया। वर्तमान में कैच द रैन के माध्यम से बारिश की एक-एक बूंद बचाने का प्रयास हो रहा है। देवी अहिल्याबाई ने 250-300 साल पहले हमें जल संरक्षण का रास्ता दिखाया था। उन्होंने किसानों को कपास की खेती के लिए प्रेरित किया। देवी अहिल्या ने किसानों को धान और गेंहू की खेती के अतिरिक्त फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन दिया। देवी अहिल्या ने महेश्वरी साड़ी के लिए नए उद्योग लगाए। वे हुनर की पारखी थीं, जूनागढ़ (गुजरात) से कुछ बुनकर परिवारों को महेश्वर लाकर साड़ी उद्योग को बढ़ावा दिया। आज महेश्वरी साड़ी देश की महिलाओं की पसंद बन चुकी है। देवी अहिल्याबाई ने समाज सुधार की दिशा में कार्य किए। वे हमेशा मातृशक्ति के विकास के बारे में सोचती थीं। उन्होंने बाल विवाह को रोकने के लिए कदम उठाए। उन्होंने समाज सुधारकों को भरपूर समर्थन दिया। मालवा की सेना में महिलाओं की एक टुकड़ी बनाई। मां अहिल्या के कार्यकाल में महिलाओं की ग्राम सुरक्षा टोलियां बनाई गई थीं। पश्चिम के लोग हमें माताओं-बहनों के नाम पर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं, लेकिन देवी अहिल्याबाई की सोच और कार्य महिला सशक्तिकरण को समर्पित थे। वे राष्ट्र निर्माण के लिए परिवर्तन लाने वाली शासक थीं। उनका आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत संस्कृति का देश है, सिंदूर हमारी परंपरा है। यह हनुमान जी को चढ़ता है और बहनों के लिए सम्मान का प्रतीक है। यही सिंदूर अब भारत के शौर्य का प्रतीक बना है। पहलगाम में आतंकियों ने भारतीयों का खून ही नहीं बहाया, हमारी संस्कृति पर प्रहार किया है। उन्होंने भारत को बांटने की कोशिश की। आतंकियों ने भारत की नारी शक्ति को चुनौती दी, लेकिन यह शक्ति उनके लिए काल बन गई। ऑपरेशन सिंदूर बंद नहीं हुआ है, यह आतंकियों के खिलाफ सबसे सफल ऑपरेशन है। जहां तक पाकिस्तानी सेना ने सोचा नहीं था, भारतीय सेना ने कई सौ किलोमीटर अंदर धुसकर उन्हें मारा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया नव-उद्घाटित इंदौर मेट्रो ट्रेन का निरीक्षण

मेट्रो ट्रेन में यात्रा कर ली संचालन की जानकारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नव-उद्घाटित इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के गांधीनगर स्थित देवी अहिल्याबाई मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अहिल्याबाई मेट्रो स्टेशन से झलकारी बाई मेट्रो स्टेशन तक यात्रा की। वह अहिल्याबाई मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन से वापस भी आये। उन्होंने यात्रा के दौरान मेट्रो रेल संचालन कक्ष का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेट्रो रेल संचालन से जुड़े अधिकारियों से तकनीकी और प्रबंधकीय पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। यात्रा के दौरान उन्होंने महिला यात्रियों से भी संवाद किया और इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के विषय में प्रतिक्रियाएं और अनुभव जाने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ अहिल्याबाई मेट्रो स्टेशन पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री मधु वर्मा, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, सुश्री उषा ठाकुर सहित जनप्रतिनिधि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती वर्ष के पावन अवसर पर भोपाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन के दौरान इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम चरण का वर्चुअल शुभारंभ किया। मेट्रो परियोजना के प्रथम चरण में लगभग 1520 करोड़ रूपये की लागत से निर्माण कार्य हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इस अवसर पर उपस्थित थे। लोकमाता अहिल्या बाई द्वारा सुशासन, महिला स्वावलंबन, धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही देवी अहिल्या बाई पर केंद्रित पुस्तकें और शोध पत्र भी यहां प्रदर्शित हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हथकरघा-हस्तशिल्प को समर्पित महिलाओं और ड्रोन दीदी से संवाद किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए जारी गतिविधियों, ग्रामीण आवास योजना, ग्रामीण पर्यटन, कृषि आदि क्षेत्र में महिलाओं द्वारा की जा रही पहल और ग्रामीण व नगरीय निकायों में महिला प्रतिनिधित्व के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदर्शनी में प्रदेश में अधोसंरचना विकास के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, धार्मिक लोकों के विकास, सहित राज्य की अन्य विकासोन्मुखी नवाचारों का भी अवलोकन किया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की सौजन्य भेंट

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को राजभवन में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल जागरूकता के लिए राजभवन मध्य प्रदेश की पहल पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल को भेंट किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

उपलब्धियों, तकनीक, शस्त्र उत्पादन, उद्योग, व्यापार को साझा किया

समदर्शी शासन, सेवा ने उनको लोकमाता बनाया

होलकर रियासत के राजा मल्हारराव होलकर के जमाने से ही अहिल्याबाई ने शासन व्यवस्था में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। वे नीतिगत फैसलों में मल्हारराव होलकर का न केवल हाथ बंटाती थी, बल्कि वे सलाह भी देती थीं। उनकी सलाह से शासन व्यवस्था में कई सुधार हुए। शासन व्यवस्था में पारदर्शिता के साथ-साथ शस्त्रागार का आधुनिकीरण और दूसरी रियासतों से भाईचारे का संबंध स्थापित करना रहा। एक दूसरे को अपने तकनीकी ज्ञान, अपनी उपलब्धियों से परिचित कराना और तकनीक को साझा करना, यह सब वे अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से ही कर पाईं। महाराजा मल्हारराव होलकर के समय ही उन्होंने रियासतों में प्रतिनिधियों की नियुक्ति करना शुरु कर दिया था। जिसको आज हम कह सकते हैं कि कूटनीतिक संबंध स्थापित करना। अपनी कूटनीति के जरिए होलकर राज्य को कैसे समृद्ध और प्रगतिशीलता के साथ-साथ औद्योगिक, व्यावसायिक राज्य बनाया जा सकता है, इस पर उन्होंने काफी काम किया। संपर्क, संवाद प्रणाली विकसित की आगे जाकर जब शासन की बागडोर उनके हाथ में आई तब उन्होंने इस काम को बहुत तेजी से आगे बढ़ाया था। उनकी शासन व्यवस्था में एक बात और थी कि उन्होंने अपने प्रतिनिधियों और अपने संपर्कों, अपनी संवाद प्रणाली और सक्रियता के जरिए तमाम रियासतों में खासकर उन स्थानों पर जहां भारतीय परंपरा और संस्कृति के श्रद्धा केंद्र, धार्मिक स्थलों में अपनी सेवा को माध्यम बनाया। इससे वे होलकर राज्य को तो समृद्धशाली बना ही रहीं थीं, उन्होंने अपने आप को भी लोकमाता के रूप में स्थापित कर लिया। अकेली अहिल्याबाई थीं, जिन्होंने कर दिखाया शासन व्यवस्था तब राजशाही कहलाती थी, उसको कैसे उसको कैसे समदर्शी लोक कल्याणकारी और सेवा के जरिए लोकप्रिय बनाया जा सकता है, यह प्रयोग शायद अकेली अहिल्याबाई थीं जिन्होंने कर दिखाया था। भारत के शक्ति केंद्र यानी धार्मिक स्थानों को जिन्हें आक्रांताओं ने खंडहर बना दिया था, लूट लिया था, उनका जिर्णोद्धार कर देश भर में अहिल्याबाई ने अपने आपको एक लोक माता के साथ-साथ सेवाभावी शासक के रूप में स्थापित किया। यह सब वे इसलिए कर पाईं कि उन्होंने सभी रियासतों में खास प्रमुख केदों पर अपने सेवा कार्यों के साथ-साथ अपने ऐसे प्रतिनिधियों की नियुक्ति की या ऐसे शासनदूतों को स्थापित किया, जो आज के दौर की कूटनीतिक व्यवस्था या जिसे कहा जा सकता है कि राजदूत व्यवस्था कह सकते हैं। एक बेटी, एक बेटे की माँ थीं महारानी अहिल्याबाई ने 1745 में एक पुत्र एवं उसके तीन वर्ष पश्चात एक कन्या को जन्म दिया। पुत्र का नाम मालेराव और कन्या का नाम मुक्ताराव रखा गया। कहा जाता है कि खंडेराव में भी जिम्मेदारी-बोध का स्फुरण-जागरण महारानी अहिल्याबाई की प्रेरणा से ही हुआ। वे उन्हें राज-काज एवं शासन-व्यवस्था में सहयोग प्रदान करती थीं। उन्होंने बड़ी कुशलता से अपने पति के स्वाभिमान एवं गौरव-बोध को जागृत किया। अपने पिता के मार्गदर्शन में खंडेराव कुशल योद्धा एवं निपुण शासक बनते जा रहे थे। मल्हारराव होल्कर अपनी पुत्रवधू अहिल्याबाई को भी राज-काज की शिक्षा देते रहते थे। अपनी पुत्रवधू की बुद्धि, कार्य-कुशलता, नीतिनिपुणता से वे बहुत प्रसन्न थे। परंतु दुर्भाग्य से 1754 ई. में खंडेराव का निधन हो गया। 1766 ई. में मल्हारराव भी इस संसार को छोड़कर देवलोक गमन कर गए। मल्हारराव के निधन के बाद शासन संभाला श्वसुर के देहावसान के पश्चात अहिल्याबाई के नेतृत्व में उनके बेटे मालेराव होल्कर ने शासन की बागडोर संभाली। पर उस समय अहिल्याबाई और मालवा पर विपत्ति का पहाड़ टूट पड़ा, जब 5 अप्रैल 1767 को शासन की बागडोर संभालने के कुछ ही महीने बाद उनके बेटे की मृत्यु हो गई। कोई भी स्त्री जिससे थोड़े-थोड़े अंतराल पर उसके पति, श्वसुर, पुत्र का सहारा छिन जाए, उसके दुःख एवं मनःस्थिति की सहज ही कल्पना की जा सकती है! परंतु रानी अहिल्याबाई ने नियति एवं परिस्थिति के आगे घुटने नहीं टेके। उन्होंने मालवा राज्य की प्रजा को अपनी संतान मानते हुए 11 दिसंबर 1767 ई. को शासन की बागडोर अपने हाथों में ली। थोड़े ही दिनों में महारानी की लोकप्रियता राज्य भर में फैल गई। शस्त्र भी उठाए और मुकाबला भी किया परिस्थितियों का लाभ उठाने के उद्देश्य से मालवा पर कुदृष्टि रखने वाले लोगों को मुंह की खानी पड़ी। अपने राज्य एवं प्रजा की रक्षा के लिए उन्होंने न केवल अस्त्र-शस्त्र उठाया, बल्कि अनेक युद्धों-मोर्चों पर स्वयं आगे आकर अपनी सेना का कुशल नेतृत्व किया। इस तरह कूटनीति से युद्ध टाला इतना ही नहीं, जब आवश्यकता पड़ी उन्होंने कूटनीति से भी काम लिया। राज्य हड़पने के उद्देश्य से जब राघोवा पेशवा ने मालवा पर आक्रमण के लिए अपनी सेना भेजी तो महारानी अहिल्याबाई के केवल एक पत्र से यह युद्ध टल गया और पेशवा ने उन्हें उनके राज्य की सुरक्षा का वचन दिया। उस पत्र ने पेशवा राघोवा की सुप्त चेतना को जागृत किया। उस पत्र के एक-एक शब्द ने उन पर नुकीले तीर-सा असर किया और उन्होंने महारानी से युद्ध का इरादा बदल दिया। व्यापारी बनकर आए अंग्रेजों को भाप लिया था महारानी इतनी कुशल एवं दूरदर्शी थीं कि व्यापारी बनकर आए अंग्रेजों और ईस्ट इंडिया कंपनी के फूट डालो और शासन करो की नीति को उन्होंने सबसे पूर्व भांप लिया था। उन्होंने तत्कालीन पेशवा प्रमुख को इस संदर्भ में पत्र लिखकर उन्हें सतर्क भी किया था। वे प्रतिभा को पहचानती थीं। उन्होंने अपने विश्वसनीय सेनानी सूबेदार तुकोजीराव होल्कर (मल्हारराव के दत्तक पुत्र) को सेना-प्रमुख बनाया था। वे उन पर भरोसा करती थीं और तुकोजीराव भी उनके प्रति अखंड निष्ठा एवं श्रद्धा रखते थे। बेमिसाल सेवा के जरिये बनी लोकप्रिय महारानी अहिल्याबाई का शासन-काल भले ही अल्प रहा, पर उन्होंने भावी भारत पर बहुत गहरा एवं व्यापक प्रभाव छोड़ा। अल्पावधि के अपने शासन-काल में उन्होंने अनगिनत निर्माण-कार्य करवाए। न केवल राज्य की सीमाओं के भीतर बल्कि संपूर्ण भारत वर्ष के प्रमुख तीर्थों और स्थानों में उन्होंने मंदिर बनवाए, पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया, कुओं, तालाबों, बावड़ियों का निर्माण करवाया, मार्ग बनवाए, सड़कों की मरम्मत करवाई, भूखों के लिए अन्नसत्र खुलवाए, प्यासों के लिए स्थान-स्थान पर प्याऊ लगवाए, तीर्थस्थलों पर धर्मशालाओं का निर्माण करवाया, शास्त्रों के अध्ययन-चिंतन-मनन-प्रवचन हेतु मंदिरों में विद्वान आचार्यों की नियुक्ति की।

सत्ता साहस और पराक्रम की त्रिवेणी थे महाराजा छत्रसाल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विरासत महोत्सव का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बुंदेलखंड की धरती वीरों और रणबांकुरों की धरती है। इस पवित्र धरती पर महाराजा छत्रसाल का जन्म हुआ। मैं वीरों की धरती को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए आज पुरुषार्थ और पराक्रम का दिन है। आज बुंदेलखंड के वीर सपूत महाराजा छत्रसाल की जंयती है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की धरती पर परमात्मा ने विशेष कृपा की है। इस धरती ने रणबांकुरे दिए है। मुख्यमंत्री आज छतरपुर जिले के ग्राम मऊ सहानियां में महाराजा छत्रसाल स्मृति शोध संस्थान के सौजन्य से आयोजित महाराजा छत्रसाल जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा छत्रसाल की लड़ाई देश के स्वाभिमान की लड़ाई थी। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में मुगलों से लोहा लिया और अपने पुरुषार्थ और पराक्रम से आततायियों से देश की रक्षा की। उनका यह साहस उस कठिन दौर में अनुपम था। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा छत्रसाल उस कठिन दौर में सत्ता साहस और पराक्रम के त्रिवेणी थे। उन्होंने मुगलों को धूल चटाई और देश का मान बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराजा छत्रसाल, रानी दुर्गावती, रानी अवंतीबाई, लोकमता देवी अहिल्याबाई होलकर हमारे गौरव हैं। हमें उनके कठिन संघर्षों, उनके पराक्रमों और उनके आदर्शों से शिक्षा लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा छत्रसाल के साहस और पराक्रम को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए स्कूल, कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में पाठ शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बुंदेलखखड के अंदर पानी की दिक्कतें वर्षों से रही है। बुंदेलखंड में पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्षों से उलझी पड़ी केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का शुभारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड के किसानों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने के लिए समुचित प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मऊ सहानियां में संस्कृति विभाग के सहयोग से महाराजा छत्रसाल स्मृति शोध संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विरासत महोत्सव का

शुभारंभ दीप्रज्वलित कर एवं महाराजा छत्रसाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने महाराज छत्रसाल जी की जयंती की शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विरासत महोत्सव में छत्रसाल दर्पण स्मारिका का विमोचन किया। इस दौरान कृषि मंत्री एवं छतरपुर के प्रभारी मंत्री एदल सिंह कंषाना, सांसद खजुराहो वी.डी. शर्मा, विधायक महाराजपुर कामाख्या प्रताप सिंह, छतरपुर विधायक ललिता यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख रहा है मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश देश के हृदय स्थल में बसा एक ऐसा राज्य है जिसने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में आज पूरे देश में नई मिसाल कायम कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों को महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बनाया है। स्व-सहायता समूह न केवल ग्रामीण और शहरी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहे हैं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनकी स्थिति को सुदृढ़ कर रहे हैं। पिछले कुछ समय में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में मध्यप्रदेश ने कई उपलब्धियों को हासिल किया है। सरकार की अनेक नीतियां और योजनाएं महिलाओं के उत्थान में सहायक सिद्ध हो रही हैं। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से बदली जिंदगी मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जा रहा है। वर्तमान में, राज्य में 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनमें लगभग 62 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। ये समूह महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता, कौशल विकास, और सामुदायिक नेतृत्व के अवसर प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि स्व-सहायता समूह न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का साधन हैं, बल्कि सामाजिक बदलाव का भी एक जन-आंदोलन है। मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं जिनका प्रभाव राज्य के हर कोने में महसूस किया जा सकता है। मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना ने हजारों महिला समूहों को कम ब्याज पर ऋण दिलाकर उनके छोटे-छोटे व्यवसायों को सहारा दिया है। अब महिलाएं न सिर्फ घर चला रही हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं। अब तक 30 हजार 264 महिला समूहों और 12 हजार 685 महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में 648.67 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है। बचत को प्रोत्साहित करती 'लाड़ली बहना योजना' लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1551.86 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता उनके खातों में पहुंच रही है।

इससे न केवल आर्थिक रूप से महिलाओं की स्थिति बेहतर हो रही है बल्कि महिलाएं डिजिटल युग की सहभागी भी बन रही हैं। इस योजना में 1.27 करोड़ महिलाओं को अब तक 35,329 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, 25 लाख महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 882 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी गई है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों में बचत को प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री-'लाड़ली लक्ष्मी योजना' ने पेश की मिसाल मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना में वर्ष 2024-25 में 2 लाख 73 हजार 605 बालिकाओं का पंजीकरण हुआ और लगभग 223 करोड़ रूपये से अधिक की छात्रवृत्ति यूनि-पे के जरिए वितरित की गई। अब तक कुल 50 लाख 41 हजार 810 बेटियां इस योजना का हिस्सा हैं। ' हम होंगे कामयाब अभियान' से मिला सम्मान राज्य सरकार द्वारा नारी शक्ति मिशन के तहत जिला, परियोजना और ग्राम स्तर पर 100 दिवसीय जागरूकता 'हम होंगे कामयाब अभियान' चलाया गया। इसमें प्रदेश में जेंडर संवादों, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, सायबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों की महिलाओं को न केवल जानकारी दी गई, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना भी सिखाया गया। आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित 'लखपति दीदी' मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 1 लाख से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाया है। सरकार का लक्ष्य 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित कर रही है। महिला उद्यमिता को मिल रहा है प्रोत्साहन मध्यप्रदेश में 850 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को 275 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है, जिससे महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन मिला है।

गर्मी से बचने के लिए स्टाइल अपनाएं: गर्मियों के लिए डिज़ाइनर सलवार सूट और सलवार कमीज़

चिलचिलाती धूप से बचने के लिए आरामदायक और स्टाइलिश कपड़ों के बारे में सोचने का समय आ गया है। भारत और दुनिया भर में कई महिलाओं के लिए, सलवार कमीज एकदम सही जवाब है। यह कालातीत पहनावा परंपरा और आधुनिकता का एक सुंदर मिश्रण प्रस्तुत करता है, जो इसे विभिन्न अवसरों के लिए आदर्श बनाता है। लेकिन आप गर्मियों के लिए एकदम सही सलवार कमीज कैसे चुनें ?

अपने लिए परफेक्ट ग्रीष्मकालीन सलवार कमीज ढूँढ़ें

गर्मियों में ठंडक और आराम का राज कपड़ों में छिपा होता है। कॉटन , मलमल या खादी जैसे सांस लेने वाले कपड़े चुनें । ये कपड़े हवा को प्रसारित होने देते हैं, जिससे आपको पसीना नहीं आता। आप ऑनलाइन कई तरह के कपड़े पा सकते हैं, जैसे कि ऑफिस वियर के लिए कॉटन सलवार कमीज सूट या कैजुअल सलवार कमीज।

हर अवसर के लिए शैलियाँ

कैजुअल ठाठः रोज़ाना पहनने के लिए, सीधे या ए-लाइन कट वाले हल्के कॉटन कुर्ते चुनें । उन्हें आरामदायक सलवार या पलाज़ो के साथ पहनें। आप ऑफिस वियर या कैजुअल सलवार कमीज़ के लिए कॉटन सलवार कमीज़ सूट की एक विस्तृत विविधता पा सकते हैं ।

वर्कवियर एलिगेंसः ऑफिस के लिए, परिष्कार के स्पर्श के साथ क्लासिक सलवार कमीज चुनें । हल्के रंगों में कम से कम कढ़ाई या सुरुचिपूर्ण प्रिंट वाले कुर्ते देखें। आप विभिन्न प्लेटफार्मों पर ऑनलाइन सलवार कमीज की विस्तृत श्रृंखला प्राप्त कर सकते हैं।

एथनिक चार्मः शानदार पंजाबी सलवार कमीज या एथनिक सूट सलवार सेट के साथ अपनी विरासत को अपनाएँ । इनमें अक्सर जटिल कढ़ाई या रेशम जैसे समृद्ध कपड़े होते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग करते समय " एम्ब्रॉयडरी सलवार सूट " या " पंजाबी सलवार सूट " देखें।

त्यौहारी आकर्षणः आने वाले त्यौहारों के लिए, डिज़ाइनर सलवार कमीज़ के साथ ग्लैमर का स्पर्श जोड़ें । अलंकृत कुर्ते, अनारकली या लहंगा-स्टाइल सूट देखें । अपने त्यौहारी वॉर्डरोब के लिए सम्यक पर " नवीनतम डिज़ाइनर सलवार सूट खरीदें "।

सही फिट चुनना

सलवारः गर्मियों में आराम के लिए, टाइट-फिटिंग चूड़ीदार को छोड़ दें और ढीले सलवार या पलाज़ो चुनें । ये बेहतर एयरफ्लो और ज़्यादा आरामदायक लुक देते हैं। " दुपट्टे के साथ सलवार " या " 3 पीस सलवार " ऑनलाइन लोकप्रिय विकल्प हैं।

कुर्ताः आराम सबसे ज़रूरी है, लेकिन आप स्टाइल से समझौता नहीं करना चाहेंगे। एक अच्छी तरह से फिट किया हुआ कुर्ता जो आपके कर्व्स को अच्छी तरह से टाइट करे, वह परफेक्ट बैलेंस है। ज़्यादा आराम के लिए कोहनी तक की लंबाई या *th स्लीव वाला कुर्ता चुनें।

प्लस साइज़ सलवार कमीज़ विकल्प

स्टाइलिश प्लस-साइज़ सलवार कमीज़ ढूँढ़ना कभी-कभी एक चुनौती हो सकती है। लेकिन चिंता न करें! कई ऑनलाइन स्टोर " प्लस साइज़ सलवार कमीज़ " या " प्लस साइज़ ड्रेस मटीरियल " के अंतर्गत कई तरह के विकल्प देते हैं। ए-लाइन कुर्ते जैसे आकर्षक कट और कॉटन या क्रेप जैसे आरामदायक कपड़े देखें।

ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा

अंतहीन खरीदारी के दिन अब लद गए हैं। आज, आप ऑनलाइन सलवार कमीज के ढेरों विकल्प पा सकते हैं। यहाँ कुछ लाभ दिए गए हैंः

विविधताः अपने घर बैठे आराम से अनगिनत डिज़ाइन, कपड़े और रंगों को ब्राउज़ करें। " सलवार सूट ऑनलाइन " या " सलवार कमीज़ ऑनलाइन " के लिए विकल्प खोजें

सुविधाः किसी भी समय, कहीं भी खरीदारी करें और अपने परिधान को सीधे अपने दरवाजे तक पहुंचाएं।

फ़िल्टरिंग विकल्पः आकार, रंग, कपड़े, अवसर और यहां तक कि " अनस्टिच्ड सलवार कमीज " या " स्टिच्ड सलवार सूट " जैसे संग्रह के आधार पर अपनी खोज को परिष्कृत करें।

प्रतिस्पर्धी मूल्यः सर्वोत्तम सौदा पाने के लिए विभिन्न खुदरा विक्रेताओं की कीमतों की तुलना करें।

याद रखेंः सलवार कमीज की ऑनलाइन खरीदारी करते समय इन बातों का ध्यान रखेंः **समीक्षाएँ पढ़ेंः** ग्राहक समीक्षाएँ परिधान की गुणवत्ता और फिट के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान कर सकती हैं।

वापसी नीति की जांच करेंः सुनिश्चित करें कि यदि परिधान पूरी तरह से फिट न हो तो स्टोर में परेशानी मुक्त वापसी नीति हो।

आकार चार्ट देखेंः सही फिटिंग सुनिश्चित करने के लिए आकार चार्ट का उपयोग करें, खासकर यदि आप बिना सिले कपड़े या बिना सिले सलवार कमीज का विकल्प चुन रहे हैं ।

अपनी ग्रीष्मकालीन शैली को प्रेरित करें

क्या आप विकल्पों से अभिभूत महसूस कर रहे हैं? यहाँ आपके ग्रीष्मकालीन सलवार कमीज़ लुक को प्रेरित करने के लिए कुछ अतिरिक्त सुझाव दिए गए हैंः सोशल मीडिया ब्राउज़ करेंः समर वाइब्स सलवार कमीज एथनिक वियर जैसे हैशटैग का उपयोग करके इंस्टाग्राम या Pinterest पर प्रेरणा की तलाश करें ।**फैशन ब्लॉग देखेंः** कई फैशन ब्लॉगर गर्मियों के मौसम के लिए स्टाइलिश सलवार कमीज लुक दिखाते हैं।**अपने शरीर के प्रकार पर विचार करेंः** ऐसे कट चुनें जो आपके फिगर को निखारें। उदाहरण के लिए, ए-लाइन कुर्ते ज़्यादातर बॉडी टाइप के लिए अच्छे लगते हैं, जबकि एम्पायर कमर स्टाइल आपके कर्व्स को उभार सकता है।**प्रयोग करने से न डरेंः** ऑनलाइन उपलब्ध इतने सारे विकल्पों के साथ, विभिन्न शैलियों और रंगों को आज़माकर आनंद लें और पता लगाएं कि कौन सा आपको आत्मविश्वास और सुंदर महसूस कराता है।

लोग यह भी पूछते हैंः

1: गर्मियों में सलवार कमीज के लिए कौन से कपड़े सबसे अच्छे हैं?

उत्तरः गर्मियों में सलवार कमीज के लिए सबसे अच्छे कपड़ों में कॉटन, लिनन, शिफॉन, जॉर्जेट और हल्का रेशम शामिल हैं। ये कपड़े सांस लेने में आसान होते हैं और गर्मी में आपको ठंडा रखने में मदद करते हैं।

2: गर्मियों में सलवार कमीज के साथ मैं क्या-क्या एक्सेसरीज पहनूँ?

उत्तरः इसे हल्का और कम से कम रखें। अपने आउटफिट को नाजुक ज्वेलरी, हल्के दुपट्टे और आरामदायक सैंडल के साथ पहनें। भारी एक्सेसरीज पहनने से बचें, क्योंकि गर्मी में ये असुविधाजनक लग सकती हैं।

3: क्या ऐसे कोई खास रंग हैं जो गर्मियों में पहनने के लिए सलवार कमीज के लिए बेहतर हैं?

उत्तरः हल्के और हल्के रंग जैसे कि सफ़ेद, हल्का गुलाबी, मिंट ग्रीन, बेबी ब्लू और पीच गर्मियों के लिए बिल्कुल सही हैं।

मेडिकल लैबोरेटरी असिस्टेंट क्या करता है? लैबोरेटरी असिस्टेंट के कर्तव्य

अगर आप पैथोलॉजी में रुचि रखते हैं, तो मेडिकल लैबोरेटरी असिस्टेंट बनना आपके लिए सही विकल्प हो सकता है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में मेडिकल लैब असिस्टेंट की भूमिका को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। इस ब्लॉग से जानें कि मेडिकल लैबोरेटरी असिस्टेंट क्या करता है।

मेडिकल प्रयोगशाला सहायक क्या करता है?

चिकित्सा प्रयोगशाला सहायक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक चिकित्सा प्रयोगशाला सहायक एक कुशल व्यक्ति होता है जो प्रयोगशाला परीक्षण करता है और प्रयोगशाला उपकरण संचालित करता है। वे रोगियों से ऊतक के नमूने, रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थ एकत्र करते हैं और उनकी स्वास्थ्य स्थितियों का विश्लेषण करने के लिए परीक्षण करते हैं। चिकित्सा प्रयोगशाला सहायक परीक्षणों से डेटा भी रिकॉर्ड करते हैं और चिकित्सकों के साथ परिणामों पर चर्चा करते हैं।

मेडिकल प्रयोगशाला सहायक के कर्तव्य

एक मेडिकल लैब असिस्टेंट कई तरह के काम करता है जो संगठन के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं। नीचे मेडिकल लैब असिस्टेंट द्वारा निभाई जाने वाली कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई है।

नमूना संग्रह - यह किसी भी तरल पदार्थ जैसे पदार्थ का संग्रह है जिसका परीक्षण प्रयोगशाला में किया जाता है। प्रयोगशाला सहायक उन नमूनों को प्रयोगशाला में भेजने के लिए एकत्र करते हैं।

नमूनाकरण - चिकित्सा प्रयोगशाला सहायक मरीजों से नमूने एकत्र करते हैं और परीक्षण के लिए नमूने तैयार करते हैं।

लेबलिंग - प्रयोगशाला सहायक नमूनों वाले कंटेनर पर लेबल लगाने के लिए जिम्मेदार होते हैं।

रोगाणुमुक्त करना - प्रयोगशाला सहायक विभिन्न प्रयोगशाला उपकरणों और कार्य क्षेत्र को साफ और रोगाणुमुक्त करते हैं।

स्टॉक स्तर का रखरखाव - प्रयोगशाला सहायक प्रयोगशाला आपूर्ति के स्टॉक स्तर को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होते हैं।

प्रयोगशाला उपकरणों का रखरखाव - चिकित्सा प्रयोगशाला सहायक प्रयोगशाला उपकरणों की स्थापना, संचालन और रखरखाव करते हैं।

डेटा प्रविष्टि – लैब सहायक कंप्यूटर में डेटा इनपुट का कार्य भी करते हैं।

प्रयोगशाला सहायक के कौशल

एक मेडिकल लैब सहायक को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए कई कौशल की आवश्यकता होती है। कुछ उल्लेखनीय कौशल इस प्रकार हैं:

व्यावहारिक कौशल- लैब सहायकों को प्रयोगशाला उपकरण, जैसे सेल काउंटर या माइक्रोस्कोप का संचालन करना आना चाहिए। उन्हें विभिन्न चिकित्सा शब्दों का स्पष्ट ज्ञान होना चाहिए।

संगठनात्मक कौशल - प्रयोगशाला सहायकों के पास रोगियों के नमूनों को रिकॉर्ड करने और लेबल करने के लिए अच्छे संगठनात्मक कौशल होने चाहिए।

अवलोकन कौशल- प्रयोगशाला सहायकों को ध्यानपूर्वक यह सीखना चाहिए कि रक्त के नमूने कैसे लिए जाएं तथा सूक्ष्मदर्शी के नीचे रक्त की स्लाइड कैसे तैयार की जाए।

विश्लेषणात्मक सोच कौशल- मेडिकल लैब सहायकों को कार्य से संबंधित मुद्दों और समस्याओं को हल करने के लिए जानकारी का विश्लेषण करने और तर्क का उपयोग करने की आवश्यकता होती है।

मैनुअल कौशल - प्रयोगशाला सहायकों को नमूनों और छोटे प्रयोगशाला उपकरणों को संभालने के लिए अच्छे मैनुअल कौशल की आवश्यकता होती है।

कार्य सटीकता- लैब सहायक द्वारा किए जाने वाले कार्य सटीक होने चाहिए। कार्यस्थल पर एकाग्रता की कमी से मरीजों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

मेडिकल प्रयोगशाला सहायक की नौकरी के लिए आवश्यक योग्यताएँ

मेडिकल प्रयोगशाला सहायकों में इस पेशे के प्रति उत्साह और समर्पण होना चाहिए, जो उन्हें इस भूमिका में आगे बढ़ने में मदद करेगा। एक अच्छे प्रयोगशाला सहायक की मुख्य विशेषताएँ हैं: विवरण पर बारीकी से ध्यान देने की क्षमता

नमूने एकत्र करते समय दक्षता और सटीकता

काम में व्यवस्थित रहना

लम्बे समय तक ध्यान केन्द्रित करने की क्षमता

समय प्रबंधन कौशल होना

मजबूत संचार कौशल रखना

सहनशीलता और धैर्य

सहानुभूति और सहयोग

मेडिकल लैब असिस्टेंट के रूप में काम करने की कमियां

हर दूसरे पेशे की तरह, मेडिकल लैब सहायकों को भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिनका उल्लेख नीचे किया गया है।

मेडिकल लैब सहायकों को हर दिन एक ही तरह का काम करना पड़ सकता है। ऐसे में काम को बार-बार दोहराना नीरस हो सकता है।

लैब सहायकों को अक्सर लंबे समय तक लैब में खड़े रहना पड़ता है, जो कठिन हो सकता है।

प्रयोगशाला सहायकों को नमूनों और हानिकारक रसायनों को संभालते समय सुरक्षात्मक चश्मे, दस्ताने और मास्क पहनने की आवश्यकता होती है। ये सभी चीजें अक्सर उन्हें असहज महसूस करा सकती हैं।

चूंकि अस्पताल और कुछ प्रयोगशालाएं हमेशा खुली रहती हैं, इसलिए मेडिकल लैब सहायकों के लिए सप्ताहांत और रात्रि पाली में काम करना आम बात है।

मेडिकल प्रयोगशाला सहायक प्रशिक्षण और शिक्षा

चिकित्सा प्रयोगशाला सहायकों को किसी मान्यता प्राप्त मेडिकल स्कूल से औपचारिक प्रशिक्षण लेना चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम आमतौर पर छात्रों को रक्त निकालने, रोगी के नमूने एकत्र करने और तैयार करने, डेटा प्रविष्टि और बुनियादी प्रयोगशाला प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित करते हैं। उन्हें रोगी और ग्राहक-केंद्रित व्यवहार के बारे में भी प्रशिक्षित किया जाता है।

लैब असिस्टेंट के लिए एसोसिएट डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रोग्राम हैं। एसोसिएट डिग्री में , छात्र मानव शरीर रचना विज्ञान, माइक्रोबायोलॉजी, हेमेटोलॉजी और गणित, विज्ञान और संचार जैसे सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रमों के बारे में सीखते हैं। इस डिग्री को पूरा करने में लगभग दो साल लग सकते हैं।

दूसरी ओर, एक सर्टिफिकेट प्रोग्राम मेडिकल लैब असिस्टेंटशिप और फ़्लेबोटोमी की मूल अवधारणाओं पर ज्ञान प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों को पूरा होने में कुछ महीनों से लेकर एक साल तक का समय लग सकता है।

प्रमाणित चिकित्सा प्रयोगशाला सहायक (CMLA) और प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी प्रमाणपत्र जैसे प्रमाणपत्र कार्यक्रम हैं । CMLA अमेरिकी चिकित्सा प्रौद्योगिकीविदों (AMT) द्वारा पेश किया जाता है, जो उम्मीदवारों को लाइसेंस के लिए योग्य बनाता है। प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी प्रमाणपत्र कार्यक्रम छात्रों को प्रयोगशाला वातावरण में परीक्षण और प्रक्रियाएं करने के लिए प्रशिक्षित करता है।

डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए हाई स्कूल की शिक्षा की आवश्यकता होती है और इसे एक वर्ष में पूरा किया जा सकता है। ये कार्यक्रम मेडिकल असिस्टेंट स्नातकों को प्रवेश स्तर के रोजगार के लिए तैयार करते हैं। इसके अलावा, कुछ स्कूल ऑनलाइन मेडिकल असिस्टेंट कार्यक्रम भी प्रदान करते हैं। यहाँ छात्र अपने कक्षा-आधारित पाठ्यक्रमों के अलावा मेडिकल असिस्टेंट की ऑनलाइन कक्षाएँ लेने के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

प्रयोगशाला सहायक पात्रता

मेडिकल लैबोरेटरी असिस्टेंट के लिए कोई सख्त स्नातक की आवश्यकता नहीं है, हालांकि कुछ अस्पताल कौशल और अनुभव की तलाश कर सकते हैं। आम तौर पर, हाई स्कूल डिप्लोमा या GED वाला उम्मीदवार मेडिकल लैब असिस्टेंट पद के लिए आवेदन कर सकता है। हालाँकि, औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने से पेशेवर विकास में मदद मिलेगी। रसायन विज्ञान, माइक्रोबायोलॉजी और जीव विज्ञान में एसोसिएट या बैचलर की डिग्री कैरियर के अवसरों को व्यापक बना सकती है।

मेडिकल प्रयोगशाला सहायक कैरियर के अवसर

मेडिकल लैब असिस्टेंट की नौकरी उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण योगदान देना चाहते हैं। यह करियर का एक अच्छा क्षेत्र है क्योंकि लैब असिस्टेंट कई क्षेत्रों में काम कर सकते हैं। वे विभिन्न संगठनों में काम कर सकते हैं जैसे-

अस्पताल

क्लिनिक

जैव प्रौद्योगिकी कंपनियां

फार्मास्युटिकल प्रयोगशालाएं

फोरेंसिक प्रयोगशालाएँ

विश्वविद्यालय अनुसंधान प्रयोगशालाएँ

चिकित्सा एवं नैदानिक प्रयोगशालाएं

मेडिकल लैब असिस्टेंट वेतन जानकारी

लैब सहायकों का वेतन क्षेत्र, संगठन, कार्य घंटे, अनुभव और शिक्षा जैसे कारकों पर निर्भर हो सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य:

Indeed.com के अनुसार , अमेरिका में मेडिकल लैब सहायकों का सामान्य वेतन 15.30 डॉलर प्रति घंटा है।

gc.ca के अनुसार , कनाडा में औसत चिकित्सा प्रयोगशाला सहायक का वेतन $24,960 से $41,600 प्रति वर्ष तक है।

इसके अलावा, सीए का दावा है कि अल्बर्टा में इस पेशे की वार्षिक वृद्धि दर औसत से अधिक 3.5% रहने की उम्मीद है।

अपनी खूबसूरती से आपका दिल जीत लेंगी भारत की ये जगहें, मिलेगा फॉरेन ट्रिप जैसा अनुभव

अगर आप भारत रहते हुए विदेश यात्रा का अनुभव लेना चाहते हैं तो यहां कि कुछ जगहें (Beautiful Indian Destinations) आपके लिए बेस्ट हैं। इन जगहों की खूबसूरती किसी को भी मंत्रमुग्ध करने के लिए काफी है। इन जगहों पर आपको एक नया अनुभव मिलेगा और आप यहां कई एडवेंचर्स एक्टिविटीज भी कर सकते हैं। आइए जानें ये कौन-सी जगहें हैं और इनकी खासियत क्या है।

विदेश घूमने का सपना तो लगभग हर किसी का होता है। दूसरे देशों की खूबसूरती और संस्कृति का अनुभव करना बेहद खास होता है। लेकिन अगर बात खूबसूरती और संस्कृति की करें, तो भारत भी कम नहीं है। भारत अपनी संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर के लिए दुनियाभर में जाना जाता है (Best Tourist Destinations in India)।

भारत में ऐसी कई जगहें (Indian Vacation Spots) हैं, जो विदेशी लोकेशंस से किसी मायने में कम नहीं हैं। यहां हम 6 ऐसी ही जगहों (Scenic Places in India) के बारे में बात करेंगे, जहां की खूबसूरती आपको मंत्रमुग्ध कर देंगी और आपको ऐसा ही महसूस होगा, जैसे आप विदेश यात्रा कर रहे हैं।

जैसलमेर, राजस्थान– भारत का गोल्डन सिटी

जैसलमेर को "गोल्डन सिटी" कहा जाता है, क्योंकि यहां की रेतीली धरती और सुनहरे किले मध्यकालीन खजाने जैसा अहसास कराते हैं। यहां का जैसलमेर फोर्ट, पटवों की हवेली और सैम सैंड ड्यून्स आकर्षण के केंद्र हैं। यहां का डेजर्ट सफारी और कैमल राइड आपको अरब देशों के रेगिस्तान जैसा अनुभव देगा।

क्यों जाएं?
थार रेगिस्तान का अनोखा अनुभव
राजस्थानी संस्कृति और लोक संगीत
रात में तारों भरे आसमान के नीचे कैंपिंग

मुन्नार, केरल– भारत का स्विट्जरलैंड

केरल के मुन्नार को "भारत का स्विट्जरलैंड" कहा जाता है। यहां की हरी-भरी चाय बागानें, झरने और ठंडी हवाएं मन को शांति देती हैं। एराविकुलम नेशनल पार्क, मट्टूपेट्टी डैम और टॉप स्टेशन यहां के मुख्य आकर्षण हैं।

क्यों जाएं?
शांत वातावरण और प्राकृतिक सुंदरता
ट्रैकिंग और एडवेंचर एक्टिविटीज
सुगंधित चाय बागानों की सैर

एलिप्पी, केरल– भारत का वेनिस

एलिप्पी को "बैकवाटर्स की रानी" कहा जाता है। यहां की नहरें, हाउसबोट और हरियाली आपको वेनिस (इटली) जैसा फील देंगी। वेम्बनाड लेक, कुमारकोम और अलेप्पी बीच यहां के मुख्य आकर्षण हैं।

क्यों जाएं?
हाउसबोट में रहने का अनूठा अनुभव
प्रकृति के बीच शांत वातावरण

केरल के स्वादिष्ट सीफूड का आनंद

लद्दाख– भारत का मूनलैंड

लद्दाख की खूबसूरती देखकर ऐसा लगता है जैसे आप किसी दूसरे ग्रह पर आ गए हों। नुब्रा वैली, पैंगोंग लेक और खारदुंग ला पास यहां के मुख्य पर्यटन स्थल हैं। यहां की बर्फीली चोटियां और बौद्ध मठ आपको तिब्बत या नेपाल जैसा अनुभव देंगे।

जयपुर आकर्षण का केंद्र बनके पहली पसंद पर्यटकों के लिए

इस देश ने कहा बिना वीजा के आओ अब यहां...बस फिर जेब में रख लें इतने पैसे

फिलीपींस देश अब भारतीयों के लिए फ्री वीजा का ऑफर लेकर आया है, अब यहां आप घूमने के लिए बजट फ्रेंडली तरीके जा सकते हैं। यहां आप खाने से लेकर होटल तक सब कुछ बजट में ले सकते हैं।

भारत में रहने वाले लोग देश-विदेश में घूमने का शौक रखते हैं, लेकिन कम बजट और वीजा ना मिलने की वजह से हम अपना प्लान कैंसिल कर देते हैं और घूम-फिरकर किसी आसपास की जगह पर निकल जाते हैं। ऐसे में लोग भारत के बाहर की उन जगहों के बारे में पढ़ते या सर्च करते रहते हैं, जिन्हें वे कम बजट में और बिना वीजा के घूमना चाहते हैं। वैसे तो भारतीयों के लिए कई देश अब वीजा फ्री एंट्री देते हैं, लेकिन जानकर खुशी होगी कि इस लिस्ट में अब एक और देश शामिल हो चुका है।

जी हां, हम बात कर रहे हैं फिलीपींस देश की, जहां जाने के लिए अब भारतीयों को वीजा की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे ना केवल ट्रेवल आसान बनता है बल्कि तय बजट में घूमने वालों के लिए भी बेहतरीन मौका मिलता है। अब अगर आप इस देश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो चलिए आपको बताते हैं आखिर कितने बजट में आप सब कुछ यहां कर सकते हैं।

भारत से फिलीपींस देश के लिए फ्लाइट

फ्लाइट्स में अक्सर ट्रेवल बजट का आधा हिसस लग जाता है। ज्यादातर भारतीय यात्री फिलीपींस के राजधानी शहर मनीला या दूसरे सबसे बड़े शहर सेबू के लिए फ्लाइट लेते हैं। बता दें, टिकट की कीमत बुकिंग के समय, यात्रा के मौसम और स्टॉपओवर (रुकाव) पर निर्भर करती है।

ऑफ-सीजन में रिटर्न इकॉनॉमी टिकटः 25,000 - 35,000रु

पीक सीजन (दिसंबर–फरवरी, अप्रैल–मई) में रिटर्न टिकटः 40,000 - 60,000रु

इन रूट्स पर उड़ान भरने वाली एयरलाइंसः फिलीपींस एयरलाइंस (सीधी), सिंगापुर एयरलाइंस, एयर एशिया, स्कूट, थाई एयरवेस।

टिपः आप वन स्टॉप वाली फ्लाइट्स चुनें, ये अक्सर सस्ती पड़ती हैं। और टिकट कम से कम 6 से 8 हफ्ते पहले बुक करें ताकि फिलीपींस ट्रिप आपको कम खर्चे का पड़े।

रहना भी आपके खर्चे पर असर डाल सकता है। फिलीपींस में आपको हर तरह की सुविधा मिलती है, सस्ते डॉर्म और होमस्टे से लेकर बीच के किनारे वाले रिसॉर्ट और स्टाइलिश होटल तक। लेकिन हर जगह की कीमत अलग-अलग पड़ेगी, जैसे कि बोराके और एल नीडो जैसे टूरिस्ट प्लेस महंगे होते हैं, जबकि डुमागेटे या इलोइलो जैसे छोटे शहरों में रहना सस्ता पड़ता है।

बजट हॉस्टल या गेस्टहाउसः 1,500 - 3,000रु प्रति रात

मिड-रेंज होटलः 3,500 - 7,000रु प्रति रात

लग्जरी रिसॉर्टः 9,000 - 20,000 या इससे ऊपर प्रति रात

टिपः होटल बुकिंग साइट्स का इस्तेमाल करें जो कैशबैक या रिवॉर्ड पॉइंट देती हो। साथ ही हिडन चार्जेस (जैसे रिसॉर्ट फीस या ब्रेकफास्ट शामिल है या नहीं) जरूर चेक कर लें।

फूड और डाइनिंग के लिए खर्च

फिलीपींस में खाना स्वादिष्ट होने के साथ-साथ किफायती भी है। यहां आपको सड़क किनारे बारबेक्यू स्टॉल्स से लेकर ताजा सीफूड वाले रेस्तरां तक कई विकल्प मिलेंगे। आपके खाने का खर्च इस बात पर निर्भर करेगा कि आप कहां और कैसे खाते हैं।

सस्ता खाना (लोकल कैफे और स्ट्रीट फूड): 600 - 1,000रु प्रति दिन

मिड-रेंज रेस्टोरेंट (शहर के डाइनर और मॉल): 1,200 - 2,000रु प्रति दिन

फाइन डाइनिंग (रिसॉर्ट या लग्जरी होटल): 3,000+ प्रति खाना

टिपः अगर बजट में खाना चाहते हैं तो फूड कोर्ट जा सकते हैं, ये भरपेट खाने के लिए अच्छे और सस्ते होते हैं।

लोकल ट्रांसपोर्ट खर्च

यातायात आमतौर पर सस्ता है, लेकिन जब आप एक द्वीप से दूसरे द्वीप की यात्रा करते हैं या प्राइवेट गाड़ी किराए पर लेते हैं, तो खर्च बढ़ सकता है। लोकल ट्रांसपोर्ट के ऑप्शंस में जीपनी, ट्राइसिकल, राइड-हेलिंग ऐप (जैसे Grab), फेरी जैसे ऑप्शन पर जा सकते हैं।

लोकल ट्रांसपोर्ट (बस, जीपनी, फेरी): 300 से 700 रु प्रति दिन

द्वीपों के बीच फेरी या घरेलू फ्लाइटः 1,000 से 3,000रु प्रति ट्रांसफर

टिपः एयरपोर्ट की टैक्सी लेने से बचें और उसकी बजाय Grab ऐप का इस्तेमाल करें,

भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली EV बैटरियाँ और निर्माता

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की मौजूदगी के कारण ऑटोमोबाइल बाजार में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। कई घरेलू ईवी बैटरी कंपनियां लंबे समय से इस क्षेत्र में हैं। हालांकि, कुछ नई कंपनियों ने भी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी बाजार में अपनी पहचान बनाने के लिए इस क्षेत्र में कदम रखा है।

यहां भारत में सबसे अधिक बिकने वाली कुछ ईवी बैटरियां और निर्माता हैं।

एक्साइड इंडस्ट्रीज

एक्साइड इंडस्ट्रीज, नाम ही सब कुछ बयां कर देता है। बैटरी निर्माण बाजार में यह बहुत लोकप्रिय है। इनका मुख्यालय कोलकाता में है, जो एसिड-लेड बैटरी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के भारत के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। एक्साइड इंडस्ट्रीज ने घरेलू और वैश्विक बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लागत प्रभावी लेकिन टिकाऊ लिथियम-आयन बैटरी बनाने के लिए कई संभावित बैटरी डेवलपर्स के साथ सहयोग किया है।

मारुति सुजुकी

जापानी ऑटोमोटिव निर्माता, आपूर्तिकर्ता और सुजुकी की सहायक कंपनी। वे भारतीय ऑटोमोटिव क्षेत्र में विश्वसनीय नामों में से एक हैं। कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण शुरू कर दिया है और ऊर्जा भंडारण बैटरी के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित कर रही है। मारुति सुजुकी दो अन्य प्रतिष्ठित नामों, तोशिबा और डेंसो के साथ सहयोग करती है। ये कंपनियाँ कुशल इलेक्ट्रिक वाहन बनाने की चुनौतियों और चिंताओं को दूर करने की कोशिश कर रही हैं।

टाटा समूह

टाटा समूह, नाम से ही सब कुछ पता चल जाता है। बेहतरीन भारतीय ऑटोमोटिव क्षेत्र में कई कारें और भारी-भरकम वाहन हैं। ऑटोमोटिव उद्योग के अलावा, टाटा समूह ने अपने बिजली उत्पादन और इस्पात निर्माण व्यवसाय में भी विविधता लाई है। चूंकि कंपनी इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी निर्माण के लिए प्रभावी समाधान प्रदान करने पर विचार कर रही है, इसलिए उन्होंने देश भर में लिथियम-आयन बैटरी-उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिए इसरो के साथ साझेदारी की है।

हीरो मोटर्स

हीरो मोटोकॉर्प उर्फ हीरो होंडा, भारत में अग्रणी दोपहिया वाहन ब्रांड है। वे दशकों से दोपहिया क्षेत्र पर विजय प्राप्त कर रहे हैं। हीरो मोटोकॉर्प अब रणनीतिक निवेश के माध्यम से ईवी बाजार में प्रवेश कर रहा है और उसने ईवी के निर्माण के लिए तमिलनाडु में एक नई सुविधा स्थापित की है। इसके अलावा, कंपनी लिथियम-आयन बैटरी बाजार पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

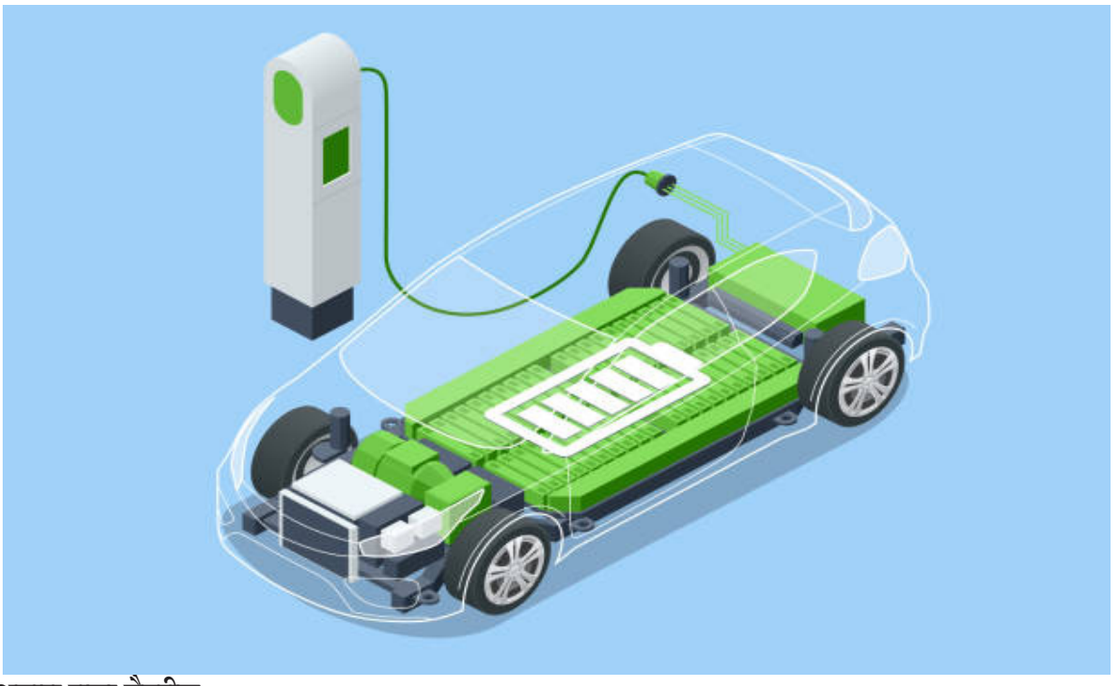

अमारा राजा बैटरीज़

अमरोन भारत में एक प्रसिद्ध बैटरी निर्माता है। अमरा राजा बैटरीज भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। टाटा समूह की तरह, अमरा राजा बैटरीज ने बैटरी निर्माण के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में कदम रखा है और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम-आयन बैटरी बनाने के लिए इसरो के साथ सहयोग किया है।

कितने तरह की होती है बैटरी? EV के लिए बेहतर कौन, यहां जानें पूरी डिटेल

EV Battery: ईवी खरीदने से पहले उसमें लगी बैटरी के बारे में जानना ग्राहक के लिए एक फायदेमंद सौदा साबित हो सकता है। क्योंकि बेहतर बैटरी एक लॉन्ग लाइफ ईवी की गारंटी देती है। भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री काफी अच्छी ग्रोथ कर रही है। इंडस्ट्री के लिए सरकार की तरफ से समर्थन, अनुकूल व्यावसायिक परिस्थितियों और तेजी से बढ़ती टेक्नोलॉजी ऐसे कारण है जिससे यह सेक्टर ग्रोथ कर रहा है। वाहन के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2023 वित्तीय वर्ष के दौरान भारत में ईवी की बिक्री 10 लाख के आंकड़े को पार कर गई है, जो 155% की असाधारण साल-दर-साल वृद्धि को प्रदर्शित करती है। यह ग्रोथ सुझाव देती है कि भारत 2030 तक ईवी बिक्री के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के रास्ते पर है। जैसे-जैसे ईवी एक स्थायी वातावरण बनाने और मौसम परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं, वैसे-वैसे बैटरी के प्रकार और उनकी रासायनिक संरचना का चुनाव इंडस्ट्री के हितधारकों के लिए भी एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है।

ईवी में बैटरियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जो वाहन के मूल्य के 30% से 40% के बराबर होती है। इसके अलावा ग्राहकों के लिए ईवी खरीदने के लिए मुख्य मानदंड जैसे की सुरक्षा, रेंज और लागत है जो सीधे तौर पर बैटरी पर निर्भर करते हैं। यही कारण है कि वाहन निर्माता उस प्रकार की बैटरी पर वार्तालाप और बात कर रहे हैं जो बाजार की जरूरतों को पूरा कर सके। दो मुख्य लीथियम -आधारित बैटरी मुख्य रूप में उभरे हैं। ये हैं LFP (लीथियम आयरन फॉस्फेट) और NMC (निकल मैंगनीज कोबाल्ट)। आइए समझते हैं कि ये दोनों क्या होती हैं?

LFP और NMC में क्या है अंतर

इसमें कोई शक नहीं है कि सेफ्टी, ड्यूरेबिलिटी और बैटरी लाइफ के लिहाज से लीथियम आधारित बैटरी पारंपरिक लेड-एसिड बैटरी से कहीं अधिक बेहतर हैं। ओकाया ईवी के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर अंशुल गुप्ता कहते हैं कि लीथियम-आयन बैटरी 125–600+ Wh/L का ऊर्जा घनत्व प्राप्त करती हैं, जो लेड-एसिड बैटरी के 50–90 Wh/L से काफी अधिक है। इसी तरह समान मात्रा में ऊर्जा उपयोग के लिए लीथियम-आयन बैटरी लीड-एसिड बैटरी की तुलना में 8-10 गुना अधिक समय तक चल सकती हैं। नए युग के वाहन निर्माता लीथियम-आधारित तकनीक को अपना रहे हैं, जिनमें LFP और NMC प्रकार की बैटरी महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में उभरी हैं। चूंकि इन बैटरियों में चार्ज होने की स्थिति में इलेक्ट्रोलाइट के माध्यम से कैथोड से एनोड तक लीथियम आयन प्रवाहित होते हैं, ये दोनों एक जैसे ही हैं, लेकिन अगर हम गहराई में जाएं, तो ऐसा नहीं है।

कैथोड सामग्री की विशेषताएं इन बैटरियों के बीच अंतर करने की अनुमति देती हैं। लीथियम निकल मैंगनीज कोबाल्ट ऑक्साइड (LiNiMnCoO2) एनएमसी बैटरी में प्रयुक्त कैथोड सामग्री है। इसके विपरीत, LFP, या LiFePO4, बैटरी कैथोड सामग्री के रूप में लीथियम फेरस फॉस्फेट का उपयोग करती हैं। रासायनिक संघटन (कैमिकल कंपोजिशन) के आधार पर LiNiMnCoO2 और LiFePO4 में इस अंतर को बताया गया है, लेकिन ये एकमात्र कारक नहीं हैं जो यह निर्धारित कर सकते हैं कि किसका पलड़ा भारी है। प्रासंगिक बैटरी को निर्धारित करने के लिए इसे सुरक्षा, ड्यूरेबिलिटी, परफॉर्मेंस और सस्टेनेबिलिटी जैसे कई कारकों के आधार पर तय किया जाना चाहिए।

सेफ्टी के पैमाने पर कितना ठीक?

ईवी खरीदते समय ग्राहक का सबसे पहले विचार सेफ्टी की तरफ जाता है। क्योंकि बैटरी उच्च वोल्टेज पर काम करती हैं, तो यह स्पष्ट है कि ये उच्च तापमान तक पहुंच सकती है। यही कारण है कि सुरक्षा एक महत्वपूर्ण कारक है। जिसमें रासायनिक (कैमिकल) और तापीय स्थिरता (थर्मल स्टेबिलिटी) दोनों शामिल हैं। LFP बैटरियों में 270 C पर हाई थर्मल (उच्च तापीय) रनअवे होता है, जबकि NMC बैटरियों में 210 C पर निम्न तापीय रनअवे होता है, जो पहले वाले को अधिक सुरक्षित बनाता है। नतीजतन, एलएफपी (LFP) बैटरी उच्च तापमान पर आग नहीं पकड़ती हैं, जो भारत में जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए विशेष रूप से प्रासंगिक है। इसके अलावा, LFP बैटरियों में कैथोड पर फॉस्फेट, एनोड के रूप में मेटल बैकिंग और इलेक्ट्रोड के रूप में ग्रेफाइट कार्बन होता है, जो उन्हें NMC की तुलना में अधिक रासायनिक रूप से स्थिर बनाता है।

साइबर सुरक्षा क्या है? परिभाषा, प्रकार, खतरे और सुझाव

साइबर सुरक्षा कंप्यूटर, सर्वर, मोबाइल डिवाइस, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, नेटवर्क और डेटा को दुर्भावनापूर्ण हमलों से बचाने का अभ्यास है। इसे सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा या इलेक्ट्रॉनिक सूचना सुरक्षा के रूप में भी जाना जाता है।

शब्द "साइबर सुरक्षा" व्यवसाय से लेकर मोबाइल कंप्यूटिंग तक विभिन्न संदर्भों में लागू होता है, और इसे कुछ सामान्य श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। नेटवर्क सुरक्षा एक कंप्यूटर नेटवर्क को घुसपैठियों से सुरक्षित रखने की प्रक्रिया है, चाहे वे लक्षित हमलावर हों या अवसरवादी मैलवेयर।एप्लीकेशन सुरक्षा सॉफ्टवेयर और डिवाइस को खतरों से मुक्त रखने पर केंद्रित है। एक समझौता किया गया एप्लीकेशन उस डेटा तक पहुंच प्रदान कर सकता है जिसे सुरक्षित रखने के लिए इसे डिज़ाइन किया गया है। सफल सुरक्षा डिज़ाइन चरण में शुरू होती है, किसी प्रोग्राम या डिवाइस को तैनात करने से बहुत पहले। सूचना सुरक्षा भंडारण और पारगमन दोनों में डेटा की अखंडता और गोपनीयता की रक्षा करती है। परिचालन सुरक्षा में डेटा परिसंपत्तियों को संभालने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रक्रियाएं और निर्णय शामिल हैं। नेटवर्क तक पहुँचने के दौरान उपयोगकर्ताओं के पास जो अनुमतियाँ होती हैं और प्रक्रियाएँ जो यह निर्धारित करती हैं कि डेटा को कैसे और कहाँ संग्रहीत या साझा किया जा सकता है, वे सभी इस छत्र के अंतर्गत आते हैं। आपदा रिकवरी और व्यवसाय निरंतरता यह परिभाषित करती है कि कोई संगठन साइबर-सुरक्षा घटना या किसी अन्य घटना पर कैसे प्रतिक्रिया करता है जो संचालन या डेटा के नुकसान का कारण बनती है। आपदा रिकवरी नीतियाँ यह निर्धारित करती हैं कि संगठन अपने संचालन और सूचना को कैसे पुनर्स्थापित करता है ताकि घटना से पहले की समान परिचालन क्षमता पर वापस आ सके। व्यवसाय निरंतरता वह योजना है जिस पर संगठन कुछ संसाधनों के बिना संचालन करने का प्रयास करते समय वापस आ जाता है। अंतिम उपयोगकर्ता शिक्षा सबसे अप्रत्याशित साइबर-सुरक्षा कारक को संबोधित करती है: लोग। कोई भी व्यक्ति अच्छी सुरक्षा प्रथाओं का पालन न करके गलती से किसी सुरक्षित सिस्टम में वायरस ला सकता है। उपयोगकर्ताओं को संदिग्ध ईमेल अटैचमेंट को हटाना, अज्ञात USB ड्राइव को प्लग इन न करना और कई अन्य महत्वपूर्ण सबक सिखाना किसी भी संगठन की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

साइबर खतरे का पैमाना

वैश्विक साइबर खतरा तेजी से बढ़ रहा है, हर साल डेटा उल्लंघनों की संख्या बढ़ रही है। रिस्कबेस्ड सिक्योरिटी की एक रिपोर्ट से पता चला है कि अकेले 2019 के पहले नौ महीनों में डेटा उल्लंघनों के कारण 7.9 बिलियन रिकॉर्ड उजागर हुए हैं। यह आंकड़ा 2018 में इसी अवधि में उजागर हुए रिकॉर्ड की संख्या से दोगुना (112%) से भी अधिक है।

चिकित्सा सेवाओं, खुदरा विक्रेताओं और सार्वजनिक संस्थाओं ने सबसे अधिक उल्लंघनों

का अनुभव किया, जिसमें अधिकांश घटनाओं के लिए दुर्भावनापूर्ण अपराधी जिम्मेदार थे। इनमें से कुछ क्षेत्र साइबर अपराधियों के लिए अधिक आकर्षक हैं क्योंकि वे वित्तीय और चिकित्सा डेटा एकत्र करते हैं, लेकिन नेटवर्क का उपयोग करने वाले सभी व्यवसाय ग्राहक डेटा, कॉर्पोरेट जासूसी या ग्राहक हमलों के लिए लक्षित हो सकते हैं। साइबर खतरे के बढ़ते पैमाने के साथ, साइबर सुरक्षा समाधानों पर वैश्विक खर्च स्वाभाविक रूप से बढ़ रहा है। गार्टनर का अनुमान है कि 2023 में साइबर सुरक्षा खर्च 188.3 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा और 2026 तक वैश्विक स्तर पर 260 बिलियन डॉलर को पार कर जाएगा। दुनिया भर की सरकारों ने बढ़ते साइबर खतरे का जवाब देते हुए संगठनों को प्रभावी साइबर-सुरक्षा प्रथाओं को लागू करने में मदद करने के लिए मार्गदर्शन दिया है।

अमेरिका में, राष्ट्रीय मानक और प्रौद्योगिकी संस्थान (NIST) ने एक साइबर-सुरक्षा ढांचा बनाया है । दुर्भावनापूर्ण कोड के प्रसार से निपटने और शुरुआती पहचान में सहायता के लिए, यह ढांचा सभी इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की निरंतर, वास्तविक समय की निगरानी की सिफारिश करता है।

सिस्टम मॉनिटरिंग का महत्व " साइबर सुरक्षा के लिए 10 कदम " में प्रतिध्वनित होता है, जो यूके सरकार के राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा केंद्र द्वारा प्रदान किया गया मार्गदर्शन है। ऑस्ट्रेलिया में, ऑस्ट्रेलियाई साइबर सुरक्षा केंद्र (ACSC) नियमित रूप से मार्गदर्शन प्रकाशित करता है कि संगठन नवीनतम साइबर-सुरक्षा खतरों का मुकाबला कैसे कर सकते हैं।

साइबर खतरों के प्रकार

साइबर सुरक्षा द्वारा सामना किये जाने वाले खतरे तीन प्रकार के हैं:

1. साइबर अपराध में एकल अभिनेता या समूह द्वारा वित्तीय लाभ के लिए या व्यवधान उत्पन्न करने के लिए सिस्टम को लक्ष्य बनाना शामिल है।

2. साइबर हमले में अक्सर राजनीति से प्रेरित सूचना एकत्र करना शामिल होता है।

3. साइबर आतंकवाद का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों को कमजोर करके आतंक या भय पैदा करना है। तो, दुर्भावनापूर्ण अभिनेता कंप्यूटर सिस्टम पर नियंत्रण कैसे प्राप्त करते हैं? साइबर सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ सामान्य तरीके यहां दिए गए हैं:

मैलवेयर

मैलवेयर का मतलब है दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर। सबसे आम साइबर खतरों में से एक, मैलवेयर एक ऐसा सॉफ़्टवेयर है जिसे साइबर अपराधी या हैकर ने किसी वैध उपयोगकर्ता के कंप्यूटर को बाधित या नुकसान पहुँचाने के लिए बनाया है। अक्सर एक अनचाहे ईमेल अटैचमेंट या वैध दिखने वाले डाउनलोड के माध्यम से फैलने वाले मैलवेयर का इस्तेमाल साइबर अपराधियों द्वारा पैसे कमाने या राजनीतिक रूप से प्रेरित साइबर हमलों में किया जा सकता है।

मैलवेयर कई प्रकार के होते हैं, जिनमें शामिल हैं:

वायरस: एक स्व-प्रतिकृति प्रोग्राम जो स्वयं को साफ फाइल से जोड़ता है और पूरे कंप्यूटर सिस्टम में फैल जाता है, तथा फाइलों को दुर्भावनापूर्ण कोड से संक्रमित कर देता है।

ट्रोजन : एक प्रकार का मैलवेयर जो वैध सॉफ़्टवेयर के रूप में प्रच्छन्न होता है। साइबर अपराधी उपयोगकर्ताओं को धोखा देकर उनके कंप्यूटर पर ट्रोजन अपलोड कर देते हैं, जहाँ वे नुकसान पहुँचाते हैं या डेटा एकत्र करते हैं।

स्पाइवेयर: एक प्रोग्राम जो उपयोगकर्ता द्वारा किए गए कार्यों को गुप्त रूप से रिकॉर्ड करता है, ताकि साइबर अपराधी इस जानकारी का उपयोग कर सकें। उदाहरण के लिए, स्पाइवेयर क्रेडिट कार्ड विवरण प्राप्त कर सकता है।

रैनसमवेयर: मैलवेयर जो उपयोगकर्ता की फ़ाइलों और डेटा को लॉक कर देता है, तथा फिरौती न दिए जाने पर उसे मिटा देने की धमकी देता है। **एडवेयर**: विज्ञापन सॉफ्टवेयर जिसका उपयोग मैलवेयर फैलाने के लिए किया जा सकता है। बॉटनेट: मैलवेयर से संक्रमित कंप्यूटरों का नेटवर्क जिसका उपयोग साइबर अपराधी उपयोगकर्ता की अनुमति के बिना ऑनलाइन कार्य करने के लिए करते हैं।

एसक्यूएल इंजेक्शन

SQL (संरचित भाषा क्वेरी) इंजेक्शन एक प्रकार का साइबर हमला है जिसका उपयोग डेटाबेस पर नियंत्रण करने और उससे डेटा चुराने के लिए किया जाता है। साइबर अपराधी डेटा-संचालित अनुप्रयोगों में कमज़ोरियों का फ़ायदा उठाते हुए दुर्भावनापूर्ण SQL कथन के माध्यम से डेटाबेस में दुर्भावनापूर्ण कोड डालते हैं। इससे उन्हें डेटाबेस में मौजूद संवेदनशील जानकारी तक पहुँच मिल जाती है।

फ़िशिंग

फ़िशिंग तब होता है जब साइबर अपराधी पीड़ितों को ईमेल के ज़रिए निशाना बनाते हैं जो किसी वैध कंपनी से आते हैं और संवेदनशील जानकारी मांगते हैं। फ़िशिंग हमलों का इस्तेमाल अक्सर लोगों को धोखा देकर क्रेडिट कार्ड डेटा और अन्य व्यक्तिगत जानकारी देने के लिए किया जाता है।

मैन-इन-द-मिडिल अटैक

मैन-इन-द-मिडल अटैक एक प्रकार का साइबर खतरा है, जिसमें साइबर अपराधी डेटा चुराने के लिए दो व्यक्तियों के बीच संचार को बाधित करता है। उदाहरण के लिए, असुरक्षित WiFi नेटवर्क पर, हमलावर पीड़ित के डिवाइस और नेटवर्क से भेजे जा रहे डेटा को बाधित कर सकता है।

सेवा अस्वीकार हमला

डिनायल-ऑफ-सर्विस अटैक वह होता है जिसमें साइबर अपराधी नेटवर्क और सर्वर पर ट्रैफिक का दबाव डालकर कंप्यूटर सिस्टम को वैध अनुरोधों को पूरा करने से रोकते हैं। इससे सिस्टम अनुपयोगी हो जाता है, जिससे संगठन महत्वपूर्ण कार्य करने से वंचित हो जाता है।

नवीनतम साइबर खतरे

वे नवीनतम साइबर खतरे क्या हैं जिनसे व्यक्तियों और संगठनों को सावधान रहने की आवश्यकता है? यहाँ कुछ नवीनतम साइबर खतरे दिए गए हैं जिनके बारे में यू.के., यू.एस. और ऑस्ट्रेलियाई सरकारों ने रिपोर्ट दी है।

ड्राइडेक्स मैलवेयर

दिसंबर 2019 में, अमेरिकी न्याय विभाग (DoJ) ने एक संगठित साइबर-आपराधिक समूह के नेता पर वैश्विक ड्राइडेक्स मैलवेयर हमले में उनकी भूमिका के लिए आरोप लगाया । इस दुर्भावनापूर्ण अभियान ने दुनिया भर में जनता, सरकार, बुनियादी ढांचे और व्यापार को प्रभावित किया।

ड्राइडेक्स एक वित्तीय ट्रोजन है जिसमें कई तरह की क्षमताएं हैं। 2014 से पीड़ितों को प्रभावित करने वाला यह फ़िशिंग ईमेल या मौजूदा मैलवेयर के ज़रिए कंप्यूटर को संक्रमित करता है। पासवर्ड, बैंकिंग विवरण और व्यक्तिगत डेटा चुराने में सक्षम, जिसका इस्तेमाल धोखाधड़ी वाले लेन-देन में किया जा सकता है,

घर बैठे डिजिटल मार्केटिंग के गुण सीखें और पाएं लाखों का पैकेज

घर बैठे डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाने और लाखों का पैकेज पाने के लिए, आपको डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न पहलुओं जैसे SEO, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ईमेल मार्केटिंग और कंटेंट मार्केटिंग का ज्ञान होना चाहिए। आप ऑनलाइन कोर्सेज, वेबिनार और YouTube वीडियो के माध्यम से यह ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदमः

1. डिजिटल मार्केटिंग के मूल सिद्धांतों को समझेंः

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (SEO), सोशल मीडिया मार्केटिंग, ईमेल मार्केटिंग और कंटेंट मार्केटिंग की बुनियादी बातों को जानें।

2. ऑनलाइन डिजिटल मार्केटिंग कोर्स करेंः

कई ऑनलाइन प्लेटफार्म ऐसे हैं जो डिजिटल मार्केटिंग में कोर्स कराते हैं, जैसे कि CIIM।

3. अपने कौशल का अभ्यास करेंः

अपनी खुद की वेबसाइट पर या किसी ग्राहक के लिए काम करके अपने कौशल का अभ्यास करें।

4. डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी में काम करेंः

डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी में काम करने से आपको विभिन्न प्रकार के डिजिटल मार्केटिंग रणनीतियों और तकनीकों का अनुभव मिलेगा।

5. अपनी नेटवर्क का विस्तार करेंः

अन्य डिजिटल मार्केटिंग पेशेवरों से जुड़ें और उनसे सीखें।

6. अपना पोर्टफोलियो बनाएंः

अपने काम के उदाहरणों को प्रदर्शित करें ताकि संभावित नियोक्ता या ग्राहक आपके कौशल को देख सकें।

डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाने के फायदेः

घर से काम करने की सुविधाः

डिजिटल मार्केटिंग में आप घर से काम कर सकते हैं, जिससे आपको यात्रा करने की आवश्यकता नहीं होती है और आप अपने काम के घंटे खुद तय कर सकते हैं।

अधिक आय की संभावनाः

डिजिटल मार्केटिंग में कौशल और अनुभव के साथ, आप अच्छी आय कमा सकते हैं।

स्वतंत्रताः

डिजिटल मार्केटिंग में आप अपने स्वयं के मालिक बन सकते हैं और अपने करियर को अपनी इच्छा के अनुसार आकार दे सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाने के लिए कुछ सुझावः

नई तकनीकों और ट्रेंडों को जानेंः

डिजिटल मार्केटिंग लगातार बदल रहा है, इसलिए आपको नई तकनीकों और ट्रेंडों को जानने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

अपने कौशल को अपडेट करेंः

डिजिटल मार्केटिंग में कौशल को अपडेट करने के लिए ऑनलाइन कोर्सेज, वेबिनार और अन्य अवसरों का उपयोग करें।

अपने नेटवर्क का विस्तार करेंः

अन्य डिजिटल मार्केटिंग पेशेवरों से जुड़ें और उनसे सीखें।

डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाने के लिए समर्पण, निरंतर सीखने की इच्छा और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। लेकिन, अगर आप इन बातों का ध्यान रखते हैं, तो आप डिजिटल मार्केटिंग में एक सफल करियर बना सकते हैं और लाखों का पैकेज प्राप्त कर सकते हैं। आज के समय में पूरी दुनिया में इंटरनेट का इस्तेमाल दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग से दुनियाभर के बाजारों को डिजिटलाइजेशन की ओर उन्मुख कर दिया है। यही वजह है कि वर्तमान समय में डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाने वाले युवाओं को ना केवल आकर्षक सैलरी वाली नौकरी मिल रही है बल्कि यहां करियर में ग्रोथ की अच्छी संभावनाएं भी मौजूद हैं। इस क्षेत्र में पुरुषों के साथ वर्किंग और घरेलू पढ़ी-लिखी महिलाएं भी घर बैठे काम कर पैसा कमा रही हैं। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं जिनमें महिलाओं ने घर से काम करते हुए एंटरप्रिन्योर बन गईं और खुद के ब्रांड बना लिए। अगर घर-परिवार की जिम्मेदारियों के कारण नौकरी करना संभव ना हो तो भी घर बैठे वे डिजिटल मार्केटिंग के जरिए अपने काम को आगे बढ़ा सकती हैं और कामयाब बिजनेस वुमन बनकर उभर सकती हैं। युवा और घरेलू महिलाएं भी डिजिटल मार्केटिंग के गुर सीख सकें, इसी बात को ध्यान में रखकर सफलता डॉट कॉम की एक्सपर्ट टीम ने एक स्पेशल कोर्स डिजाइन किया है जो काफी किफायती भी है। इस कोर्स का मकसद नौजवान से लेकर घरेलू महिलाओं को डिजिटल मार्केटिंग के गुर सिखाना और उन्हें रोजगार के अवसर मुहैया कराना है। आप Digital Marketing Course पर क्लिक कर इस कोर्स का हिस्सा बन सकते हैं।

प्रोग्राम के फायदे

डिजिटल मार्केटिंग प्रोग्राम के अंतर्गत सबसे पहले आपको अपने टार्गेट ऑडियंस को पहचानना होता है और फिर उनके चुनाव के अनुसार सेवाओं को तकनीकी सहजता से उपलब्ध कराना होता है। इसमेंकॉस्टमर को लेकर जानकारी होना बेहद ही जरूरी है, जिसे टार्गेट कस्टमर कहते हैं। यह कस्टमर डिटिजिल मार्केटिंग को लेकर कितना अवेयरर हैं, उसके सामने क्या-क्या विकल्प हैं और उसका अब तकका डिजिटल मार्केटिंग का तजुर्बा कैसा रहा है। इन तमाम चीजों पर कस्टमर से बात कर तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचना सबसे बड़ी चुनौती होती है। इस करियर में होने का एक बड़ा फायदा यह भी है किउम्मीदवार घर बैठे अपने करियर को भी आगे बढ़ा सकते हैं और अपने खाली समय का सदुपयोग कर शानदार पैसा कमा सकते हैं।

किन-किन क्षेत्रों में बना सकते हैं कॅरिअर

सोशल मीडिया मार्केटिंग एक्सपर्ट।
सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन एक्सपर्ट।
कॉन्टेन्ट मार्केटर।
फ़ेसबुक मार्केटर।
ईमेल मार्केटिंग।
इनबाउंड मार्केटिंग।
वेबएनालिटिक्स।

कहां-कहां बना सकते हैं भविष्य

इस फील्ड में कई सैक्टर्स जैसे कि बैंकिंग, टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी, आईटी, मीडिया, कंसल्टेंसी, मार्केट रिसर्च, पीएसयू, पीआर एडं एडवरटाइजिंग, मल्टी नेशनल कंपनियों आदि में अच्छी जॉब हासिल कीजा सकती है और सैलरी पैकेज भी अच्छा मिलता है। शुरुआती सैलरी 2 लाख से 4 लाख रु. के बीच होती है, लेकिन अनुभव बढ़ने के साथ-साथ इसमें अच्छा पैकेज मिलने की संभावना भी बढ़ती जातीहै। डिजिटल मार्केटिंग में विशेषज्ञता हासिल करने पर 2.5 लाख की मासिक सैलरी का पैकेज भी हासिल किया जा सकता है।

ये कोर्स बनाएगा डिजिटल मार्केटिंग का मास्टर

अगर आप भी एक शानदार नौकरी और करियर चाहते हैं और आपमें कुछ नया सीखने की चाह है तो बिना समय गवाएं Safalta.com द्वारा शुरू किए गए इस स्पेशल प्रोग्राम से जुड़ जाइए। इस कोर्स में अब तक सैकड़ों की संख्या में युवा जुड़ चुके हैं और मोटी तनख्वाह वाली सैलरी हासिल कर चुके हैं। आप सफलता डॉट कॉम पर विजिट कर या अपने फोन में सफलता ऐप डाउनलोड कर भी कोर्स का हिस्सा बन सकते हैं।

भारत में सर्वश्रेष्ठ एवं लाभदायक लघु उद्योग

प्राकृतिक संसाधनों के साथ-साथ बड़ी संख्या में कार्यबल से समृद्ध भारत उद्यमियों के लिए काफी अनुकूल स्थान है। जब हम देखते हैं कि कोई बड़ा व्यवसाय कैसे विकसित होता है, तो यह आमतौर पर एक छोटे और एकल स्थान का विस्तार होता है। उदाहरण के लिए, मार्क जुकरबर्ग ने अपने छात्रावास के कमरे में फेसबुक की शुरुआत की! हालाँकि, पूंजी और नेटवर्किंग अक्सर कई छोटे व्यवसायों के विकास में प्रमुख बाधाएँ साबित होती हैं। जबकि अधिकांश उद्यमशील उद्यम बड़ी उम्मीदों के साथ शुरू होते हैं, फंडिंग सफलता के लिए एक बड़ी बाधा के रूप में कार्य करती है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 लघु उद्योगों को एमएसएमई के रूप में परिभाषित और वर्गीकृत करता है। ये श्रेणियां विनिर्माण उद्योगों के मामले में संयंत्र और मशीनरी में निवेश के आधार पर और सेवा क्षेत्र के उद्योगों के मामले में उपकरणों में निवेश के आधार पर बनाई जाती हैं। आज, सरकार सब्सिडी और फंडिंग के माध्यम से इनमें से कई छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित करती है। इन लघु उद्योगों की भारत के द्वितीयक क्षेत्र में उनके द्वारा उत्पादित उत्पादों के कारण एक अपरिहार्य भूमिका है।

छोटे विनिर्माण व्यवसायों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इन्हें घर पर ही या ज़्यादा से ज़्यादा किराए की छोटी जगह पर शुरू किया जा सकता है। इसमें पूंजी निवेश बहुत कम होता है और इसमें बहुत ज़्यादा महंगी मशीनरी या उपकरण की ज़रूरत नहीं होती। यहाँ भारत के शीर्ष लघु उद्योगों की सूची दी गई है:

1. चॉकलेट

घर पर बनी चॉकलेट हमेशा से ही सभी उम्र के लोगों की पहली पसंद रही है। बड़ी संख्या में छोटे उद्योग, खास तौर पर हिल स्टेशन क्षेत्रों में, कई तरह की चॉकलेट बनाते हैं। मार्केट इंटेलिजेंस इंडस्ट्री मिंटेल ने अनुमान लगाया है कि 2020 के अंत तक भारत में चॉकलेट का बाजार करीब 172 अरब रुपये का हो जाएगा। प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के साथ, चॉकलेट अब विलासिता या विशेष वस्तु नहीं रह गई है, बल्कि औसत भारतीय इसे रोजाना खाता है।

2. पेपर नैपकिन और टॉयलेट रोल

भारत में सबसे तेजी से बढ़ते तीन क्षेत्रों में से भोजन, आतिथ्य और मनोरंजन में पेपर नैपकिन और टॉयलेट रोल का उपयोग तेजी से किया जा रहा है। 10 लाख के निवेश से शुरू की गई एक पेपर नैपकिन निर्माण इकाई सालाना लगभग 1 करोड़ रुपये का बिक्री कारोबार और सभी खर्चों के बाद लगभग 5-8 लाख का लाभ कमा सकती है। इन उद्योगों को आमतौर पर व्यवसाय को पंजीकृत करने के अलावा वैट पंजीकरण की भी आवश्यकता होती है।

3. सैनिटरी नैपकिन

सैनिटरी नैपकिन एनजीओ द्वारा संचालित लघु उद्योगों में सबसे लोकप्रिय विकल्पों में से एक है। यह कई ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को रोजगार प्रदान करने के साथ-साथ सुरक्षित और स्वच्छ मासिक धर्म के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करके दोतरफा लाभ प्रदान करता है। पैडमैन जैसी फिल्मों की रिलीज के माध्यम से ये उद्योग सिल्वर स्क्रीन पर भी ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इन उद्योगों की स्थापना के लिए इकाई के आकार, मशीनरी और कर्मचारियों की संख्या के आधार पर लगभग 3-35 लाख की आवश्यकता होगी।

4. मोमबत्ती बनाना

मोमबत्ती बनाने के उद्योग में पूंजी निवेश के रूप में लगभग 50,000 रुपये की आवश्यकता होती है । यह ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करके कई महिलाओं का समर्थन करता है। भारत में दीवाली से लेकर क्रिसमस तक कई उत्सवों में रोशनी और मोमबत्तियाँ एक अभिन्न अंग हैं। भारत में मोमबत्ती बनाने का उद्योग उत्पादन और विविधीकरण दोनों में तेज गति से बढ़ रहा है। मोमबत्तियाँ अब सीधे बेलनाकार आकार तक सीमित नहीं हैं, और अधिकांश उद्योग सुगंधित मोमबत्तियों की एक श्रृंखला का उत्पादन करते हैं।

5. फिनाइल बनाना

फिनाइल एक शीर्ष-रेटेड सफाई एजेंट है जिसका घरों, अस्पतालों, रेस्तरां और कारखानों में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। हालाँकि बाजार में विकल्प के रूप में कई उत्पादों की शुरूआत देखी गई है, फिनाइल सबसे लोकप्रिय रूप से इस्तेमाल की जाने वाली वस्तु बनी हुई है।

6. डिस्पोजेबल कप और प्लेट

भारत का पेपर कप बाजार 2020 में 265 बिलियन यूनिट की मात्रा तक पहुंच गया और 2021 और 2026 के बीच 2% की CAGR से बढ़ने की उम्मीद है। अनुमान है कि लघु उद्योग 2026 तक लगभग 295 बिलियन यूनिट की मात्रा तक पहुंच जाएगा । इस वृद्धि का श्रेय मुख्य रूप से COVI-19 महामारी के साथ-साथ औसत भारतीय की डिस्पोजेबल आय में वृद्धि को दिया जा सकता है।

7. आबकारी नोटबुक

पिछले कुछ सालों में एक्साइज नोटबुक का इस्तेमाल बढ़ता ही गया है। वित्तीय वर्ष 2010-2015 के बीच बाजार में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है, जिसमें राजस्व के मामले में दोहरे अंकों की सीएजीआर है ।

8. मसाले

भारतीय भोजन कई तरह के मसालों पर निर्भर करता है। इसलिए, मसालों की मांग हमेशा अधिक रहेगी। हालाँकि, भारत में मसाला बाजार इतना बड़ा है कि यह अंतरराष्ट्रीय जरूरतों को भी पूरा करता है। वित्तीय वर्ष 2020 में भारत से 3.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मसाले निर्यात किए गए। यह उद्योग अत्यधिक लाभदायक है और सालाना लगभग 40000 करोड़ की दर से बढ़ रहा है।

9. साबुन और तेल

जैविक उत्पादों को चुनने वाले लोगों की बढ़ती संख्या के साथ, साबुन और तेल बनाने वाले छोटे पैमाने के उद्योग बहुत अच्छी तरह से फल-फूल रहे हैं। रसायन मुक्त जीवनशैली की ओर पर्याप्त बदलाव के कारण आज कोल्ड-प्रेस्ड साबुन और तेलों की जबरदस्त मांग है। इसके अलावा, इनमें से कई छोटे उद्योग कई तरह की खुशबू प्रदान करते हैं, और कुछ तो कस्टमाइज्ड उत्पाद भी प्रदान करते हैं।

10. कपूर और अगरबत्ती

भारत दुनिया में अगरबत्ती का सबसे बड़ा उत्पादक है और कई अन्य देशों को उत्पादों का निर्यात करता है। अगरबत्ती या धूपबत्ती बाजार में अगले कुछ वर्षों में मात्रा के मामले में 8% से अधिक की CAGR के साथ वृद्धि होने की उम्मीद है। स्व-चिकित्सा के बढ़ते चलन के कारण भारतीयों में फार्मा ग्रेड कपूर की मांग भी बढ़ रही है। हालाँकि, भारत में इस्तेमाल होने वाले 98% कपूर का उपयोग धार्मिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

11. चिप्स और बिस्कुट

केले और आलू के चिप्स भारत में सबसे ज़्यादा खाए जाने वाले स्नैक्स में से एक हैं। वर्तमान में, उपनगर और छोटे शहर भी चिप्स उत्पादन के लिए मज़बूत बाज़ार बन रहे हैं। स्नैक फ़ूड बाज़ार का कुल आकार लगभग 45 से 50 बिलियन रुपये होने का अनुमान है, और बताया जाता है कि यह बाज़ार सालाना 7 से 8% की दर से बढ़ रहा है। स्नैक्स के उत्पादन को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है: भुजिया और चनाचूर जैसी पारंपरिक रेसिपी और चिप्स जैसी वैश्विक रेसिपी।

12. पापड़ और पकौड़े

पापड़ और फ्रिटर्स बनाने वाले उद्योग दक्षिण एशिया, खासकर भारत में महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए बेहद आकर्षक पहल हैं। पापड़ की शेल्फ लाइफ 2.5 से 3 महीने की होती है, और आप कई तरह के स्वादों में उत्पाद बना सकते हैं। बड़े खरीदार आमतौर पर हॉस्टल, होटल और रेस्तरां होते हैं। भारत में पापड़ का बाज़ार लगभग 1000 करोड़ का है।

13. सरल चिकित्सा आवश्यकताएँ

सर्जिकल मेडिकल उपकरण कुशल मेडिकल इंजीनियरों और विश्व स्तरीय उपकरणों का उपयोग करके उच्च-श्रेणी के सेटअप में उत्पादित किए जाते हैं। हालाँकि, अधिकांश सरल चिकित्सा आवश्यकताएँ, जैसे कि कॉटन स्वैब और सर्जिकल दस्ताने, छोटे पैमाने के उद्योगों में बनाए जाते हैं। इन उद्योगों की निगरानी की जाती है और खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा गुणवत्ता के लिए नियमित जाँच की जाती है। आप FDA से मंजूरी के बिना इन चिकित्सा आवश्यकताओं का उत्पादन या वितरण नहीं कर सकते।

14. कॉटेज पनीर

भारत में दूध और दही से लेकर पनीर जैसे प्रसंस्कृत उत्पादों तक डेयरी उत्पादों की कोई कमी नहीं है। गुणवत्तापूर्ण डेयरी उत्पादों के स्वास्थ्य लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ, कम वसा वाले डेयरी उत्पादों की जबरदस्त मांग है। कॉटेज चीज़ या जिसे आमतौर पर पनीर के रूप में जाना जाता है, व्यंजनों में सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले डेयरी उत्पादों में से एक है, खासकर उत्तर भारत में।हथकरघा उद्योग लघु उद्योगों की एक और बड़ी श्रृंखला है। लघु उद्योगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन उत्पादों की सामर्थ्य और गुणवत्ता के कारण वे फलते-फूलते रहते हैं। मेक इन इंडिया जैसी और पहलों के साथ, हम उम्मीद कर सकते हैं कि उद्योग आराम से समृद्ध होंगे।

भारतीय धान किसानों के लिए BASF ने लॉन्च किया वैलेक्सियो कीटनाशक और मिबेल्या फफूंदनाशक

BASF इंडिया ने दो अत्याधुनिक फसल सुरक्षा उत्पाद – वैलेक्सियो कीटनाशक (Valexio) और मिबेल्या फफूंदनाशक (Mibelya) – लॉन्च किए हैं, जो भारत की सबसे महत्वपूर्ण खाद्य फसल, धान के लिए विकसित किए गए हैं। ये दोनों नवाचार किसानों को कीट और रोगों से बेहतर सुरक्षा देने के साथ-साथ भारत की खाद्य सुरक्षा के राष्ट्रीय लक्ष्य में भी योगदान देंगे। इन उत्पादों से किसानों को धान के कीटों, विशेष रूप से हूपर की समस्या से निपटने और शीथ ब्लाइट जैसी बीमारियों के नियंत्रण में सहायता मिलेगी, जिससे उपज में वृद्धि की संभावना है।

जलवायु संकट के बीच एक अहम फसल का सहारा

भारत विश्व में चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 100 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक है। यह वैश्विक चावल व्यापार में लगभग 40 प्रतिशत का योगदान देता है। हालांकि, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते भारतीय धान किसानों को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अनियमित मौसम, सूखा, और हूपर जैसे कीटों की बढ़ती संख्या से पैदावार पर प्रतिकूल असर पड़ा है और गुणवत्ता में गिरावट आई है।

BASF के नए उत्पाद इन चुनौतियों से निपटने में किसानों के लिए एक ठोस सहारा साबित हो सकते हैं। वैलेक्सियो कीटनाशक अत्यधिक प्रभावी कीट नियंत्रण प्रदान करता है, जबकि मिबेल्या फफूंदनाशक धान की प्रमुख बीमारियों के नियंत्रण में मदद करता है, जिससे पौधों की सेहत बेहतर होती है और उत्पादन स्थिर रहता है।

Valexio: दीर्घकालिक सुरक्षा के साथ उन्नत कीट नियंत्रण

Valexio, BASF का नवीनतम कीटनाशक है, जो एशिया-पैसिफिक क्षेत्र के धान किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। BASF एग्रीकल्चरल सॉल्यूशंस के ग्लोबल स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग एवं सस्टेनेबिलिटी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मार्को ग्रोज़डानोविक ने कहा कि Valexio की भारत में लॉन्चिंग, BASF की धान प्रणाली के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

यह कीटनाशक धान हूपर के सभी हानिकारक जीवन चरणों पर प्रभावी नियंत्रण प्रदान करता है और इसका सक्रिय घटक मौजूदा बाजार मानकों के विरुद्ध किसी ज्ञात प्रतिरोध को उत्पन्न नहीं करता। परीक्षणों में यह भी पाया गया कि यह उत्पाद पौधों की संपूर्ण स्वास्थ्य स्थिति को बेहतर बनाता है — जिससे तना मजबूत होता है, पत्तियां चौड़ी होती हैं, जड़ें अधिक विकसित होती हैं, और पौधा अधिक उत्पादन देने में सक्षम होता है।

Mibelya: रोग नियंत्रण के लिए डुअल-एक्शन तकनीक

मानसून के मौसम में धान की फसलों पर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। BASF का नया फफूंदनाशक Mibelya अपने दो नवीन सक्रिय घटकों — Revysol और Xemium — की शक्ति से लैस है। यह डुअल-एक्शन उत्पाद शीथ ब्लाइट और डर्टी पैनिकल जैसे रोगों पर तेज़, गहरा और लंबे समय तक प्रभावी नियंत्रण प्रदान करता है।BASF एग्रीकल्चरल सॉल्यूशंस, एशिया-पैसिफिक के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सिमोन बार्ग ने कहा, "धान न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया के करोड़ों किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण फसल है। Valexio और Mibelya का आज का लॉन्च टिकाऊ कृषि के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। इन नवाचारों से किसानों को बेहतर प्रतिरोध प्रबंधन के साधन मिलेंगे, जो विश्व स्तरीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप हैं।"

किसानों को सशक्त बनाते नवाचार

BASF इंडिया के एग्रीकल्चरल सॉल्यूशंस बिज़नेस डायरेक्टर गिरीधर रणुवा ने इन तकनीकों को भारतीय किसानों के लिए उपलब्ध कराए जाने पर खुशी जताई। "मैंने जब-जब किसानों से बातचीत की, तो वे हमेशा पूछते थे कि आप मेरी उपज को कैसे सुरक्षित या बेहतर बना सकते हैं। Valexio और Mibelya के साथ हमारे पास अब ठोस समाधान हैं। मेरी टीम और मैं मिलकर सुनिश्चित करेंगे कि ये नवाचार हर किसान तक पहुंचे।"उन्होंने उन सभी प्राधिकरणों, वैज्ञानिकों और कृषि क्षेत्र के भागीदारों का आभार भी व्यक्त किया, जो किसानों की सेवा में BASF के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

आवारा पशु नहीं कर सकेंगे फसल नष्ट, राजस्थान सरकार ने शुरू की तारबंदी योजना

राजस्थान की सरकार ने किसानों के लिए तारबंदी योजना की शुरुआत की है। दरअसल राजस्थान के किसान आवारा पशुओं के कारण परेशान रहते है क्योंकि आवारा पशु खेतों में घुसकर फसल को नुकसान पहुंचा देते है लेकिन कई किसान ऐसे भी है जो आर्थिक परेशानी के कारण अपने खेतों में कंटीले तार नहीं लगा पाते है। ऐसे ही किसानों को वहां की सरकार अपनी योजना से लाभ दे रही है। राजस्थान के कई किसान आर्थिक तंगी के कारण अपने खेतों के चारों ओर बाड़ (तारबंदी) नहीं कर पाते, जिससे आवारा पशु खेत में घुसकर फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे किसानों की मदद के लिए कृषि विभाग ने यह योजना लागू की है। इस योजना के तहत किसानों को खेत के चारों ओर कंटीली तार की बाड़ लगाने के लिए सरकार आर्थिक सहायता देती है।

किसानों को सब्सिडी

छोटे व सीमान्त किसानः कुल लागत का 60%, अधिकतम 48,000 रुपए। अन्य किसानः कुल लागत का 50%, अधिकतम 40,000 रुपए तक। सामूहिक आवेदन (10 या अधिक किसान): कुल लागत का 70%, अधिकतम 56,000 रुपए प्रति किसान। अधिकतम 400 मीटर तक की तारबंदी की लागत पर सब्सिडी दी जाएगी।

योजना की पात्रता

सभी वर्ग के किसान इस योजना का लाभ ले सकते हैं। व्यक्तिगत किसान के पास कम से कम 5 हेक्टेयर जमीन एक ही स्थान पर होना चाहिए। जनजातीय क्षेत्रों में यह सीमा 5 हेक्टेयर है। सामूहिक आवेदन के लिए कम से कम 10 किसान और उनके पास कुल मिलाकर 5 हेक्टेयर भूमि होना आवश्यक है।

जरूरी दस्तावेज, आधार कार्ड, पहचान पत्र, भूमि के कागजात,राशन कार्ड, मोबाइल नंबर, पासपोर्ट साइज फोटो, पता प्रमाण पत्र, आवेदन प्रक्रिया सबसे पहले आधिकारिक पोर्टल (https://rajkisan.rajasthan.gov.in/Rajkisanweb/Kisan) पर जाएं। "Register" विकल्प पर क्लिक करें। Kantedar Tarbandi Yojana SSO रजिस्ट्रेशन पेज खुलेगा, जहां "Citizen" विकल्प चुनें। Jan Aadhaar या Google ID में से एक विकल्प चुनें।

इंदौर से शुरू हुई STIHL इंडिया की 'परिवर्तन यात्रा' - कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने की पहल

दौर से शुरू हुई STIHL इंडिया की 'परिवर्तन यात्रा' – कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने की पहल – STIHL इंडिया ने मध्य प्रदेश में कृषि यंत्रीकरण और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'परिवर्तन यात्रा' का शुभारंभ किया है। यह 45 दिवसीय अभियान कस्तूरबा ग्राम कृषि विकास केंद्र, इंदौर से रवाना हुआ, जहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों और STIHL इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। STIHL एक विश्वप्रसिद्ध जर्मन ब्रांड है, जो पिछले 95 वर्षों से उच्च गुणवत्ता वाले आउटडोर पावर टूल्स और उपकरणों के लिए जाना जाता है। इस अभियान के माध्यम से कंपनी किसानों को आधुनिक मशीनों के लाभों से अवगत कराना चाहती है। यात्रा के दौरान यह अभियान प्रदेश के विभिन्न जिलों और कस्बों में पहुंचेगा। किसानों से सीधा संवाद, लाइव डेमो और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि यंत्रीकरण के फायदों को बताया जाएगा। कार्यक्रम में श्री मधु वर्मा (विधायक), सुश्री प्रियंका चौहान (पार्षद), डॉ. राधे श्याम टेलर (प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र इंदौर) और डॉ. अर्पणा वाजपेयी (मुख्य वैज्ञानिक) मौजूद रहे। वक्ताओं ने किसानों से अपील की कि वे खेती में आधुनिक उपकरणों का प्रयोग करें जिससे उत्पादन क्षमता बढ़े और मेहनत कम हो। डॉ. वाजपेयी ने कहा कि कृषि यंत्रीकरण भारत के कृषि क्षेत्र को नई दिशा दे रहा है। STIHL इंडिया की ओर से श्री दिव्यजॉय त्रिपाठी (रीजनल हेड – पश्चिम भारत), श्री प्रद्युम्न चतुर्वेदी (ट्रेड मार्केटिंग मैनेजर), श्री अनीमेष वघेला (एरिया सेल्स मैनेजर) और श्री उमेश शर्मा (स्टेट हेड – मध्य प्रदेश व गुजरात) ने परिवर्तन यात्रा की रूपरेखा साझा की और किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली मशीनें उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का समापन झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना करने के साथ हुआ। यह परिवर्तन यात्रा पूरे मध्य प्रदेश में किसानों को आधुनिक और टिकाऊ खेती के लिए प्रेरित करती रहेगी, स्थानीय सहभागिता को बढ़ाएगी और उन्हें भविष्य की खेती के लिए तैयार करेगी।

मध्यप्रदेश में अगले 5 दिनों तक बारिश और आंधी की संभावना – मौसम विभाग का अलर्ट

ध्यप्रदेश में अगले 5 दिनों तक बारिश और आंधी की संभावना – मौसम विभाग का अलर्ट – भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने आगामी दिनों के लिए मध्यप्रदेश सहित मध्य भारत के कई राज्यों के लिए मौसम चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, 3 जून से 7 जून तक मध्यप्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। क्या रहेगा असर? 3 और 4 जून को पश्चिम मध्यप्रदेश में तेज़ आंधी चलने का अनुमान है, जिसकी रफ्तार 50-60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जो कि सामान्य जनजीवन और कृषि कार्यों पर असर डाल सकती है। अगले 5 दिनों तक बिजली गिरने और तेज़ हवाओं के साथ बारिश का दौर जारी रह सकता है। किसानों और आम नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। किसानों और नागरिकों के लिए सुझावः खुले क्षेत्रों में काम करने से बचें खासकर सुबह और शाम के समय, जब गरज-चमक और तेज़ हवाओं की संभावना अधिक होती है। फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें और जहां संभव हो, खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें ताकि जलभराव से फसल को नुकसान न पहुंचे। मौसम ऐप या वेबसाइट के माध्यम से रोज़ाना मौसम अपडेट लेते रहें। प्रदेश में तापमान का हालःहालांकि तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा जा रहा है, लेकिन बारिश के कारण दिन के तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है। इससे भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है।

17 साल का इंतजार खत्म, आरसीबी ने पहली बार जीती IPL ट्रॉफी

17 साल का इंतजार खत्म, आरसीबी ने पहली बार जीती IPL ट्रॉफी

IPL 2025 Final Prize Money: साल 2025 का इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त हुआ। जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने पंजाब किंग्स (PBKS) को 6 रनों से हराकर अपना पहला टाइटल जीता. यहां हम बताने जा रहे है कि विजेता RCB सहित उपविजेता पंजाब को कितने करोड़ रूपये मिले है.

आईपीएल फाइनल मैच हाई लाइट्सः

वेन्यूः नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद
टॉसः पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी
RCB की पारीः 190/9 (20 ओवर में)
PBKS की पारीः 184/7 (20 ओवर में)
विजेताः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
मैन ऑफ द मैचः क्रुनाल पांड्या (फाइनल)
प्राइज मनी डिटेल्स आईपीएल 2025:

किसने जीती कितनी प्राइज मनीः

आईपीएल 2025 में पर्पल कैप के लिए जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला, टॉप पर हैं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा रहे पर्पल कैप जीता जिन्होंने 15 मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 विकेट चटकाए। ऑरेंज कैप विजेता को 10 लाख मिले. गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन टॉप पर रहे और विजेता बने. .

आरसीबी का खिताबी सपना हुआ पूरा

कई सालों के संघर्ष के बाद, आरसीबी ने अंततः 2025 में अपना पहला खिताब जीत लिया। RCB आईपीएल इतिहास की 8वीं टीम बन गयी है जिसने आईपीएल टाइटल अपने नाम किया.

वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा होना चाहिए घर, होगी खुशियों की बरसात

आएं जानें कि वास्तु के हिसाब से घर को कैसा बनाया जाना चाहिए ताकि हर वास्तु दोष से बचा जा सके।

हमेशा वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर का चयन करना चाहिए। यह आपके जीवन में खुशियां लाता है। घर में कौन सी चीज किस दिशा में और किस जगह होना चाहिए, इसका वास्तु शास्त्र में उल्लेख मिलता है। वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर बनाने पर वहां सकारात्मक ऊर्जा रहती है। जिससे घर के सदस्यों को फायदा होता है और खुशियां आती हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि वास्तु के हिसाब से घर को कैसा बनाया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार के वास्तु दोष से बचा जा सके।

प्रवेश द्वार की दिशा

घर का प्रवेश द्वार घर के सदस्यों के लिए प्रवेश बिन्दु होता है। जो घर में ऊर्जा और जीवंतता लाता है। ऐसे में घर का प्रवेश द्वार बनाते समय ध्यान रखें कि वह उत्तर, पूर्व या उत्तर पूर्व दिशा में होना चाहिए। ताकि जब आप घर से बाहर निकलें तो आपका मुख उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर हो।

इसके साथ ही घर के मुख्य द्वार बेहतर गुणवत्ता वाली लकड़ी से बनाना चाहिए। साथ ही मुख्य द्वार के सामने किसी भी तरह की पानी की सजावट जैसे फव्वारा आदि नहीं लगाना चाहिए। प्रवेश द्वार के बाहर जूता रैक या कूड़ादान रखने से बचें। मुख्य द्वार के सामने बाथरूम न बनाएं और मुख्य द्वार पर काले रंग का पेंट न पोतें। साथ प्रवेश द्वार के नजदीक जानवरों की किसी भी प्रकार की मूर्ति न लगाएं।

लिविंग रूम के लिए वास्तु

हमेशा ध्यान रखें कि लिविंग रूम बेहद साफ सुथरा और व्यवस्थित हो। यह घर का सक्रिय क्षेत्र होता है इसलिए इसे खास तरीके से व्यवस्थित किया जाना चाहिए। घर का लिविंग रूम पूर्व दिशा, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित होना चाहिए। साथ ही लिविंग रूम का फर्नीचर पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। अगर लिविंग रूम में शीशा है तो उसे उत्तर दिशा की दीवार पर लगाना चाहिए और दक्षिण-पूर्व दिशा में इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उपकरण स्थापित होने चाहिए।

वास्तु के हिसाब से ऐसा होना चाहिए बेडरूम

आपके घर में आपका बेडरूम दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। साथ ही बेड को कमरे के दक्षिण-पश्चिम कोने में होना चाहिए। जिसका सिर हमेशा पश्चिम की ओर हो।

घर के उत्तर पूर्व दिशा में बेडरूम न बनाएं। इससे आपको स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। साथ ही दक्षिण-पूर्व दिशा में बेडरूम बनाने से परहेज करना चाहिए। इससे कपल के बीच मन मुटाव बढ़ सकता है।

ध्यान रखें की बेडरूम में बेड के सामने शीशा या टेलीविजन न हो। बिस्तर के सामने शीशा या टेलीविजन होने से बिस्तर में सो रहे लोगों का प्रतिबिंब दिखता है। जिससे घर में झगड़े शुरू हो जाते हैं। बेडरूम की दीवारों में डार्क कलर नहीं पुतवाना चाहिए। दीवारों के लिए ऐसे रंग का चुनाव करें जो घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हैं। बेडरूम में भगवान का मंदिर नहीं होना चाहिए। बेडरूम में पानी या फव्वारे की पेंटिंग भी नहीं होना चाहिए।

किचन के लिए वास्तु

वास्तु के अनुसार घर का किचन हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाना चाहिए। किचन में उपयोग आने वाली सभी चीजें भी दक्षिण-पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। किचन को कभी भी घर की उत्तर दिशा, उत्तर-पूर्व दिशा या दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं बनाना चाहिए।

बच्चों के कमरों और योग कक्ष के लिए वास्तु

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि घर के बच्चों के लिए कमरे का निर्माण दक्षिण-पश्चिम दिशा में करना चाहिए। साथ ही कमरे में बच्चों का बेड इस तरह से लगा हो कि उनका सिरहना दक्षिण या पूर्व की ओर रहे। इसे सौभाग्यशाली माना जाता है और इससे मन शांत रहता है। आज के दौर में योग एक महत्वपूर्ण व्यायाम है। इसलिए घर में योग कक्ष बनवाना बेहद जरूरी हो जाता है। जहां आप व्यायाम के साथ-साथ ध्यान भी कर सकते हैं। योग कक्ष हमेशा घर के पूर्व या उत्तर पूर्व दिशा में बनवाना चाहिए। हमेशा कोशिश करें कि योग या ध्यान करते समय आपका मुख पूर्व की ओर रहे। इससे सकरात्मकता बढ़ती है। योग कक्ष को हमेशा हल्के पीले या सफेद रंग से रंगा जाना चाहिए।

वास्तु के अनुसार ऐसे होने चाहिए घर के कमरे

घर के कमरे बनाते समय ध्यान रखें कि सभी कमरे एक सीधी रेखा में होना चाहिए। इसके साथ ही घर के कमरों का आकार आयताकार या वर्गाकार होना चाहिए। घर में गोलाकार कमरे नहीं बनाने चाहिए। गोलाकार कमरों को वास्तु शास्त्र में सही नहीं कहा गया है। इसके साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि कमरों में बड़ी खिड़कियां हो, जहां से सूरज की रोशनी और ताजी हवा आ सके। ताजी हवा और सूरज की रोशनी से सकरात्मकता बढ़ती है।

घर में रंगों का उपयोग

घर में रंगाई करते समय गहरे रंगों का प्रयोग करने से बचना चाहिए। इससे नकारात्मकता बढ़ती है। सकारात्मक वाइब्स के लिए घर में सफेद, पीले, गुलाबी, मूंगा, हरा, नारंगी, या नीले रंग से पुताई करवाना चाहिए।

इन चीजों को घर से आज ही कर दें बाहर

घर से टूटे हुए कांच, खराब क्रॉकरी और टूटे हुए बर्तनों को तुरंत बाहर कर देना चाहिए। इनसे घर के लोगों में उदासी और निराशा का भाव उत्पन्न होता है। अगर घर में किसी भी प्रकार की दरार आती है या पेंट खराब होता है तो उसे शीघ्र ही सही करवाना चाहिए। अगर घर में कोई खिड़की दरवाजा तो उसे तुरंत ही बदल देना चाहिए। घर में जलपोतों, युद्ध, रोते हुए बच्चों, और डूबते सूरज की तस्वीरें नहीं लगाना चाहिए। इनसे घर में रहने वाले लोगों के दिमाग में नकारात्मक छवि बनती है और लोग उदास रहने लगते हैं। इसके अलावा यदि घर में झरने, फव्वारे, समुद्र, बारिश या एक्वैरियम की तस्वीरें लगी हों तो उन्हें तुरंत ही हटा दें।

घर में गमलों में लगे हुए पौधों का ध्यान रखना चाहिए। अगर वो सूख गए हैं या मुरझा गए हैं तो उन्हें तुरंत ही हटा दें। उनके स्थान पर गमले में नए पौधे लगा दें। सूखे हुए पौधे घर में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में व्यवधान उत्पन्न करते हैं। इनके साथ ही घर में कांटों वाले पौधे नहीं लगाना चाहिए। ऐसे पौधों के कारण घर के सदस्यों के बीच झगड़ा होना शुरू हो सकता है।

घर में किसी भी प्रकार के मृत जानवरों खाल, दांत या सींग नहीं लगाना चाहिए। इन वस्तुओं को लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और घर के सदस्यों के ऊपर मृत्यु मंडराती रहती है।

सेहत की नहीं, खूबसूरती भी बढ़ाता है किशमिश

अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी त्वचा हमेशा दमकती रहे और उसमें चांद जैसा नूर बना रहे, तो आप अपनी स्किनकेयर रूटीन में किशमिश का पानी को शामिल करें. बता दें कि किशमिश का पानी त्वचा की देखभाल में किसी अमृत से कम नहीं ...और पढ़ें

अगर आप नेचुरल ग्लोइंग स्किन चाहते हैं, तो किशमिश का पानी (Raisin Water) अपकी स्किनकेयर रूटीन में जरूर शामिल करें. इसमें मौजूद आयरन, विटामिन C, E, B6, कॉपर और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं और चेहरे पर एक नेचुरल नूर आ जाता है. किशमिश का पानी न सिर्फ सेहत बल्कि स्किन की खूबसूरती बढ़ाने में भी असरदार है. यह त्वचा से टॉक्सिन्स हटाकर उसे हेल्दी और फ्रेश बनाता है. चलिए जानते हैं कि किशमिश के पानी के फायदे (Kishmish Ke Pani Ka Skin Care Mein Use) क्या हैं और इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका क्या है.

कैसे बनाएं किशमिश का पानी?

किशमिश का पानी बनाना बेहद आसान है. इसके लिए आप एक गिलास पानी में आधा कप किशमिश डालकर उसे रातभर ढंककर रख दें. यह प्रक्रिया कमरे के तापमान पर करें. सुबह उठकर इस पानी को छान लें. अब यह किशमिश का पानी तैयार है. इसे आप खाली पेट पी सकते हैं, जिससे न केवल स्किन में निखार आता है बल्कि पाचन तंत्र भी मजबूत होता है.

स्किनकेयर में किशमिश का पानी कैसे करें इस्तेमाल?

किशमिश के पानी का फेसपैकः अगर आप चाहें तो किशमिश के पानी का फेसपैक भी बना सकते हैं. इसके लिए एक चम्मच चावल का पाउडर लें, उसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और किशमिश का पानी डालकर एक स्मूद पेस्ट बना लें. अब इसे अपने साफ चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें. इसके बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें. यह पैक त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, टैनिंग हटाता है और स्किन को गहराई से पोषण देता है.

किशमिश के पानी का फेस टोनरः किशमिश के पानी को आप फेस टोनर की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए एक साफ स्प्रे बोतल लें, उसमें आधा किशमिश का पानी भरें. अब इसमें कुछ चम्मच गुलाब जल और 4-5 बूंद नींबू का रस मिलाएं. यह मिश्रण चेहरे की गहराई से सफाई करता है, पोर्स को टाइट करता है और ऑयली स्किन को बैलेंस करता है. आप इसे रात में सोने से पहले चेहरे पर स्प्रे कर सकते हैं. अगर आपकी त्वचा तैलीय है, तो इसे आधे घंटे बाद धो लें.

किशमिश के पानी के फायदेः

-स्किन को अंदर से डिटॉक्स करता है.
-ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है जिससे चेहरे पर निखार आता है.
-पिंपल्स और एक्ने की समस्या को कम करता है.
-त्वचा को हाइड्रेट और पोषित करता है.
-एजिंग के लक्षणों को धीमा करता है.

अगर आप केमिकल्स और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स से थक चुके हैं और कुछ नेचुरल और साइड इफेक्ट-फ्री उपाय ढूंढ रहे हैं, तो किशमिश का पानी आपकी स्किनकेयर रूटीन में एक गेम चेंजर साबित हो सकता है. यह सस्ता, असरदार और पूरी तरह से नेचुरल तरीका है, जो आपकी त्वचा को फिर से जवां और चमकदार बना सकता है. तो देर किस बात की? आज से ही किशमिश का पानी अपनाइए और चेहरे पर चांद सा नूर पाइए.

वेट लॉस कर रहे हैं, तो खाएं ये 9 हेल्दी स्नैक्स

अगर आप वेट लॉस डायट फॉलो कर रहे हैं, तो अपनी डायट में ऐसे हेल्दी स्नैक्स शामिल करें, जो वजन घटाने में आपकी मदद करें. यहां बताए गए इन स्नैक्स को अपने वेट लॉस डायट कर सकते हैं

1 बेक्ड/बॉयल्ड स्वीट पोटैटोः वेट लॉस कर रहे हैं, तो अपनी डायट में शकरकंध को शामिल करें. इसमें बीटा कैरोटीन और फाइबर प्रचुर मात्रा में होता हैं और इसे बेक्ड या उबाल कर खाने से अधिक समय तक भूख नहीं लगती है

2. स्प्राउट्स वेजिटेबल सलादः पौष्टिकता से भरपूर इस सलाद में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स प्रचुर मात्रा में होते हैं. इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और खाने पर संतुष्टि का एहसास होता है.

3. मिक्स नट्सः सामान मात्रा में काजू-बादाम-अखरोट-अंजीर-मुनक्का खाने से भूख की क्रेविंग शांत होती है और जल्दी भूख भी नहीं लगती है. वजन घटाने के दौरान मिक्स नट्स शरीर को पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

4. दहीः गुड प्रोबायोटिक होने के कारंण पेट संबधी सभी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है. कैल्शियम और प्रोटीन युक्त कम फैट वाला दही वजन कम करने में सहायक होता है, इसलिए डाइट में इस हेल्दी स्नैक्स को शामिल करें.

5. मिक्स सीडः मगज़, काले और सफ़ेद तिल, सनफ्लॉवर सीड, अलसी के बीज हेल्दी स्नैक्स है. इनमें फाइबर, विटामिन ई, फैटी एसिड, मैग्नीशियम और जिंक होते हैं, जो भूख को शांत करते हैं.

6. मखानाः खाने में स्वादिष्ट मखाने को वेट लॉस के लिए सबसे बेहतरीन स्नैक्स माना गया है. ग्लूटिन फ्री और प्रोटीन कार्बोहाइड्रेट से युक्त मखाना पॉपकॉर्न जैसा क्रंची अहसास देता है.

7. भुना हुआ चनाः प्रोटीन और फाइबर का प्रमुख स्त्रोत होने के साथ-साथ इसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम होती है, इसलिए इसे हेल्दी स्नैक्स के रूप में खा सकते हैं. वेट लॉस के लिए यह परफेक्ट ऑप्शन है. इससे न सिर्फ भूख मिटती है, खाने के बाद काफी देर तक पेट भरा रहता है.

8. मूंगफलीः स्नैक के तौर पर मूंगफली भी खा सकते हैं, इसमें पोटेशियम, कॉपर, कैल्शियम, आयरन और सेलेनियम काफी मात्रा में होता है. आप इसे शाम या सुबह किसी भी वक्त खा सकती हैं.

डायटिंग के हिसाब से यदि नॉन वेज फूड का कैलोरी काउंट जानना चाहती हैं, तो आपको बता दें कि एक अंडे में 80 कैलोरी होती है और 60 ग्राम मटन, मछली और चिकन में लभगग 70 कैलोरी होती है. तीन-चौथाई डोसा, डेढ़ इडली, 50 ग्राम पोहा, 60 ग्राम उपमा इन सभी में लगभग 100 कैलोरीज़ होती हैं. डेयरी प्रॉडक्ट्स में 750 ग्राम छाछ में 100 कैलोरी होती है. इसी तरह 30 ग्राम चीज़, 180 मि.ली. गाय के दूध, 260 मि.ली. स्किम्ड मिल्क और 160 ग्राम दही में 100 कैलोरी होती है.

इन 15 तरीकों से खुद को रखें हेल्दी

कई तरह के किए गए शोध से पता चलता है कि लंबे वक्त तक जीने के लिए और बीमारियों से दूर रहने की सबसे बेहतर दवा एक हेल्दी लाइफस्टाइल है। यह इतना बड़ा काम भी नहीं है, आप बस अपने आहार और व्यायाम में बदलाव करके अपने तनाव को आराम से दूर कर सकते हैं। इसे एक जिद या जुनून न बनाते हुए आप खुद की नई खोज में एक बेहतर सफर तय कर सकते हैं। आइए देखते हैं कि हमारे इस लेख में आपके लिए क्या काम की चीज है।

व्यायाम

रोजाना व्यायाम आपकी बढ़ती उम्र के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। अपने डेली के लाइफस्टाइल में आप इसे शामिल करेंगे तो यह आपको आँखों की रोशनी सुधार करता है, ब्लड प्रेशर को सामान्य करता है, दुबली मांसपेशियों को बेहतर बनाता है, कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और हड्डियों के घनत्व में सुधार करता है। आप रोजाना करें, अपने या किसी के साथ आप कूद सकते हैं, या कुछ अन्य एक्टिविटी कर सकते हैं, जिससे आपके शरीर में फुर्ती बनी रहेगी। जॉगिंग बच्चों ऐसे पड़ोसी पार्क में जाएं, चाहें तो रस्सी

सही भोजन का सेवन करें

आप दिनभर में लगभग पांच सब्जियों का सेवन करने की कोशिश करें। आप उन्हें किसी भी तरह से खा सकते हैं या तो कच्ची या फिर उबाल कर या तल कर। सब्जियों के ज्यादा मात्रा में सेवन से फेफड़ों, बृहदान्त्र, स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, अन्नप्रणाली, पेट, मूत्राशय, अग्न्याशय, और अंडाशय के कैंसर का जोखिम कम होता है। पांच सब्जियों के सेवन से आप वजन भी घटा सकते हैं, और यह आपकी भूख को भी कम करेगा।

पर्याप्त पानी पिए

अच्छे स्वास्थ्य शरीर को बनाए रखने के लिए हाइड्रेटेड रहना बहुत महत्वपूर्ण है। पानी हमारे शरीर से गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है, इससे हमारी पाचन क्रिया बेहतर रहती है, कीमोथेरेपी के परिणाम को रोकता है, इसके निर्माण को रोकता है, मांसपेशियों को सक्रिय करता है और शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है। एक स्वास्थ्य शरीर के लिए दिन में पानी का सेवन करते रहें।

ध्यान करें

ध्यान के अच्छे और लंबे समय तक चलने वाले लाभ होते हैं। यह तनाव को कम करता है, हमें तांत्रिकाओं को काबू में करता है, इससे हमारे फोकस मे सुधार करता है और दर्द को ठीक करता है। पर्याप्त अभ्यास के साथ यह माइंडफुलनेस, ब्रेन चैटर को कम करता है, ध्यान करने से आपके जीवन की आदतों में कई सकारात्मक बदलाव आते हैं।

नियमित रूप से डॉक्टर के पास जाएं

वक्त-वक्त डॉक्टर से नियमित रूप से अपनी जांच कराएं, भले ही आप बिल्कुल ठीक हो। ऐसा करने से यदि आपके शरीर में कोई बीमारी पनप नहीं हो तो उसका जल्दी पता लगाया जा सकता है और इसकी रोकथाम की जा सकती है। ऐसे में आप आपके स्वास्थ्य जोखिम को कम कर सकते हैं, अपने शरीर को लेकर अगर आप बेफिक्र रहेंगे तो आपको रात में अच्छी नींद भी आएगी।

स्वस्थ वजन बनाए रखें

एक शरीर का स्वस्थ्य वजन आपको हेल्दी रखने में मदद करता है। आपको अपने शरीर का बॉडी मास इंडेक्स जानने की जरूरत है, इसके लिए आप एक उपकरण का उपयोग कर सकते हैं जिससे आप अपने सही वजन के बारे में जानकारी हासिल कर पाएंगे। बीएमआई यह बताता है कि आपके शरीर में कितनी अधिक चर्बी है। आमतौर पर बीएमआई 18.5 और 22.9 के बीच होना चाहिए।

कुछ लक्ष्य निर्धारित करें

अक्सर आपके स्वास्थ्य लक्ष्यों का सबसे बड़ा दुश्मन मुफ्त की सलाह होती है, जिसे सुनते-सुनते आप बोर हो जाते हैं। आप एक समय में एक चीज करें, किसी भी चीज की धीरे-धीरे शुरूआत करें, सकारात्मक आदतों को अपनाएं। सोडा के कैन के बजाय दो गिलास पानी का सेवन करें। आप जब वर्क आउट शुरू करें तो आप एक दम से ज्यादा न करें, आप धीरे-धीरे इसकी शुरूआत कर सकते हैं।

रात में अच्छी नींद लें

आराम और ध्यान का एक बेहतर तरीका है, दूध का एक गर्म गिलास और बिस्तर पर जाने से पहले हल्के गुनगुने पानी से स्नान। यह दोनों आपको एक अच्छी व आरामदायक नींद दिलाने में मदद कर सकते हैं। आप कोशिश करें कि सोने से पहले आप खाना न खाएं, सोने और रात के खाने के बीच कुछ वक्त का अंतराल रखें, अपने बेडरूम में अंधेरा करने से आपको अच्छी नींद आएगी और तनाव नहीं होगा। आप चाहें तो दिमाग में आए कुछ विचारों को लिख सकते हैं, इससे आपको अच्छा महसूस होगा।

शराब का सेवन न करें

ज्यादा शराब के सेवन को न कहना ही बेहतर है। अल्कोहल का हमारे मनमस्तिष्क पर गहरा विपरीत प्रभाव पड़ता है। शराब आपके दिल और फेफड़ों को प्रभावित कर सकती है। जो लोग शराब पीते हैं, उन्हें दिल संबंधी बीमारियाँ होने का जोखिम काफी अधिक होता है। ऐसे व्यक्तियों को उच्च रक्त चाप से लेकर अनियमित दिल की धड़कन, शरीर के माध्यम से रक्त पंप करने में कठिनाई, वजन का बढ़ना, आघात, दिल का दौरा, दिल की बीमारी, हृदय का रुक जाना आदि परेशानियां हो सकती हैं।

तम्बाकू से दूर रहें

तंबाकू में निकोटिन होता है जो हमारे नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है। इसे लेने से राहत तो महसूस होती है लेकिन जल्द ही इसकी ऐसी लत लग जाती है कि फिर इसे छोड़ना बेहद मुश्किल हो जाता है। यही वजह है कि तम्बाकू का सेवन करने वाले ढेरों लोग चाहकर भी इसे छोड़ नहीं पाते। कई लोगों को सिगरेट पीने की लत लग जाती है, ऐसे में आप इसे छोड़ने की कोशिश करें। सिगरेट पीने का मन करें तो आप उसके लिए कुछ बेहतर विकल्पों का चयन कर सकते हैं।

घर का खाना खाएं

हमारी व्यस्त लाइफ में, घर में भोजन बनाना काफी मुश्किल हो जाती है, लेकिन खुद को स्वस्थ्य रखने के लिए हमें बाहर के खाने का सेवन बंद करना चाहिए। घर का बना खाना ज्यादा हेल्दी, साफ और सुरक्षित होता है। घर में बना खाना हमें मोटापे व कई अन्य बीमारियों से दूर रखता है। आप छुट्टी के दिन अलग-अलग तरीकों से खाना बनाकर उसका स्वाद ले सकते हैं।

हेल्दी स्नैक का सेवन करें

यदि आप बहुत ज्यादा सैचुरेटेड फैट वाले भोजन का सेवन करते हैं तो इससे आपके रक्त में कॉलेस्ट्रोल की मात्रा बढ़ सकती है। यदि ऐसा हुआ तो कोरोनरी हृदयरोग का गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा। आप हृदय रोग और पुरानी बीमारियों के अपने जोखिम को कम करने के लिए एंटी-इंफ्लेमेटरी ओमेगा -3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं। आप दूध, अंडे और पनीर ओमेगा -3 वाले पोषक तत्वों से भरपूर पदार्थों का सेवन कर सकते हैं।s

अपने दाँत मत भूलना

अध्ययन की मानें तो दाँतों की स्वच्छता हृदय रोग, निमोनिया, अस्वास्थ्यकर गर्भावस्था, अल्जाइमर और स्तंभन दोष के लिए आपके जोखिम को कम करती है। ऐसे में अपने दाँतों की देखभाल को नज़रअंदाज़ न करें।

अपने लिए कुछ वक्त निकाले और लोगों से मिलें

यदि आप डेस्क जॉब करते हैं, जो आपके सप्ताह के 60 या अधिक घंटों तक काम करते हैं, तो अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करें। ऑफिस से अपने घर वापस जाते समय एक फिटनेस क्लास ले सकते हैं,

गर्मी से राहत दिलाएगा दादी-नानी का ये प्राचीन नुस्खा, बड़े काम के हैं ये सस्ते टिप्स

दादी मां के नुस्खे अक्सर प्राकृतिक उपचार होते थे, जो लंबे समय से घरों में इस्तेमाल किए जाते हैं। ये नुस्खे स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी होते हैं। आज हम आपको सर्दी-खांसी जैसी छोटी-मोटी समस्याओं के लिए कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे, जो आपके काम आ सकते हैं।

सर्दी-खांसी के लिए अदरक और शहद

अदरक को कूटकर उसमें शहद मिलाकर खाने से सर्दी-खांसी में आराम मिलता है। यह गले को भी राहत देता है और शरीर की प्रतिरक्षा को बढ़ाता है।

पेट की समस्याओं के लिए अजवाइन

पेट की गैस, अपच या पेट दर्द में अजवाइन का सेवन बहुत प्रभावी होता है। आप अजवाइन को हलका सा भूनकर और नमक मिलाकर खा सकते हैं।

गर्मी में ठंडक के लिए प्याज

अगर गर्मी में लू लग जाए या शरीर में बुखार हो तो प्याज का रस निकालकर उसे चेहरे और शरीर पर लगाना फायदेमंद होता है। यह शरीर को ठंडा करता है।

त्वचा की देखभाल के लिए हल्दी और दूध

हल्दी और दूध का पेस्ट बनाने से त्वचा में निखार आता है और दाग-धब्बे भी कम होते हैं। इसे चेहरे पर 10-15 मिनट के लिए लगाएं और फिर धो लें।

जोड़ों के दर्द के लिए सरसों का तेल

सरसों के तेल में लहसुन को भूनकर उसकी मालिश करने से जोड़ो के दर्द में राहत मिलती है।

बालों की समस्या के लिए आंवला

आंवला बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आंवला पाउडर को दही में मिलाकर बालों में लगाने से बाल स्वस्थ और घने होते हैं।

1. दांत के दर्द से छुटकारा पाने के लिए अदरक का छोटा सा टुकड़ा चबाएं। दर्द तुरंत दूर हो जाएगा।

2. तेज सिरर्दद से छुटकारा पाने के लिए सेब को छिल कर बारीक काटें। उसमें थोड़ा सा नमक मिलाकर सुबह खाली पेट खाएं।

3. शरीर पर कहीं जल गया हो- तेज धूप से त्वचा झुलस गई हो, त्वचा पर झुर्रियां हों या कोई त्वचा रोग हो तो कच्चे आलू का रस निकालकर लगाने से फायदा होता हैं।

4. अगर कोई कीड़ा-मकोड़ा काट ले, तो तुरंत कच्चे आलू का एक पतला टुकड़ा काटकर उस पर नमक लगाकर कीड़े के काटे हुए स्थान पर 5-7 मिनट तक रगड़ें। जलन और दर्द गायब हो जाएगा।

5. मक्खन में थोड़ा सा केसर मिलाकर रोजाना लगाने से काले होंठ भी गुलाबी होने लगते हैं।

6. मुंह की बदबू से परेशान हों तो दालचीनी का टुकड़ा मुंह में रखें। मुंह की बदबू तुरंत दूर हो जाती हैं।

7. बहती नाक से परेशान हों तो युकेलिप्टस(सफेदा) का तेल रूमाल में डालकर सूंघे। आराम मिलेगा।

8. कुछ दिनों तक नहाने से पहले रोजाना सिर में प्याज का पेस्ट लगाएं। बाल सफेद से काले होने लगेंगे।

9. चाय पत्ती के उबले पानी से बाल धोएं, इससे बाल कम गिरेंगे।

10. बैंगन के भरते में शहद मिलाकर खाने से अनिद्रा रोग का नाश होता है। ऐसा शाम को भोजन में भरता बनाते समय करें।

11. संतरे के रस में थोड़ा सा शहद मिलाकर दिन में तीन बार एक-एक कप पीने से गर्भवती की दस्त की शिकायत दूर हो जाती हैं।

12. गले में खराश होने पर सुबह-सुबह सौंफ चबाने से बंद गला खुल जाता हैं।

13. सवेरे भूखे पेट तीन चार अखरोट की गिरियां निकालकर कुछ दिन खाने मात्र से ही घुटनों का दर्द समाप्त हो जाता हैं।

14. ताजा हरा धनिया मसलकर सूंघने से छींके आना बंद हो जाती हैं।

15. प्याज का रस लगाने से मस्सो के छोटे – छोटे टुकड़े होकर जड़ से गिर जाते हैं।

16. प्याज के रस में नींबू का रस मिलाकर पीने से उल्टियां आना तत्काल बंद हो जाती हैं।

17. गैस की तकलीफ से तुरंत राहत पाने के लिए लहसुन की 2 कली छीलकर 2 चम्मच शुद्ध घी के साथ चबाकर खाएं फौरन आराम होगा।

18. मसालेदार खाना खाएं मसालेदार खाना आपकी बंद नाक को तुरंत ही खोल देगा।

19. आलू का छिलका आपकी त्वचा पर ब्लीच की तरह काम करता है। इसे लगाने से आपकी काली पड़ी त्वचा का रंग सुधरता है। इसलिए आज के बाद आलू के छिलके को फेके नहीं बल्कि उनका इस्तेमाल करें।

20. यदि आपको अकसर मुंह में छाले होने की शिकायत रहती है तो रोजाना खाना खाने के बाद गुड को चूसना ना भूलें। ऐसा करने छाले आपसे बहुत दूर रहेंगे।

21. पतली छाछ में चुटकी भर सोडा डालकर पीने से पेशाब की जलन दूर होती हैं।

22. प्याज और गुड रोज खाने से बालक की ऊंचाई बढती हैं।

23. रोज गाजर का रस पीने से दमें की बीमारी जड़ से दूर होती हैं।

24. खजूर गर्म पानी के साथ लेने से कफ दूर होता हैं।

25. एक चम्मच समुद्री नमक लें और अपनी खोपड़ी पर लगा लें। इसे अच्छी तरह से मसाज करें और ऐसा करते समय उंगलियों को गीला कर लें। बाद में शैम्पू लगाकर सिर धो लें। महीने में एक बार ऐसा करने से रूसी नहीं होगी।

26. अगर आपके नाखून बहुत कड़े हैं तो उन्हे काटने से पहले हल्के गुनगुने पानी में नमक डालकर, हाथों को भिगोकर रखें। और 10 मिनट बाद उन नाखूनों को काट दें। इससे सारे नाखून आसानी से कट जाएंगे।

27. शरीर में कहीं गुम चोट लग जाए या नकसीर आए तो बर्फ की सिकाई बहुत फायदेमंद होती हैं।

28. बवासीर से छुटकारा पाने के लिए सुबह खाली पेट 2 आलू-बुखारे खाए।

केवल सेंधा नमक प्रयोग करे. थायराइड, बीपी और पेट ठीक होगा.

केवल स्टील के कुकर ही प्रयोग करें.अल्युमिनियम में मिले हुए लेड से होने वाले नुकसानों से बचेंगे.

रिफाइंड तेल के बजाय केवल तिल. मूंगफली, सरसों और नारियल का प्रयोग करें. रिफाइंड में बहुत केमिकल होते हैं, जो शरीर में कई तरह की बीमारियां पैदा करते हैं.

सोयाबीन बड़ी को 2 घंटे भिगो कर मसल कर जहरीली झाग निकल कर ही प्रयोग करें.

रसोई में एग्जास्ट फैन जरूरी है. प्रदूषित हवा बाहर करें.

काम करते समय स्वयं को अच्छा लगने वाला संगीत चलाएं. खाने में भी अच्छा प्रभाव आएगा और थकान भी कम होगी.

देसी गाय के घी का प्रयोग करें.अनेक रोग दूर होंगे, वजन नहीं बढ़ता.

ज्यादा से ज्यादा मीठी नीम/करी पत्ती अपने सब्जियों में डालें, सभी का स्वास्थ्य ठीक करेगा.

ज्यादा से ज्यादा चीजें लोहे की कढ़ाई में ही बनाएं. आयरन की कमी किसी को नहीं होगी.

भोजन का समय निश्चित करें.पेट ठीक रहेगा. भोजन के बीच बात न करें.भोजन ज्यादा पोषण देगा.

नाश्ते में अंकुरित अन्न शामिल करें.पोषक विटामिन और फाइबर मिलेंगे.

सुबह के खाने के साथ देशी गाय के दूध का बना ताजा दही लें, पेट ठीक रहेगा.

चीनी कम से कम प्रयोग करें.ताउम्र हड्डियां ठीक रहेंगी.

चीनी की जगह बिना मसाले का गुड़ या देशी शक्कर ले.

छौंक में राई के साथ कलौंजी का भी प्रयोग करें. फायदे इतने कि लिख ही नहीं सकते.

ईरान ने क़तर के जिस एयर बेस पर हमला किया है वह अमेरिका के लिए क्यों है ख़ास

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने भी इन हमलों की पुष्टि की है और कहा है कि ईरान की तरफ से अल उदैद एयर बेस पर छोटी और मध्यम दूरी की मिसाइलों से हमला हुआ है. क़तर की राजधानी दोहा के क़रीब मौजूद अल उदैद एयर बेस मध्य-पूर्व में अमेरिकी सेंट्रल कमांड के एयर ऑपरेशन्स का मुख्यालय है. इसमें क़रीब 8 हज़ार अमेरिकी सैनिक मौजूद होते हैं. इस एयर बेस के ज़रिए ब्रिटेन के सैनिकों का भी रोटेशन होता है. मौजूदा समय में यह एयर बेस इराक़ में अमेरिकी अभियानों के लिए हेडक्वार्टर का काम करता है और यह इलाक़े में अमेरिकी साजो सामान का केंद्र भी है.इस एयर बेस में खाड़ी के क्षेत्र की सबसे लंबी एयर लैंडिंग स्ट्रिप भी है. क़तर ने अमेरिका को साल 2000 में इस एयर बेस तक पहुंच दी थी. अमेरिका के एक रक्षा अधिकारी के मुताबिक़ अब तक इन हमलों में किसी के मारे जाने की कोई जानकारी नहीं मिली है.उनके मुताबिक़ रक्षा अधिकारी अब भी हालात पर नज़र बनाए हुए हैं और हमले के बारे में ज़्यादा जानकारी मिलने पर वो इसे साझा करेंगे.ईरान की सरकारी मीडिया ने घोषणा की है कि ईरान ने अमेरिकी कार्रवाई का जवाब देना शुरू कर दिया है. इससे पहले ईरान की सरकारी मीडिया ने घोषणा की है कि ईरान ने अमेरिकी कार्रवाई का जवाब देना शुरू कर दिया है. ईरान की न्यूज़ एजेंसी तस्नीम ने कहा है कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने क़तर और इराक़ में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल दागे हैं.

ईरान की न्यूज़ एजेंसी तस्नीम ने कहा है कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने क़तर और इराक़ में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल दागे हैं. इससे पहले क़तर में धमाके की ख़बरें सामने आई हैं. समाचार एजेंसी रॉयटर्स और एएफ़पी की रिपोर्ट्स के मुताबिक़ क़तर में धमाके की आवाज़ें सुनी गई हैं. अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बीबीसी से कहा है कि व्हाइट हाउस और रक्षा मंत्रालय क़तर में अमेरिकी हवाई ठिकानों पर ख़तरे को समझता है और वो हालात पर नज़र बनाए हुए है. इसराइली सेना ने तेहरान में रहने वाले लोगों को एक 'तत्काल' चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह आने वाले दिनों में शहर में हमलों को जारी रखेगी. सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर अपने फ़ारसी अकाउंट पर एक पोस्ट में लोगों से कहा है कि वे तेहरान में ईरानी नेतृत्व से जुड़े सैन्य, सुरक्षा और औद्योगिक स्थलों से दूर रहें. वहीं ईरान के सशस्त्र बलों के प्रमुख ने कहा है कि अमेरिका की ओर से तीन ईरानी परमाणु ठिकानों पर किए गए हमले के बाद देश 'नुक़सान की सीमा की परवाह किए बिना' अमेरिका को 'उचित और समान रूप से जवाब' देगा. यह जानकारी तस्नीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक़ है, जो ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से जुड़ी हुई है. एक वीडियो संदेश में मेजर जनरल अब्दुलरहीम मोसावी ने कहा, "ट्रंप की यह कार्रवाई उसकी हताशा से पैदा हुई है और इसका मक़सद उनकी प्रॉक्सी सेना, इसराइल और ख़ुद नेतन्याहू को बचाना है." उन्होंने कहा कि जब ट्रंप को इसराइली प्रधानमंत्री के 'पतन' के संकेत दिखे, तो ट्रंप ने ईरान पर हमला करके उन्हें 'कृत्रिम सांस' देने का फैसला किया. मोसावी को सशस्त्र बलों का प्रमुख उस समय नियुक्त किया गया, जब उनके पूर्ववर्ती मोहम्मद हुसैन बाघेरी 13 जून को इसराइली हमले में मारे गए थे.

इसराइल में भारतीय कामगारों की हालत से चिंतित हैं परिजन, बोले- अब लौट आओ

ईरान और इसराइल दोनों देशों में भारतीय नागरिक फंसे हुए हैं. भारत ने ईरान से भारतीय नागरिकों की निकासी के लिए 'ऑपरेशन सिंधु' शुरू किया है. ईरान-इसराइल संघर्ष की वजह से फ़िलहाल हवाई मार्ग बंद है. इसलिए ईरान से आर्मीनिया के रास्ते भारतीय नागरिकों को निकाला जा रहा है. इसराइल में रह रहे भारतीय कामगारों के परिवार वाले ज़्यादा परेशान नज़र आ रहे हैं. इसराइल में क़रीब 18 हज़ार भारतीय हैं. इनमें 6,694 कामगार हैं, जो अलग-अलग कंपनियों में काम कर रहे हैं. इन कामगारों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र और कई अन्य राज्यों के लोग हैं. भारत में इन कामगारों के परिवार वाले उनके वापस आने का इंतज़ार कर रहे हैं. कामगारों के परिवार वाले परेशान हैं. वे चाहते हैं कि सरकार उन्हें किसी तरह वापस लाए. न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक़ भारत में इसराइल के राजदूत रेव्यून अज़ार ने कहा, "हम लोग विदेश मंत्रालय से लगातार संपर्क में हैं. जब भारतीय नागरिकों को वहां से निकालने की बात आएगी, तो हम पूरा सहयोग करेंगे. जो

राजनयिक और विदेशी नागरिक जाना चाहते हैं, उन्हें पूरी तरह मदद दी जाएगी. हालांकि, सिर्फ़ सड़क और समुद्री मार्ग का विकल्प उपलब्ध है." उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़िले की मिहींपुरवा तहसील के क़रीब 150 लोग इसराइल में कामकाज के सिलसिले में रह रहे हैं. यहीं के अड़गोड़वा गांव के 42 साल के अरविंद कुमार पिछले एक साल से इसराइल के तेल अवीव में इलेक्ट्रिशियन के तौर पर काम कर रहे हैं. उनके पिता स्कूल में शिक्षक हैं. उनकी पत्नी गांव में हैं और उनके तीन बच्चे स्कूल में पढ़ते हैं. ताज़ा हालात के बाद उनके परिजन परेशान हैं. अरविंद के पिता रामानंद ने बीबीसी से कहा, "16 अप्रैल 2024 को वह इसराइल गए थे. बुधवार सुबह 9 बजे उनसे बात हुई थी. उन्होंने बताया कि वे लोग बंकर में हैं और बीच-बीच में काम पर जाते हैं. उन्होंने कहा, "हम लोग डरे हुए हैं. वहां हवाई मार्ग बंद है. हम चाहते हैं कि वे जल्दी घर वापस आ जाएं, क्योंकि उन्होंने बताया है कि उनसे कुछ दूरी पर बम गिरा है." अरविंद की पत्नी ममता ने बताया, "हमें कहा है कि माहौल सही नहीं है. उन्होंने बम को गिरते हुए देखा है. जब अलार्म बजता है, तो बंकर में चले जाते हैं. हम लोग डरे हुए हैं और चाहते हैं कि वे जल्दी वापस आ जाएं." श्रवण कुमार मदेशिया यहां के पूर्व ब्लॉक प्रमुख हैं. उन्होंने बताया, "इसराइल जाने के लिए क़रीब 250 लोगों ने फ़ॉर्म भरा था. लेकिन ब्लॉक के 100 से ज़्यादा लोग इस समय इसराइल में हैं."

भारत में शीर्ष 6 सुरक्षित निवेश

भारत में निवेश के कई ऐसे विकल्प हैं जो अच्छे रिटर्न देते हैं। चुनने के लिए ढेरों विकल्पों के साथ, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि कोई व्यक्ति यह सुनिश्चित नहीं कर पाएगा कि उसे कहां निवेश करना चाहिए। किसी विशेष निवेश विकल्प को 'सर्वश्रेष्ठ' कहने के लिए, हमें व्यक्ति की आवश्यकता और जोखिम उठाने की क्षमता का विश्लेषण करने की आवश्यकता है। ऐसे निवेश विकल्प हैं जो किसी व्यक्ति के लक्ष्यों और आवश्यकताओं के अनुरूप हैं।

भारतीय आम तौर पर सरकार समर्थित साधनों में निवेश करना पसंद करते हैं क्योंकि इन्हें सुरक्षित निवेश के रास्ते माना जाता है। भारत में निवेश के कुछ सबसे लोकप्रिय रास्ते निम्नलिखित हैं:

बैंक सावधि जमा (एफडी)

बैंक FD को भारत में सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक माना जाता है क्योंकि FD पर बैंक द्वारा डिफॉल्ट किए जाने का शायद ही कोई मामला हो। बैंक FD नियमित बचत बैंक खाते की तुलना में बहुत अधिक ब्याज दर प्रदान करते हैं। 5-वर्षीय कर-बचत FD में निवेश आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80C के अंतर्गत आता है, और निवेशक इसमें निवेश करके प्रति वर्ष 1,50,000 रुपये तक की कटौती कर सकते हैं। FD वरिष्ठ नागरिकों को थोड़ी अधिक ब्याज दर प्रदान करते हैं। ब्याज दर निवेश अवधि, राशि, आवासीय स्थिति (NRI या नहीं) और बैंक के अनुसार भिन्न होती है। FD लॉक-इन अवधि के साथ आते हैं। यदि आप लॉक-इन अवधि के भीतर निकासी करना चाहते हैं, तो बैंक निवेश पर अर्जित ब्याज में कटौती के रूप में जुर्माना लगाएगा। बैंकों के अलावा, अन्य वित्तीय संस्थान भी FD प्रदान करते हैं।

बैंक जमा की मुख्य विशेषताएं:

आपको समय के साथ सुनिश्चित रिटर्न मिलता है

जोखिम से बचने वाले निवेशकों के लिए सबसे उपयुक्त

आंशिक निकासी और शेष राशि पर ऋण उपलब्ध है

सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)

पीपीएफ एक सरकारी समर्थित निवेश योजना है। पीपीएफ निवेश में 15 साल की लॉक-इन अवधि होती है। पीपीएफ को सबसे सुरक्षित निवेशों में से एक माना जाता है क्योंकि इस योजना पर सॉवरेन गारंटी होती है। बैंक एफडी की तरह, पीपीएफ भी नियमित बचत बैंक खाते की तुलना में बहुत अधिक ब्याज दर प्रदान करता है।

पीपीएफ की मुख्य विशेषताएं:

यह योजना दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों के लिए सबसे उपयुक्त है, क्योंकि इसमें 15 वर्ष की विस्तारित लॉक-इन अवधि है।

यह निवेश बाजार से जुड़ा नहीं है, इसलिए इसमें समय के साथ सुनिश्चित रिटर्न मिलता है।

परिपक्वता पर, आपके पास संपूर्ण धनराशि को भुनाने या खाते को पांच वर्षों के लिए बढ़ाने का विकल्प होता है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)

एनपीएस एक और सरकारी समर्थित सेवानिवृत्ति योजना है। इस योजना का प्रबंधन पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) द्वारा किया जाता है। एनपीएस विभिन्न निवेशों जैसे लिक्विड फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और कॉरपोरेट बॉन्ड का संयोजन है। एनपीएस के तहत कई योजनाएं हैं, आप अपनी जरूरत के हिसाब से चुन सकते हैं। सभी फंड में ब्याज दर अलग-अलग होती है।

एनपीएस की मुख्य विशेषताएं:

यह योजना सभी क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए खुली है

यह योजना आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के तहत प्रति वर्ष 2 लाख रुपये तक की कर कटौती प्रदान करती है।

आप अपने पोर्टफोलियो के प्रबंधन के लिए ऑटो या सक्रिय तरीका चुन सकते हैं

सोना

सोने में निवेश करना एक पारंपरिक निवेश है। भारतीयों को पीली धातु बहुत पसंद है। सोने में निवेश सोने के आभूषण, सिक्के और बार खरीदकर किया जाता है। भौतिक सोना रखने के अलावा, गोल्ड ईटीएफ और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करके भी सोने में निवेश किया जा सकता है।

सोने की मुख्य विशेषताएं:

सोने में निवेश मुद्रास्फीति के विरुद्ध बचाव का एक साधन प्रदान करता है

चूंकि सोने की कीमत शेयर बाजारों से विपरीत रूप से संबंधित है, इसलिए सोने में निवेश शेयर बाजार में गिरावट के खिलाफ बचाव के रूप में कार्य करता है।

सोने का मूल्य स्तर समय के साथ बहुत अधिक नहीं गिरता है, जिससे आपको पूंजी सुरक्षा का लाभ मिलता है

7.75% भारत सरकार बचत बांड

जी-सेक बॉन्ड ने पहले के 8% बचत बॉन्ड की जगह ले ली है। ये बॉन्ड 2018 में लॉन्च किए गए थे। जैसा कि नाम से पता चलता है, निवेशकों को 7.75% की दर से सालाना ब्याज मिलता है। आप इन बॉन्ड में 1,000 रुपये जितनी कम रकम भी निवेश कर सकते हैं।

7.75% भारत सरकार बचत बांड की मुख्य विशेषताएं:

आपके निवेश को संप्रभु गारंटी का समर्थन प्राप्त है, जिससे आपको पूंजी सुरक्षा मिलती है

आपको प्रति वर्ष 7.75% की दर से सुनिश्चित रिटर्न मिलता है

आवर्ती जमा (आरडी)

आवर्ती जमा FD का एक विकल्प है। RD के तहत, व्यक्ति नियमित रूप से एक निश्चित राशि का निवेश करते हैं। FD की तरह, RD भी नियमित बचत बैंक खाते की तुलना में बहुत अधिक ब्याज दर प्रदान करते हैं। आप सुरक्षित ऋण प्राप्त करने के लिए अपने RD निवेश को संपार्श्विक के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। इस लेख में शामिल निवेश के तरीकों के अलावा, भारत में अन्य लोकप्रिय निवेश विकल्प राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (NSC), शेयर बाजार और रियल एस्टेट हैं।

आर.डी. की मुख्य विशेषताएं:

लंबी अवधि के लिए आरडी में निवेश करने से आपको समय के साथ वित्तीय अनुशासन की भावना विकसित करने में मदद मिलती है

आपको अपनी निवेश यात्रा शुरू करने के लिए बड़ी राशि की आवश्यकता नहीं है क्योंकि आप एक छोटी राशि से शुरुआत कर सकते हैं

आपको समय के साथ सुनिश्चित रिटर्न मिलता है क्योंकि निवेश इक्विटी बाजारों से जुड़ा नहीं है

शीर्ष सुरक्षित निवेशों की तुलना

राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी)

एनएससी एक सरकारी समर्थित निश्चित आय निवेश योजना है जिसे बैंकों और डाकघरों से खरीदा जा सकता है। न्यूनतम निवेश 1,000 रुपये होना चाहिए और फिर 100 के गुणकों में 12 किस्तों में या एक बार में पूरी जमा राशि का भुगतान करना चाहिए। वित्त मंत्रालय द्वारा तय की गई परिपक्वता अवधि के अंत में ब्याज का भुगतान किया जाता है। एनएससी की लॉक-इन अवधि 5 वर्ष है और 1,50,000 रुपये तक के निवेश पर धारा 80सी के तहत कर कटौती का लाभ मिलता है।

डाकघर मासिक आय योजना (POMIS)

यह योजना उन घरेलू परिवारों के बीच लोकप्रिय है जो निष्क्रिय आय अर्जित करना चाहते हैं। भारतीय डाक सेवा एकल, संयुक्त, अभिभावक या नाबालिग/विक्षिप्त व्यक्ति के माता-पिता आदि के लिए विभिन्न प्रकार के खाते प्रदान करती है।

म्युचुअल फंड्स में इन्वेस्ट कैसे करे – आसान हिन्दी में बेहतरीन आर्टिकल्स की एक शुरुआती गाइड

म्युचुअल फंड इन्वेस्टमेंट हर एक इन्वेस्टर के बीच काफ़ी लोकप्रिय हैं। जिसका कारण है इससे मिलने वाले फायदे। इसके कईं फायदों में से कुछ सबसे महत्वपूर्ण फ़ायदे नीचे दिए हैं, जो इन्वेस्टर्स को अपनी ओर खींचते है और जिसकी वजह से –

इन्वेस्टर्स कितनी भी राशि के साथ शुरुआत कर सकते हैं (500 जितना कम भी)

इन्वेस्टर्स, अलग-अलग स्टॉक्स और डेट,गोल्ड जैसे इंस्ट्रूमेंट्स में इन्वेस्ट कर सकते हैं

हर महीने ऑटोमेटेड इन्वेस्मेंट्स शुरू कर सकते हैं (SIP)

डीमैट अकाउंट खोले बिना भी इन्वेस्ट कर सकते हैं

शुरुआती इन्वेस्टर्स के लिए इस म्युचुअल फंड इन्वेस्टमेंट गाइड में हमने कुछ आर्टिकल्स को आपके लिए चुना है। जो म्युचुअल फंड को समझने में और कैसे इन्वेस्ट करना शुरू करें, इसमें आपकी मदद करेंगे। हम सुझाव देंगे कि आप इस पेज को बुकमार्क कर लें ताकि आप इन आर्टिकल्स को अपनी सुविधा के अनुसार कभी भी पढ़ सकें।

1.म्युचुअल फंड्स की जानकारी

अगर आप म्युचुअल फंड्स और उसके प्रकारों के बारे में पहले से जानते हैं, तो आप सीधे अगले सेक्शन पर जा सकते है । ये 5 आर्टिकल्स, म्युचुअल फंड्स और उसके प्रकारों के बारे में सारी ज़रूरी जानकारी देंगे। हम टैक्स सेविंग फंड्स पर भी एक विशेष आर्टिकल दे रहे हैं।

2.म्युचुअल फंड्स का एक पोर्टफ़ोलियो बनाना

म्युचुअल फंड्स में इन्वेस्ट करने का सही तरीका है – सबसे पहले इसका पोर्टफोलियो बनाना। एक पोर्टफोलियो, म्युचुअल फंड का एक समूह होता है। यह आपको अपने इन्वेस्टमेंट के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगा। आपका सारा रिटर्न् आपके पूरे पोर्टफोलियो पर टिका होता है, ना कि किसी एक विशेष फंड पर। इस सेक्शन में, हम यह सीखेंगे कि म्युचुअल फंड पोर्टफोलियो कैसे तैयार किया जाता है।

पोर्टफोलियो इन्वेस्टिंग क्या है

म्युचुअल फंड पोर्टफोलियो कैसे तैयार किया जाए

अपने पोर्टफोलियो के लिए सही म्युचुअल फंड चुनना

म्युचुअल फंड को कब बेचें

*शुरुआती Download Free E-Books on Investment

3.म्युचुअल फंड्स में इन्वेस्ट करना

कईं शुरुआती इन्वेस्टर्स म्युचुअल फंड्स में इन्वेस्ट करने की प्रक्रिया को मुश्किल मानकर उसमें इन्वेस्ट करने से कतराते हैं। ये आर्टिकल्स ऐसे ही शुरुआती इन्वेस्टर्स को म्युचुअल फंड को समझने में और इन्वेस्टमेंट शुरू करने में मदद करेंगे।

केवाईसी(KYC) क्या हैऔर ये म्युचुअल फंड्स में इन्वेस्ट करने के लिए ज़रूरी क्यों है

सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान्स (SIP) के द्वारा इन्वेस्ट करना

4.कुछ और महत्वपूर्ण जानकारियाँ

म्युचुअल फंड्स में इन्वेस्ट करते समय कुछ ज़रूरी बातें है, जिनकी जानकारी हर शुरुआती इन्वेस्टर को होनी चाहिए। इन बातों को समझे बिना इन्वेस्ट करने से, रिटर्न्स पर काफ़ी बुरा असर पड़ सकता है।

म्युचुअल फंड्स पर टैक्स

म्युचुअल फंड्स से पैसे निकालने पर एग्ज़िट लोड म्युचुअल फंड्स का एक्सपेंस रेशो

जहाँ म्युचुअल फंड्स की बात आती है वहाँ आमतौर पर लिस्ट में दिए गए इन शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। हालाँकि शुरुआती इन्वेस्टर्स को इन सभी शब्दों को याद रखने की जरूरत नहीं है, आप किसी भी शब्द को सीखने के लिए, ग्लोसरी (डिक्शनरी) के तौर पर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

अपनी रकम को 1 साल के लिए यहां करें निवेश, बनेगा पैसे से पैसा...कुछ ही दिनों में हो जाएंगे मालामाल

कई बार लोग इस लिए निवेश नहीं करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनका पैसा लंबे समय के लिए लॉक हो जाएगा. लेकिन ये जरूरी नहीं कि आप एक साथ सारे पैसे को लंबे समय के लिए ही इन्वेस्ट करें. आप इस हिसाब से प्लानिंग करें कि कुछ पैसा ये सोचकर लंबे समय के लिए निवेश करें कि आपको उसे किसी भी हाल में मैच्योरिटी से पहले नहीं निकालना है.

ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट हैं रवीना टंडन की 16 साल की बेटी, ग्लैमर के मामले में मां रवीना से कम नहीं हैं राशा

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ना केवल बेहद ग्लैमरस हैं बल्कि बहुत टैलेंटेड भी हैं। राशा ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट हैं साथ ही गाने का शौक भी रखती हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन का आज जन्मदिन है और वो 48 साल की हो गई हैं। रवीना टंडन किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं, वो अपने जमाने की सबसे मशहूर एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल रही हैं। साल 1991 में फिल्म पत्थर के फूल से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली रवीना चार बच्चों की मां हैं। उनकी तीन बेटियां और एक बेटा है।

2005 में हुआ था राशा का जन्म

रवीना ने साल 1995 में 21 साल की उम्र में दो बेटियों पूजा और छाया को गोद लिया था। उस समय दोनों बच्चियों की उम्र 11 और 8 साल थी। इसके बाद 22 फरवरी 2004 को रवीना ने अनिल थडानी से शादी कर ली और दोनों के दो बच्चे हुए एक बेटी राशा और बेटा रणबीरवर्धन। 16 मार्च 2005 को जन्मीं रवीना की बेटी राशा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उनके फॉलोअर्स की संख्या एक लाख के पार हो गई है।

शेयर की थी राशा की मार्कशीट

राशा भी अपनी मां की तरह बेहद खूबसूरत हैं। इसके साथ ही वो काफी टेलेंटेड भी हैं। कुछ समय पहले रवीना ने इंस्टाग्राम पर राशा की रिपोर्ट कार्ड (मार्कशीट) शेयर की थी जिसके मुताबिक राशा ने वर्ल्ड लिटरेचर, ज्योगॉफी, इतिहास और इंगलिश लेग्वेज, फिजीकल एजुकेशन, ग्लोबल पर्सपेक्टिव में ए ग्रेड हासिल किया था।

ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट

राशा के बारे में यह बात कम ही लोग जानते हैं कि वो ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट हैं। रवीना ने खुद राशा के साथ फोटो पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी थी।

गाने और फोटोग्राफी का रखती हैं शौक

इसके अलावा राशा गाने का भी शौक रखती हैं और गाना गाते हुए वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर कर चुकी हैं। साथ ही राशा कीबोर्ड जैसे इंस्ट्रूमेंट भी बजाती हैं। साथ ही राशा को फोटोग्राफी करने का भी शौक है। हाल ही में उन्होंने अपनी पहली वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की थी।

ग्लैमरस है 16 साल की राशा

wराशा इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। खूबसूरती के मामले में वो दूसरे कई स्टार किड्स को कड़ी टक्कर देती हैं फिर बात चाहे शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान की हो या अजय देवगन की बेटी न्यासा की। राशा ने इस साल लॉकडाउन में ही अपना 16वां जन्मदिन मनाया था।

विवाह के मुहूर्त से लेकर दुल्हन की विदाई तक, आखिर कैसे अलग है उत्तर और दक्षिण भारत की शादी

शादी की रस्में हर एक जगह अलग तरह से निभाई जाती हैं। कुछ शादियों में जहां एक तरफ जयमाल और फेरे होते हैं, वहीं कुछ में विदाई का समय दूसरों से अलग होता है। ऐसे ही अगर आप उत्तर और दक्षिण भारत की शादियों की रस्मों के बारे में जानना चाहते हैं तो यहां जानें।

भारत में शादियां किसी भव्य उत्सव से कम नहीं होती हैं। ये बड़े आयोजन पारंपरिक रीति-रिवाजों, सांस्कृतिक गतिविधियों और रंग-बिरंगे समारोहों से भरे होते हैं।

हालांकि, इन रीति-रिवाजों और परंपराओं में क्षेत्र के अनुसार कई भिन्नताएं भी होती हैं, लेकिन इनका मूल उद्देश्य देश की विविधता और समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करना होता है। अगर हम शादियों की बात करें तो हर एक क्षेत्र की शादी में अलग तरह की रस्में देखने को मिलती हैं। इन भौगोलिक भिन्नताओं में, उत्तर और दक्षिण भारत की शादियां सबसे ज्यादा अलग दिखती हैं। आप इन शादियों में अंतर् इसमें पहने जाने वाले कपड़ों अंतर कपड़ों, खाने, रस्मों को निभाने के तरीके और समय जैसे पहलुओं में स्पष्ट होता है। आमतौर पर लोग दक्षिण और उत्तर भारत की शादियों के अंतर को देखना चाहते हैं और हर एक रस्म का मतलब समझना चाहते हैं। आइए हम आपको बताते हैं इन शादियों के बीच के अंतर के बारे में।

शादी के रीति-रिवाज और संस्कृति

भारतीय शादियां अपनी समृद्ध संस्कृति और विविध रीति-रिवाजों के लिए सदियों से प्रसिद्ध हैं, जो क्षेत्र के अनुसार भिन्न होती हैं। दक्षिण भारतीय शादियां धार्मिक और पारंपरिक प्रथाओं से गहराई से जुड़ी होती हैं। शुभ मुहूर्त का चयन, पवित्र मंत्रोच्चारण, और मंगलसूत्र बांधने जैसी रस्में यहां के समारोहों का मुख्य हिस्सा हैं। हर विधि का आध्यात्मिक महत्व होता है, जो इन शादियों को अद्वितीय बनाता है।

दूसरी ओर, उत्तर भारतीय शादियां अपनी जीवंत और रंग-बिरंगी परंपराओं के लिए जानी जाती हैं। हल्दी की रस्म, संगीत समारोह, जूता चुराई और जयमाल जैसे अनूठे रीति-रिवाज इन शादियों को खास बनाते हैं। इन उत्सवों में न केवल वर-वधू, बल्कि उनके परिवार और मित्र भी पूरे मनोभाव से शामिल होते हैं। चाहे दक्षिण हो या उत्तर, हर भारतीय शादी प्रेम, परंपरा और संस्कृति का उत्सव है। ये रीति-रिवाज न केवल दो लोगों को बल्कि दो परिवारों और संस्कृतियों को भी जोड़ते हैं, जो भारतीय विवाहों को इतना विशेष बनाते हैं।

शादी का मुहूर्त और समय

उत्तर और दक्षिण भारतीय शादियों में सबसे बड़ा अंतर उनके समय और मुहूर्त में देखने को मिलता है। एक तरफ जहां दक्षिण भारतीय शादियां पारंपरिक रूप से सुबह जल्दी शुरू होती हैं और 10 बजे तक इसकी सभी रस्में समाप्त हो जाती हैं। इस समय अवधि को शास्त्रों और परंपराओं के आधार पर अत्यधिक शुभ माना जाता है क्योंकि इस दौरान रस्मों का आरंभ ब्रह्म मुहूर्त से होता है जो इन शादियों में आध्यात्मिकता का महत्व दर्शाता है। इसके विपरीत, उत्तर भारतीय शादियां आमतौर पर शाम को आरंभ होती हैं और रातभर उत्सव का माहौल बना रहता है। कई बार ये समारोह अगले दिन तक चलते हैं। इस दौरान बारात, जयमाला और अन्य पारंपरिक रस्मों के साथ नाच-गाने और खाने-पीने का आनंद लिया जाता है।दोनों क्षेत्रों की शादियों का समय उनके सांस्कृतिक दृष्टिकोण और परंपराओं का प्रतीक है। जहां दक्षिण भारतीय शादियां आध्यात्मिकता और सादगी को प्राथमिकता देती हैं, वहीं उत्तर भारतीय शादियां भव्यता का प्रतीक हैं। दोनों ही शैलियों में शादी का समय और मुहूर्त उनके क्षेत्रीय और धार्मिक मान्यताओं को गहराई से प्रतिबिंबित करता है।

कैसे अलग है शादी का परिधान और आभूषण

उत्तर और दक्षिण भारतीय शादियों में दुल्हन और दूल्हे के परिधान और आभूषणों में स्पष्ट भिन्नता देखने को मिलती है। दक्षिण भारतीय दुल्हनें पारंपरिक रूप से रेशमी साड़ी पहनती हैं, जो उनके सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों को दर्शाती है। इन साड़ियों के चमकीले रंग और जटिल डिज़ाइन उनकी परंपरा का प्रतीक होते हैं। दूल्हे धोती या मुंडु पहनते हैं, जो सादगी और परंपरा का मेल होता है। आभूषणों की बात करें तो, दक्षिण भारतीय दुल्हनें सोने के गहनों से सजी होती हैं, जिनमें मंदिर आभूषण शैली खास होती है। ये गहने न केवल उनकी सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि आध्यात्मिकता का भी प्रतीक हैं। वहीं, उत्तर भारतीय दुल्हनें रंगीन और भव्य परिधान पहनती हैं जैसे लहंगे या साड़ियां।

कोरियन स्कीन के लिए अपनाएं टिप्स

नहीं पड़ेगी महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदने की जरूरत

क्या आप भी शीशे जैसी चमकदार और मुलायम त्वचा पाना चाहते हैं? अगर हां तो आप अकेले नहीं हैं! बता दें Korean Glass Skin पाने के लिए कई लोग महंगे से महंगा स्किन केयर रूटीन फॉलो करते हैं लेकिन इसके बाद भी मनचाहे नतीजे नहीं मिल पाते हैं। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसे टिप्स (Korean Glass Skin Tips) जो कोरियन ग्लास स्किन की चाहत हो पूरा करेंगे।

आजकल हर कोई ग्लोइंग स्किन चाहता है, लेकिन कोरियन ग्लास स्किन का सपना ही कुछ और है! शीशे जैसी चमकदार और बेदाग त्वचा पाने की यह चाहत कोरियन ड्रामा देखकर आज कई लड़के-लड़कियों को हो गई है। ऐसे में, क्या आप जानते हैं कि ग्लास स्किन (Glass Skin Routine) सिर्फ एक ट्रेंड नहीं है, बल्कि एक ऐसा टारगेट है जिसके लिए कोरियन लोग सदियों से मेहनत भी करते आए हैं। यह एक ऐसी त्वचा है जो न केवल चमकती है, बल्कि हेल्दी और हाइड्रेटेड भी होती है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप भी कैसे अपनी स्किन को ग्लास स्किन की तरह शाइनी बना सकते हैं। आइए जानें।

डबल क्लींजिंग

ग्लास स्किन पाने का सबसे पहला और जरूरी स्टेप है अपने चेहरे को अच्छे से साफ करना। इस काम को और बेहतर बनाने के लिए डबल क्लींजिंग काफी मदद करती है। इसके लिए आप अपने स्किन टाइप के मुताबिक कोई भी क्लींजर ले सकते हैं। साथ ही, ध्यान रहे कि अपने स्किन केयर रूटीन में आप कोई भी फेस वॉश ले सकते हैं और अपने चेहरे को धो सकते हैं। जब आप चेहरा धोते हैं, तो आपके चेहरे की सारी गंदगी मेकअप और एक्स्ट्रा ऑयल साफ हो जाता है। इससे आपकी स्किन डीप क्लीन हो पाती है और फिर आप जो भी और स्किन केयर प्रोडक्ट्स लगाते हैं वे अच्छे से काम करते हैं।

स्क्रब करना है जरूरी

कोरियन ग्लास स्किन पाने की चाहत है तो आपको कम से कम हफ्ते में एक बार स्क्रब जरूर करना चाहिए। जी हां, मार्केट में आज सिर्फ फेस ही नहीं बल्कि बॉडी से स्क्रब भी काफी पॉपुलर हो रहे हैं। इसे अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करेंगे तो डेड स्किन से छुटकारा मिलेगा और फिर जो भी स्किन केयर प्रोडक्ट्स आप इस्तेमाल करेंगे, उनका सीधा फायदा आपकी त्वचा को मिलना शुरू हो जाएगा और यह पहले से ज्यादा शाइनी भी नजर आने लगेगी।

कोरियन लोग अपनी त्वचा की बहुत ज्यादा देखभाल करते हैं, इसलिए वे अपने स्किन केयर रूटीन में टोनर का इस्तेमाल भी करते हैं। टोनर एक ऐसा प्रोडक्ट है जो त्वचा को डीप क्लीन करता है और उसे नमी देता है। जब आप टोनर चुनें तो ध्यान रखें कि वह आपकी त्वचा को नम रखे। टोनर को रूई या कॉटन पैड में लेकर चेहरे पर रगड़ने की बजाय हल्के हाथों से थपथपाकर लगाएं। गुलाब जल या ग्रीन टी से बना टोनर भी आपकी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

मॉइस्चराइजर का यूज

ग्लास स्किन वाली चमक पाने का सबसे जरूरी फॉर्मूला है त्वचा को अच्छी तरह मॉइस्चराइज करना। अगर आपकी स्किन अक्सर ड्राई रहती है तो डेली रूटीन में इसका इस्तेमाल बेहद जरूरी है। इसलिए, अपने स्किन टाइप के हिसाब से एक ऐसा मॉइस्चराइजर चुनें जो आपकी त्वचा को गहराई से पोषण दे। हैवी मॉइस्चराइजर से बचें, क्योंकि इससे आपकी त्वचा ऑयली हो सकती है और पिंपल्स भी बढ़ सकते हैं।

डाइट को रखें हेल्दी

कोरियन ग्लास स्किन पाने के लिए सिर्फ मॉइस्चराइजर लगाना काफी नहीं होता, बल्कि इसके लिए हमें अपने खान-पान की आदतों पर भी ध्यान देना जरूरी है। हमें रोजाना भरपूर मात्रा में पानी पीना चाहिए। साथ ही ज्यादा से ज्यादा फल और सब्जियों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए। ये हमें अंदर से पोषण देते हैं और हमारी त्वचा को हेल्दी रखते हैं।

कम तेल वाला आम का सूखा अचार जो खराब न हो ट्रेडीशनल विधि

आम का सूखा अचार के लिये आवश्यक सामग्री

कच्चा आम - 1 किलो
नमक - Salt - 2 बड़े चम्मच
हल्दी - Turmeric Powder - 1 बड़े चम्मच
सौंफ - Fennel Seeds - 2 बड़े चम्मच
मेथी दाना - Fenugreek Seeds - 1 बड़े चम्मच
सरसों के दाने - Mustard Seeds - 2 बड़े चम्मच
सरसों का तेल - Mustard Oil - 1/3 कप
अजवाइन - Carom Seeds - 1/2 छोटी चम्मच
हींग Asafoetida - 1/4 छोटी चम्मच
हल्दी - Turmeric Powder - 1 छोटी चम्मच
लाल मिर्च - Red Chilli - 1 छोटी चम्मच
लाल मिर्च पाउडर - Red Chilli Powder - 1 छोटी चम्मच
नमक - Salt - 2 बड़े चम्मच

सफर पर ले जाने के लिये और टिफ्फिन में देने के लिये तेल से भरे हुए आचार हमेशा गड़बड़ कर देते हैं. क्योंकी तेल हर बार टिफ्फिन से निकल कर बाकी सामान में लग जाता है. इसी परेशानी को दूर करते हुए आज हम बनाने जा रहे हैं आम का सूखा आचार. इसे बनाना बहुत ही आसान है और ये कम तेल और मसालों में बनकर तैयार हो जाता है. तो आप भी इस आसान विधि के साथ आम का सूखा आचार बनाएं और अपने सफर में इसे आसान से पैक करके ले जाएं.

आम का सूखा आचार बनाने की विधि

1 किलो कच्चे आम को पानी में 10 घंटे के लिये भिगो कर रख दीजिये. फिर इन्हें धो कर निकाल कर 5-6 घंटे सुखाएं. अब इनका डंठल निकाल कर इनका पल्प निकाल लीजिये, छीलना नहीं है. इन्हें अपने मनपसंद के पीस में काट कर बाउल में डाल लीजिये.

कटे हुए आम के पीस में 2 बड़े चम्मच नमक और 1 बड़े चम्मच हल्दी डाल कर अच्छे से मिलाएं. फिर इसे ढक कर 2 दिन के लिये रख दीजिये, याद रखिये रोज़ एक बार चलाना ज़रूर है. 2 दिन के बाद इन्हें छान कर इनका जूस अलग कर लीजिये और इनके जूस को बाउल में भरकर फ्रिज में रख दीजिये.

अब छलनी से निकाल कर बड़ी ट्रे में आम के पीस अलग-अलग फैला दीजिये. अगर धूप हो तो इन्हें 3-4 घंटे धूप में रख दीजिये. अगर धूप ना हो तो इन्हें पंखे की हवा में 7-8 घंटे या रात भर रख दीजिये. फिर दूसरे दिन इनके सूख जाने पर इन्हें बाउल में डाल लीजिये.

पेन में 2 बड़े चम्मच सौंफ और 1 बड़े चम्मच मेथी दाना डाल कर 1 मिनट मीडियम फ्लेम पर लगातार चलाते हुए भूनिये. फिर इन्हें निकाल कर उसी पेन में 2 बड़े चम्मच सरसों के दाने डाल कर लगातार चलाते हुए आधा मिनट भूनिये. इन्हें सौंफ और मेथी दाना के साथ निकाल कर ठंडा कीजिये. इस बीच उसी पेन में कप सरसों का तेल गरम कीजिये. गरम होने पर फ्लेम बंद करके इसमें छोटी चम्मच अजवाइन, छोटी चम्मच हींग और 1 छोटी चम्मच हल्दी डाल कर अच्छे से मिलाएं. अब मिक्सर जार में भुने हुए सौंफ, मेथी दाना और सरसों के दाने डाल कर दरदरा पीस लीजिये.

सूखे आम के बाउल में दरदरे पिसे मसाले, 1 छोटी चम्मच कुटी हुई लाल मिर्च, 1 छोटी चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 2 बड़े चम्मच नमक, कप आम से निकला जूस और मसाले वाला तेल डालिये. इन्हें अच्छे से मिला कर ढक कर 2 दिन के लिये रख दीजिये, याद रखिये रोज़ एक बार चलाना ज़रूर है.

2 दिन के बाद आम का सूखा आचार बन जाएगा. इसमें 2 बड़े चम्मच सफेद सिरका डाल कर अच्छे से मिला दीजिये. इस तरह आम का सूखा आचार बनकर तैयार हो जाएगा. इसे परोसिये और इसके स्वाद का आनंद लीजिये.

सुझाव

आचार को कांच के या चीनी मिट्टी के कंटेनर में भरकर रखना है. कंटेनर गरम पानी से धुला और धूप में सूखा होना चाहिये. आचार जब भी निकाले साफ-सूखे हाथ और चम्मच से निकालें.

इस बार बनाईये, भुट्टे का करारा-ट्रेडीशनल सब्जी

रोज़ की सब्जियों से अलग आज हम बनाने जा रहे हैं भुट्टे का करारा. इसे बनाना बहुत ही आसान है और ये झटपट बनकर तैयार हो जाता है. इसका स्वाद बहुत ही लाजवाब होता है, इतना कि आप एक बार खाएँगे तो बार-बार खाना पसंद करेंगे. तो आप भी इस आसान विधि के साथ भुट्टे का करारा बनाएं और अपने परिवार के साथ इसके स्वाद का आनंद लें.

भुट्टे का करारा के लिये आवश्यक सामग्री

भुट्टा - Corn Cob - 3 (750 ग्राम)
बेसन - Gram Flour - 1/2 कप से थोड़ा कम
नमक - Salt - 1/4 छोटी चम्मच
अदरक - Ginger - 1 छोटी चम्मच, ग्रेटेड
हरी मिर्च - Green Chilli - 2, बारीक कटी हुई
हरा धनिया - Coriander Leaves - 4-5 बड़े चम्मच
टमाटर - Tomato - 5 (350 ग्राम)
अदरक - Ginger - 1 इंच,हरी मिर्च - Green Chilli - 2,तेल - Oil - 2-3 बड़े चम्मच
जीरा - Cumin Seeds - 1/2 छोटी चम्मच
हींग - Asafoetida - 1 पिंच
हल्दी - Turmeric Powder - 1/2 छोटी चम्मच
कश्मीरी लाल मिर्च - Kashmiri Red Chilli - 1 छोटी चम्मच
धनिया पाउडर - Coriander Powder - 1.5 छोटी चम्मच
कसूरी मेथी - Dry Fenugreek leaves - 1 बड़े चम्मच
नमक - Salt - 1 छोटी चम्मच
हरी मिर्च - Green Chilli - 4
घी - Ghee - 1 छोटी चम्मच
हरा धनिया - Coriander Leaves
तेल तलने के लिये - and oil for frying

पकोड़े बनाने की विधि

3 दूधिया भुट्टे को ग्रेट करके इनका पल्प निकाल लीजिये. फिर इसमें से आधा पल्प बाउल में निकाल लीजिये और आधा प्लेट में ही रहने दीजिये. जितना पल्प बाउल में है उतना ही बेसन डाल कर इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डाल कर हल्का गाढ़ा घोल बनाएं. फिर इसे अच्छे से 3-4 मिनट फेंटिये.

जम्मू और कश्मीर के प्रसिद्ध मंदिर

धार्मिक स्थल किसी भी राज्य की पहचान और विशिष्टता में अहम भूमिका निभाते हैं। जम्मू और कश्मीर के मंदिर भी लोगों की भक्ति भावना पर बड़ा प्रभाव डालते हैं और राज्य में पर्यटन को भी आकर्षित करते हैं। जम्मू और कश्मीर में कई मंदिर हैं, प्राचीन और नए दोनों, जो कश्मीरी कारीगरों द्वारा बनाए गए हैं। जम्मू को मंदिरों का शहर भी कहा जाता है। यहाँ के मंदिर बहुत ही अनोखे और कलात्मक हैं और उनमें देवी-देवताओं की सुंदर मूर्तियाँ हैं, जिनमें से अधिकांश शहर में ही बनाई गई हैं। शहर में बड़ी संख्या में सूफी दरगाह भी हैं और यह धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक सद्भाव का एक ठोस उदाहरण प्रस्तुत करता है। जम्मू और कश्मीर के कुछ प्रसिद्ध मंदिरों की सूची नीचे दी गई है।

रघुनाथ मंदिर (जम्मू)

रघुनाथ मंदिर जम्मू का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है। यह उत्तरी भारत का सबसे बड़ा मंदिर परिसर है। यह जम्मू शहर के मध्य में स्थित है। मंदिर में सात मंदिर हैं। सभी मंदिरों में से सबसे महत्वपूर्ण मंदिर भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान राम का है। मुख्य मंदिर की दीवारें सोने की चादरों से ढकी हुई हैं और उनमें भगवान राम, सीता माता और श्री लक्ष्मण की मूर्तियाँ हैं। मंदिर के अंदरूनी हिस्से सोने से मढ़े हुए हैं। मंदिर में एक संस्कृत पुस्तकालय भी है जिसमें दुर्लभ संस्कृत पांडुलिपियाँ हैं।

वैष्णो देवी मंदिर

माता वैष्णो देवी मंदिर एक दिव्य हिंदू मंदिर है और जम्मू का विश्व प्रसिद्ध पवित्र स्थान है। यह तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर के बाद देश में दूसरा सबसे अधिक देखा जाने वाला मंदिर है। यह मंदिर माता रानी या वैष्णवी को समर्पित है, जो देवी माँ का एक अवतार है। माता वैष्णो देवी का मंदिर त्रिकुटा नामक तीन चोटियों वाले हिमालय पर्वतों के बीच एक गुफा में स्थित है। वैष्णोदेवी की छवियों के साथ, मंदिर में महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की तीन मूर्तियों की भी पूजा की जाती है। देवी वैष्णवी की दो घंटे की आरती दिन में दो बार होती है, जिसमें मंत्रों का जाप और माता दुर्गा के 108 नामों का जाप होता है।

अमरनाथ मंदिर

अमरनाथ मंदिर कश्मीर का सबसे पुराना मंदिर माना जाता है

जो अनंतनाग जिले में स्थित है, जो पहलगाम से 29 किलोमीटर दूर है। शिव मंदिर लिद्दर घाटी के एक छोर पर लगभग 3900 मीटर की ऊँचाई पर एक बड़ी गुफा के अंदर स्थित है। यह मंदिर मुख्य रूप से शिव-लिंगम (बर्फ का एक प्राकृतिक निर्माण) के लिए प्रसिद्ध है, जो हिंदुओं का सबसे पवित्र और सबसे प्रसिद्ध प्रतीक है। भगवान गणेश का प्रतिनिधित्व करने वाले लिंगम के बाईं ओर एक बर्फ का टुकड़ा भी है। इसके बाईं ओर देवी पार्वती को दर्शाने वाली एक छोटी बर्फ की संरचना है। ऐसा माना जाता है कि बर्फ का निर्माण गर्मी के दिनों में होता है और चंद्रमा के साथ बदलता रहता है। अमरनाथ की 'यात्रा' हिंदू धर्म की सबसे महत्वपूर्ण यात्राओं में से एक है जो जुलाई या अगस्त के महीने में चंदनवारी से शुरू होती है।

अवंतिपुर मंदिर

अवंतीपुर मंदिर जम्मू और कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से 29 किलोमीटर दूर, झेलम नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर की स्थापना शांतिपूर्ण धार्मिक शासक, राजा अवंतीवर्मन ने की थी। उन्होंने 1 किलोमीटर के दायरे में दो महान मंदिर बनवाए, मुख्य मंदिर भगवान विष्णु का था, जिसका नाम अवंतीस्वामी था, और दूसरा भगवान शिव का था, जिसका नाम अवंतीश्वर था। विष्णु मंदिर अपनी दीवारों, फर्श और स्तंभों पर शानदार अनूठी नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ राजपरिवार की मूर्तियाँ और सुंदर महिला देवताओं की नक्काशी हैं जिन्हें अप्सराएँ कहा जाता है, और साथ ही नवग्रहों और किन्नरों की नक्काशी भी है।

शंकराचार्य मंदिर

शंकराचार्य मंदिर कश्मीर के दक्षिण-पूर्वी भाग में गोपादारी पहाड़ी की चोटी पर स्थित है, जो शहर की सतह से 1100 फीट ऊपर है। शंकराचार्य मंदिर, जिसे ज्येतेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर धार्मिक और वास्तुकला दोनों ही दृष्टिकोणों से बहुत महत्वपूर्ण है। मंदिर एक गोलाकार कक्ष में बनाया गया है और यहाँ से खूबसूरत कश्मीर घाटी का मनमोहक दृश्य दिखाई देता है।

|| हर हर महादेव ||

हमारा देश हमारा अभिमान

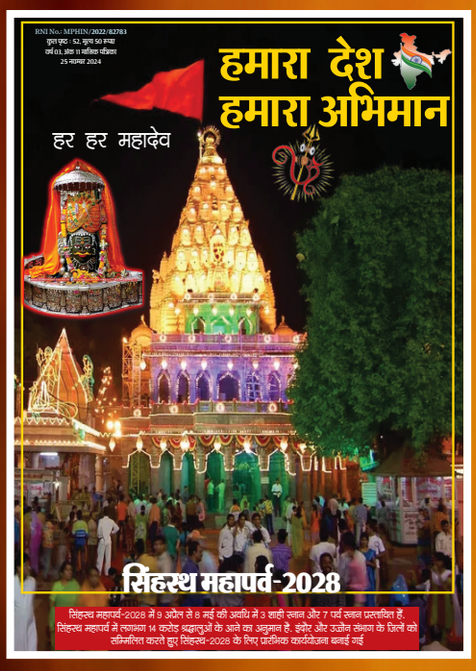

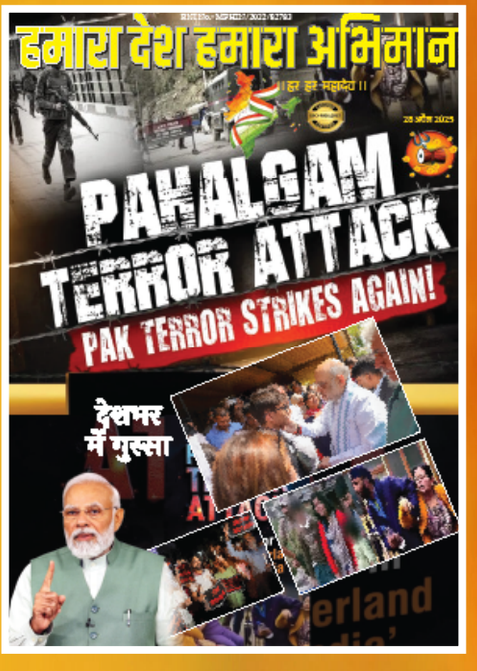

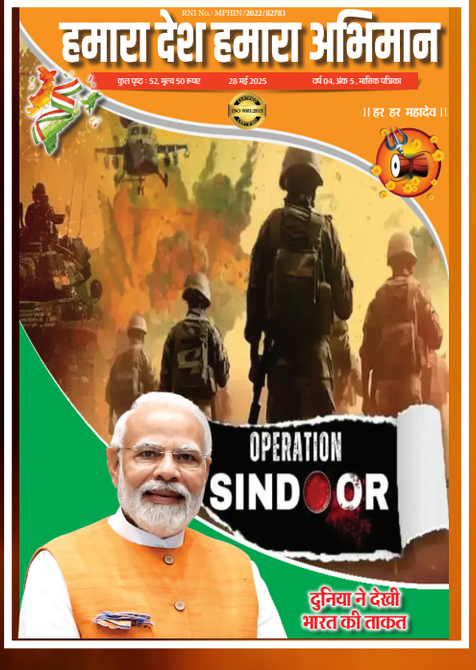

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें.....

मनोज चतुर्वेदी : 9826636922, 8839259136